वर्ष 73 अंक 90 पृष्ठ 12
रीवा, रविवार 28 दिसंबर, 2025
पौष शुक्ल पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

देशभक्ति वह विश्वास है कि यह देश सभी देशों से श्रेष्ठ है, सिर्फ इसलिए क्योंकि आपका जन्म यहां हुआ है।
-जॉर्ज बर्नार्ड शॉ

ऑफ बीट

ब्रिटेन: महिला पुलिस के हाईटेक हिजाब लॉन्च

ब्रिटेन की पुलिस व्यवस्था में एक अहम बदलाव करते हुए महिला पुलिस अधिकारियों के लिए हाई-टेक हिजाब लॉन्च किया गया है। यह खास तौर पर मुस्लिम महिला पुलिसकर्मियों की सुरक्षा और ड्यूटी के दौरान उनकी धार्मिक पहचान को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस हिजाब को ब्लू लाइट (मैग्नेटिक) हिजाब नाम दिया गया है। ब्रिटेन की लीसेस्टेशायर पुलिस ने महिला अधिकारियों को यह हिजाब पहनने की अनुमति दी है। अन्य पुलिस बलों में भी इसे अपनाने की प्रक्रिया चल रही है। यह हिजाब आधुनिक तकनीक से लैस है, ताकि किसी भी आपात या हमले की स्थिति में महिला अधिकारी को अतिरिक्त खतरा न हो। इस हिजाब को दो हिस्सों में डिजाइन किया गया है, जो चुंबकीय प्रणाली (मैग्नेट) से जुड़े रहते हैं। मुंह को ढकने वाला बाहरी कपड़ा और सिर को ढकने वाला अंदरूनी हिस्सा। यह क्विक-रिलीज सिस्टम पर काम करता है। ड्यूटी के दौरान हिजाब खींचा जाए या किसी तरह का हमला हो, तो बिना अंदरूनी कपड़ा हटाए बाहरी हिस्सा आसानी से अलग हो जाता है। इससे गला घुटने या चोट लगने का खतरा कम हो जाता है।

2025 गुजरता साल यादगार लम्हे

देश और समाज के लिए कई महत्वपूर्ण और निर्णायक घटनाओं का... *(पेज-8 पर)*

नए साल से पहले ठिठुरा प्रदेश, सात जिलों में शीत लहर

भोपाल में सीजन की सबसे सर्द रात, मंदसौर में पारा 2.9 डिग्री

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में एक बार फिर कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो गया है। मंदसौर में इस सीजन की सबसे सर्द रात रिकार्ड की गई। यहां शनिवार की रात को पारा 2.9 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले इस वर्ष इतना कम तापमान किसी भी जिले या स्टेशन पर रिकार्ड नहीं किया गया। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार शनिवार को प्रदेश के सात जिलों में शीत लहर भी चली। इसमें राजधानी भोपाल का नाम भी शामिल है। भोपाल में न्यूनतम पारा 4.6 डिग्री रहा। जो कि इस सीजन का अब तक का सबसे कम है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि उत्तर भारत में हो रही बर्फबारी के कारण ठंडी हवाएं मध्य प्रदेश में आ रही हैं। इन ठंडी हवाओं के चलते प्रदेश में सर्दी बढ़ गई है।

कोहरा न के बराबर, हवाओं से गिरा तापमान: मप्र के कई जिलों में शनिवार को न्यूनतम पारा तेजी से गिरा। इसका कारण तेज गति से चलने वाली जेट स्ट्रीम हवाएं हैं। मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में आसमान साफ है। ग्वालियर व चंबल क्षेत्र में कोहरा नहीं है। जब कोहरा नहीं होता तो ठंडी हवाओं का असर ज्यादा होता है। इन्हीं हवाओं के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

■ इन जिलों में चली शीत लहर
भोपाल, राजगढ़, सीहोर, इंदौर, गिरवर (शाजापुर), कल्याणपुर (शहडोल), मंदसौर।

■ आज इन जिलों में चेतावनी
भोपाल, सीहोर, राजगढ़, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर, अनूपपुर, शहडोल, सिवनी में।

■ कोहरे का ओरेंज अलर्ट
सात जिलों- सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, पन्ना और छतरपुर में ओरेंज अलर्ट है।

दिल्ली में एक्यूआई 355 पर पहुंचा

उत्तर और पूर्वी भारत के बड़े हिस्से शनिवार को कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की चपेट में रहे। मौसम विभाग ने देर रात और सुबह घने कोहरे की संभावना जताई है।

उत्तर प्रदेश के 68 जिलों में घना कोहरा, चंडीगढ़ में विजिबिलिटी शून्य

नई दिल्ली/देहरादून/लखनऊ। हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में दिखने लगा है। उत्तर प्रदेश के 68 जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे कई जगहों पर विजिबिलिटी 10 मीटर से भी कम रह गई। आगरा में ताजमहल पूरी तरह कोहरे में ढका नजर आया। वहीं चंडीगढ़ में हालात इतने खराब रहे कि एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई, जिससे कई उड़ानें रद्द और कई डायवर्ट करनी पड़ीं। कश्मीर घाटी में भी ठंड ने रिकॉर्ड तोड़े हैं। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 2.6 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि सोनमर्ग में पारा माइनस 5.8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में झरने जम गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार 30-31 दिसंबर को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली में बर्फबारी के आसार हैं।

हार्ट क्लीनिक आपके शहर रीवा में

डॉ. शिरीष मिश्रा हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं प्रत्येक दिन

रीवा। रीवा के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ शिरीष मिश्रा जी M.D. मेडिसिन D.N.B कार्डियोलॉजी कंसलटेंट इंटरवेशनल कार्डियोलॉजिस्ट पूर्व कंसलटेंट - मैक्स हॉस्पिटल, बी.ल कपूर हॉस्पिटल, नई दिल्ली हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं प्रति दिन समड़िया गोल्ड बाल भारती स्कूल के सामने रीवा में उपलब्ध है, डॉ शिरीष मिश्रा पूर्व में मैक्स हॉस्पिटल और बी.एल. कपूर जैसे हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके है, हार्ट अटैक, सीने का दर्द, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, सांस फूलना, स्टंट, पेसमेकर, वाल्व बाईपास इत्यादि के मरीजों का फॉलो उप, जन्मजात हृदय रोग जैसे बीमारी का इलाज किया जाता है, आधुनिक जांच सुब्धियाएं जैसे कि इकोकार्डियोग्राफी, टीएमटी, ECG, होल्टर, एबीपीएम जैसे आधुनिक तकनीक से जांच उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु आराध्या मेडिकल स्टोर्स समदड़िया गोल्ड, बाल भारती स्कूल के सामने, रीवा। संपर्क नं. 9752244-218 में संपर्क कर सकते हैं।

75 वर्ष से ज्यादा व्यक्तियों का सभी प्रकार की जांचो में 50% की छूट एवं निःशुल्क परामर्श

विशेष सुविधाएं: एन्जोप्लास्टी, बाईपास सर्जरी, आयुष्मान द्वारा निःशुल्क सर्जरी की जाती है।

पद्म विभूषण

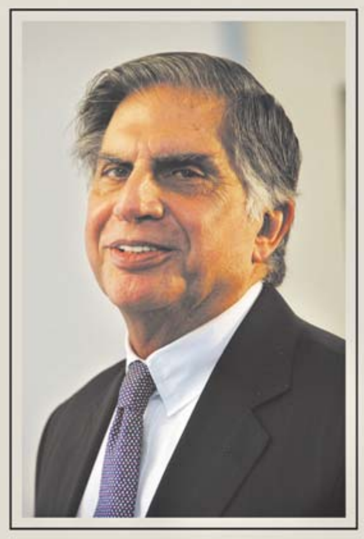

रतन एन टाटा
२८.१२.१९३७ - ०९.१०.२०२४

उद्योग जगत के प्रतीक एवं मानवता के सेवक,
रतन एन टाटा के ८८वें जन्मदिवस पर
हम उन्हें नमन करते हैं।

TATA
टाटा संस एवं टाटा समूह की कंपनियाँ

एमसीजी में दो दिन में टेस्ट खत्म (पेज : 09)

सिंगरौली से वापस, रीवा पदस्थ किए गए डॉ. इंदूलकर

रीवा। मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ.मनोज इंदूलकर फिर वापस आ गए हैं। कुछ माह पूर्व उनका स्थानांतरण मेडिकल कॉलेज रीवा से मेडिकल कॉलेज सिंगरौली कर दिया गया था। बता दें कि लंबे समय से रीवा में मेडिसिन विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं दे रहे डॉ.इंदूलकर के स्थानांतरित हो जाने से जाने मरीजों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था लेकिन उनकी वापसी से मरीजों में खुशी है। कोरोना काल में डीन के रूप में डॉ इंदुलकर का कार्य उल्लेखनीय रहा है।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर (अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

छात्राओं को दी कॉलेज में एडमिशन की जानकारी

जागरण, रीवा। शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के द्वारा सघन कॉलेज चलो अभियान प्राचार्य डॉ. मेजर विभा श्रीवास्तव के दिशा निर्देश पर सुचारू रूप से चल रहा है, जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय की टीम शा. उ.मा.विद्यालय गोड़हर पहुचीं जहां छात्राओं को महाविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश के तरीके, महाविद्यालय के विभिन्न विभागों, एन.सी.सी. एन.एस.एस. स्पोर्ट्स सम्बल, मेधावी, आदि के बारे मे जानकारी दी गयी। छात्राओ को एन.ई.पी. के अन्तर्गत चलने वाले कोर्स की विस्तृत जानकारी दी गयी, साथ ही छात्राओं के प्रश्नों का जबाब देकर संतुष्ट किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी डॉ. पुष्पा तिवारी, डॉ. राहुल रूपेश द्विवेदी, और डॉ. सांजल पटेल की अहम भूमिका रही।

बिना एमएलसी शव लेकर भागे परिजन, तमाशबीन बने सुरक्षाकर्मी

अमहिया पुलिस ने शव किया बरामद, संजय गांधी अस्पताल की सुरक्षा में सेंध

जागरण, रीवा। शहर के संजय गांधी अस्पताल में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब यहां के स्टाफ व डॉक्टरों को धमकाकर परिजन दो शवों को जबरन ले भागे। इस दौरान अस्पताल की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मी बजाय परिजनों को रोकने के तमाशबीन बने देखते रहे। जिसका लाभ उठाकर परिजन शव ले जाने में सफल हो गए और सुरक्षा कर्मी व अस्पताल के अधिकारी, कर्मचारी खड़े ताकते ही रह गए। मामला शनिवार दोपहर का है यहां पर मैहर थाना क्षेत्र के ताला से पंद्रह वर्षीय भारती पटेल को लाया गया था जिसकी करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। इसी प्रकार निपनिया निवासी 5 वर्षीय सानिया शेख की मृत्यु अज्ञात कारणों के चलते हो गई थी, जिसका अस्पताल में करीब दो घंटे उपचार भी चला था। शवों की एमएलसी हुए बिना ही परिजन यहां के डॉक्टर व स्टाफ कर्मचारियों को धमकाकर दोनों ही शवों को यहां से जबरन ले गए। इस दौरान यहां के सुरक्षा कर्मी तमाशबीन बने उन्हें देखते रहे। घटना की सूचना संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा को मिलने पर उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि अस्पताल की सुरक्षा का जिम्मा अमहिया थाना क्षेत्र, एसजीएमएच पुलिस चौकी व यहां की सुरक्षा कर रहे हाइट्स कंपनी के सुरक्षा कर्मियों का है, बावजूद इसके परिजन शवों को ले जाने में सफल रहे। अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने बताया कि अधिकतर परिजन शवों का पीएम नहीं करवाना चाहते, अस्पताल से सूचना मिलने के कुछ समय बाद ही पुलिस ने शव बरामद कर लिए हैं। आगे की कार्यवाही जारी है।

छात्रों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने जन मानस का मोहा मन

रोज पेटल स्कूल का वार्षिकोत्सव संपन्न

रीवा। रोज पेटल हायर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिकोत्सव रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आर्युवैदिक कॉलेज के प्राध्यापक डॉक्टर आशुतोष द्विवेदी, सेवानिवृत प्राचार्य व टीआरएस कॉलेज रीवा गवर्निंग बॉडी के मेंबर राजेंद्र सिंह, शांतनु देशपांडे, अंकिता देशपांडे, संस्था प्राचार्य हरीश सिंह, एस के दीक्षित, एल डी वर्मा उपस्थित रहे। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति पर्यावरण एवं वृद्धजनों को समर्पित प्रस्तुतियों को उपस्थित जनमानस के साथ अभिभावकों द्वारा काफी सराहा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आशुतोष ने छात्रों को कड़ी मेहनत, लगन, निष्ठा व ईमानदारी से अध्ययन करने की प्रेरणा दी राजेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में संस्कार युक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने विद्यालय के संचालक सुरेश देशपाण्डेय और शारदा देशपांडे, डॉ कुंदेस्वर सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की सराहना की। कार्यक्रम में मेधावी छात्रों, खिलाड़ियों को सांस्कृतिक कार्यक्रम भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया, आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के संचालक शांतनु देशपांडे ने किया।

सब्जी मण्डी में पसरी रही गंदगी सड़क पर ही डाल दी खराब सब्जी

सड़ चुकी सब्जियों की दुर्गंध से हलाकान रहे खरीदार

जागरण, रीवा। स्टेच्यू चौराहा स्थित सब्जी मण्डी में शनिवार को गंदगी पसरी रही, व्यापारियों ने खराब हो चुकी सब्जी बजाय किनारे फिंकवाने के सड़क पर ही फेंक दी, जिससे उठने वाली दुर्गंध के चलते यहां सब्जी क्रय करने आए खरीदार मारे बदबू के हलाकान होते रहे, वहीं सड़क पर डाली गई सब्जी के कारण फिसलते, गिरते नजर आए। वहीं सड़क पर फेंकी गई सब्जियों पर मुंह मारने बार-बार आवारा मवेशी भी मण्डी में घुसते रहे। जिसके चलते खरीदारों को असहूलियात हुई साथ ही सड़क पर सब्जी फेंकने वाले व्यापारी भी मवेशियों को भगाते नजर आए। शहर में अपनी मांगों के समर्थन में सफाई कामगारों की हड़ताल के चलते सफाई कामगारों ने कार्य बंद कर दिया है, जिससे मण्डी सहित अन्य क्षेत्रों से कचरा नहीं उठा न ही शहर की सफाई हुई। सब्जी मण्डी में सफाई करने वाले नहीं आए, जिसके चलते व्यापारियों ने अपनी दुकानों के सामने ही सड़कों पर सड़ी व खराब सब्जियों को ठिकाने लगा दिया, हालांकि मण्डी में जहां कचरा एकत्रित किया जाता है, वहां से जेसीबी द्वारा कचरा उठाया गया है, फेंकी गई सब्जियां वहां डाल दी जाती तो सब्जी मण्डी आने वाले खरीदारों को राहत मिलती।

नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर की हड़ताल

महापौर व निगमायुक्त ने सभी जायज मांगों पर विचार करने का दिया आश्वासन

जागरण, रीवा

नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर शनिवार को अचानक हड़ताल पर हड़ताल चले गये। सफाई कर्मचारियों ने नगर निगम कार्यालय का घेराव कर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। बाद में महापौर अजय मिश्रा बाबा व निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे द्वारा दिये गये जायज मांगों पर विचार करने के आश्वासन पर हड़ताल समाप्त कर दी गई। सफाई कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से शनिवार को शहर के कई मोहल्लों और सड़कों पर सफाई का कार्य प्रभावित रहा। सफाई कर्मियों के हड़ताल में चले जाने से शहर के कई इलाकों में कचरे के ढेर लगे रहे। समस्त सफाई कर्मचारी सुबह से ही सैकड़ों की संख्या में नगर निगम कार्यालय पहुंचकर धरने पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी की। गौरतलब है कि विगत 23 दिसंबर को नगर निगम श्रमिक कर्मचारी परिषद एवं भारतीय सफाई मजदूर संघ के संयुक्त मोर्चा द्वारा अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर निगामयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन में मांग की गई थी कि विनियमित कमचारियों को नियमित किया जाय। सेवा से पृथक किये गये सफाई कर्मचारियों को तत्काल कार्य पर लिया जाय। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा सफाई कर्मचारियों की 62 वर्ष सेवा पूर्ण होने पर उनके आश्रित परिवार के एक सदस्य को नियमित सफाई पर रखा जाय। जिन कर्मचारियों का इंक्रीमेंट रोका गया या निलंबित किया गया है, उन्हें तत्काल कार्य पर बहाल किया जाय। समस्त सफाई कर्मचारियों को तत्काल गरम वर्दी दी जाय एवं दैनिक वेतन कर्मचारियों को गैरहाजिर होने पर उन्हें कार्य से पृथक न किया जाय। ज्ञापन में कहा गया था कि 24 दिसंबर तक मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो सुबह पाली से सफाई कर्मचारी काम बंद कर हड़ताल पर चले जाएंगे। शनिवार को जब अचानक सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गये तो निगमायुक्त तत्काल कार्यालय पहुंचे और सफाई कर्मचारियों को सभी जायज मांगों पर विचार करने का आश्वासन देकर सभी कर्मचारियों को काम पर वापस लौटाया। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी के मुताबिक बहुत से सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को भी सफाई का काम किया है। जिन कर्मचारियों को सिर्फ अपने काम से मतलब है उन्होंने अपने काम पर ध्यान दिया है।

सफाई कर्मचारियों की कुछ मांगें राज्य शासन से संबंधित है जिन्हें शासन के पास भेजा जाएगा। कुछ मांगें स्थानीय स्तर की हैं, सफाई कर्मचारियों ने वर्दी इत्यादि की मांगे रखी हैं जिनके बारे में विचार किया जाएगा। सफाई कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान दिया जाएगा और उन्हें नियमानुसार हर संभव सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।
डॉ. सौरभ सोनवणे, आयुक्त नगर निगम रीवा

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा कल आएगी रीवा

रीवा। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा देश भर का भ्रमण करते हुए 29 दिसंबर को रीवा से होकर गुजरेगी। रीवा में किला स्थित महामृत्युंजय मंदिर में सामूहिक रुद्र पूजा के साथ लोगों को सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा का दिव्य दर्शन उपलब्ध हो सकेगे। महामृत्युंजय मंदिर परिसर में 29 दसिंबर को सुबह 9 बजे से 12 बजे तक सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा मौजूद रहेगी। यह जानकारी देते हुए आर्ट ऑट लिविंग फैमली रीवा की पदाधिकारी फरहद जैब ने बताया कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा देश भर के 12 राज्यों एवं 140 शहरों से होकर गुजरेगी। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा के रीवा पहुंचने पर यहां महामृत्युंजय मंदिर में सामूहिक रुद्र पूजा एवं सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा का दिव्य दर्शन का आयोजन किया गया है। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा का संयोग एक हजार साल बाद हो रहा है। आर्ट ऑट लिविंग फैमली से जुड़ी फरहत जैव ने कहा कि यह रीवा के लोगों के लिए सुखद संयोग है कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा रीवा से होकर गुजरेगी और रीवा के लोगों के इसके दिव्य दर्शन होंगे। उन्होंने लोगों अपील की है कि अधिक से अधिक लोग सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत यात्रा में उपस्थित होकर दिव्य ऊर्जा की अनुभूति का लाभ लें।

लघु वेतन कर्मचारी संघ ने धरना-प्रदर्शन के साथ सौंपा ज्ञापन

रीवा। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के उप प्रांताध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष केसी त्रिपाठी के अगुवाई में आन्दोलन के चतुर्थ चरण में 15 बिंदु का ज्ञापन कलेक्टर रीवा के माध्यम से मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन के नाम सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने से पहले सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया। लघु वेतन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ने बताया कि लगातार आंदोलन के बाद भी हमारी जायज मांगों को वर्षों से सरकार अनसुना कर रही है। ज्ञापन सौंपने औश्र धरना प्रदर्शन में प्रमुख रूप से केसी त्रिपाठी, धर्मपाल पटेल मनोरंजन यादव नेपाल सिंह त्रिवेणी शुक्ला छोटेलाल गुप्ता चंदन लाल शिवेंद्र पांडेय विपिन पाण्डेय दीपक साकेत वसुधा पटेल आशा वंशल करुणा सिंह राज कुमार रामपाल यादव बृजेंद्र द्विवेदी शिव कुमार पांडेय सहित भारी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रेवा की बेटी को मिला राष्ट्रीय सम्मान

डॉ. सुष्मिता जयपुरिया को देश रत्न अवॉर्ड

रीवा। देश की राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित भारत मंडपम में आयोजित भव्य समारोह में रीवा की जानी-मानी उद्यमी एवं समाजसेवी डॉ. सुष्मिता जयपुरिया को देश रत्न अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान श्रम और रोजगार मंत्रालय के सहयोग से प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री रघुराज सिंह रहे। समारोह का आयोजन भारती युवा वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा किया गया, जिसमें देशभर से अनेक विशिष्ट अतिथि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं उद्यमी उपस्थित रहे। डॉ. सुष्मिता जयपुरिया को यह सम्मान शिक्षा, उद्यमिता एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। उनकी यह उपलब्धि रीवा और पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। शहर के जाने-माने व्यवसायी डॉ. राजेश जयपुरिया की पत्नी हैं। पारिवारिक संस्कारों और सतत परिश्रम के बल पर उन्होंने समाज में अपनी एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। रीवा जैसी सांस्कृतिक नगरी से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त करना यह सिद्ध करता है कि रीवा की महिलाएँ भी हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रही हैं। डॉ. सुष्मिता की यह सफलता रीवा की महिलाओं एवं युवतियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने का सशक्त संदेश देगी।

छात्रावास के बहने वाले पानी का नहीं की जा रही निकासी

बहकर पुराने न्यायालय के पीछे हनुमान मंदिर के समीप भरा रहता है

जागरण, रीवा। शासकीय मार्तण्ड विद्यालय क्रमांक के छात्रावास से बहने वाले गंदे पानी का संबंधित जिम्मेदारों द्वारा कोई निकाल नहीं किया जा रहा। लंबे समय से छात्रावास से बहने वाला बहकर पुराने न्यायालय भवन के पीछे स्थित हनुमान मंदिर के समीप भरा रहता है, जिससे यहां की सड़क भी पूरी तरह से उखड़ चुकी है, किन्तु जिम्मेदारों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा, अभी भी उनकी लापरवाही साफ देखने को मिल रही है। आसपास के लोगों ने बताया कि छात्रावास से बहकर आने वाला पानी यहां लंबे समय से एकत्रित होरहा है, जिससे यहां की सड़क पूरी तरह से उखड़ चुकी है, सड़क पर गड्ढे हो गए हैं, जिनका विस्तार होता जा रहा है, वहीं सड़क उखड़ जाने से अब यहां कीचड़ होने लगा है। जहां पानी एकत्रित होता है उसी के समीप हनुमानजी का मंदिर है, जहां सुबह से शात तक बड़ी संख्या में भक्तगण दर्शनार्थ आते हैं, जिन्हें यहां भरे गंदे पानी से होकर मंदिर तक पहुंचना पड़ता है। जिसके चलतें लोग परेशान हो रहे हैं, वहीं अधिक पानी एकत्रित होने पर सड़क के गड्ढों में भर जाता है, जो यहां से निकलने वाले वाहन के पहियों से उड़कर लोगों के ऊपर जाता है।

भारतीय दंत चिकित्सक संघ विंध्य कार्यकारिणी का हुआ गठन

जागरण, रीवा। भारतीय दंत चिकित्सक संघ विंध्य शाखा की वर्ष 2026 की कार्यकारिणी का गठन गत 21 दिसंबर को होटल लैंडमार्क में संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र तिवारी को चुना गया, सचिव डॉ. अमित त्रिपाठी को सर्वसम्मति से चुना गया। उपाध्यक्ष डॉ. हर्षद पांडे व डॉ. एसएन तिवारी, सहसचिव डॉ. रुनझुन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डॉ. सचिन राय, सीडीई पद के लिए डॉ. अभिषेक मणि तिवारी, सीडीएच पद के लिए डॉ. धनेश वर्मा, स्टेट ब्रांच रिप्रेजेंटेटिव पद के लिए डॉ. पल्लवी का चुना गया। संघ की कार्यकारिणी में डॉ. मोइन ओवैसी, डॉ. रोहित सिंह, डॉ. प्रतिभा सिंह, व डॉ. विन्नी सराफ को जोड़ा गया। आगामी वर्ष 2027 के अध्यक्ष पद के लिए डॉ. जयपाल का चयन किया गया। वहीं 2025 के अध्यक्ष डॉ. मुकेश यादव के अलावा डॉ. नवीन मिश्रा, डॉ. गीता त्रिपाठी डॉ. अमित तिवारी, डॉ. रंजना शुक्ला, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. पंकज अग्रवानी, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. मुनीश द्विवेदी, डॉ. ऋचा तिवारी, डॉ. कैलाश गुप्ता, डॉ. रवि मिश्रा, डॉ. परीक्षित द्विवेदी, डॉ. मनीष देव वर्मा, डॉ. शिव प्रताप सिंह, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह व अन्य दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

सउदी अरब ने 2026 के लिए किए बड़े बदलाव

हज यात्रा के दौरान अब एक कमरे में नहीं रह सकेंगे 'मियां-बीवी'

मक्का-मदीना में भी फोटोग्राफी करने पर लगाया गया प्रतिबंध, खाना बनाने की भी नहीं मिलेगी अनुमति

जागरण,रीवा। हज यात्रा 2026 के लिए सऊदी अरब ने इस बार महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इस बार हज यात्रा के दौरान मियां-बीवी एक ही कमरे में नहीं रह सकेंगे। महिला और पुरुष यात्रियों को अलग-अलग कमरों में ठहराया जाएगा। पुरुषों को महिलाओं के कमरों में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। इस बार रसोई घर में खाना बनाने की भी सुविधा हज यात्रियों को नहीं मिलेगी। इन्हें बाहर से खाना लेकर खाना पड़ेगा। वहीं, हज कमेटी ऑफ इंडिया इस बार सभी हज यात्रियों को मुफ्त स्मार्ट वॉच प्रदान करेगा। इससे यात्रा अधिक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और तकनीकी रूप से सक्षम हो सकेगी। वर्ष 2026 की हज यात्रा अप्रैल-मई में होगी। जिला हज कमेटी के अध्यक्ष हाजी मो.इस्तियाक खान ने बताया कि पिछले वर्ष सऊदी सरकार ने भारत सरकार के विशेष आग्रह पर भारतीय यात्रियों की उम्र और सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए संयुक्त कमरा और खाना बनाने की विशेष छूट दी थी, जो इस वर्ष समाप्त कर दी गई है। दूसरे देशों के लिए यह व्यवस्था पहले से लागू है। इससे भारतीयों की हज यात्रा कुछ और महंगी हो सकती है। अब भारत सरकार व हज कमेटी ऑफ इंडिया वहां हज यात्रियों के लिए कैटरिंग की व्यवस्था करने सहित दूसरे विकल्पों पर विचार कर रही है।

नजदीकी कमरे करेंगे आवंटित

नई गाइड लाइन के तहत एक ही शहर के यात्रियों को एक ही इमारत में ठहराने को प्राथमिकता दी जा सकती है। मियां-बीवी या करीबी रिश्तेदारों को अलग-अलग लेकिन नजदीकी कमरे आवंटित किए जा सकते हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर सहायता मिल सके। बिना मेहरम वाली महिला यानी ऐसी महिलाएं अपने पति, पिता, भाई या बेटे के साथ यात्रा कर रही हैं उन्हें अलग समूहों में कमरे दिए जाएंगे। सऊदी अरब गवर्नमेंट ने मक्का और मदीने के हरम शरीफ में फोटोग्राफी पर पाबंदी लगा दी है। इसके मुख्य कारण अल्ला की इबादत में खलल डालना है। मोबाइल और कैमरे से फोटो लेना पूर्णतया प्रतिबंधित कर दिया है। फिलहाल अभी जुर्माना के बारे में तय नहीं किया गया है।

सभी को स्मार्ट वॉच प्रदान की जाएंगी

हज यात्रा के दौरान इस बार सभी को स्मार्ट वॉच प्रदान की जाएंगी। यह वॉच विशेष रूप से उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयोगी होगी, जो स्मार्ट फोन में ऐप का उपयोग नहीं कर पाते हैं। यह वॉच हज सुविधा ऐप.2.0 से जुड़ी रहेगी। यह ऐप सभी हज यात्रियों के लिए जरूरी है। यह घड़ी हाथ में बंधी रहेगी ताकि इसके खोने का भी खतरा नहीं रहेगा।

महिला संबंधी सभी समस्याओं का उपचार
अनियमित माहवारी, P.C.O.D, बांझपन, ऑपरेशन, डिलीवरी, गर्भाशय की गांठ
डॉ. एच.एन.सिंह
MBBS, DGO
वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूती रोग विशेषज्ञ, एल.टी.टी. सर्जन
दिन- बुध, गुरू, शुक्र, शनि एवं रविवार को रीवा में
दिन- सोम एवं मंगल को मऊगंज में
लगभग 1 लाख LTT ऑपरेशन का अनुभव
उपलब्ध परामर्श
• मीनोपाज
• परिवार नियोजन
• यूरिन संक्रमण
• गर्भधारण संबंधी समस्या
• किशोरियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्या
आयुष्मान मेडिकल स्टोर
उप्पल मोटर्स नेहरू नगर रोड, नया बस स्टैण्ड रीवा (म.प्र.)
9074442005

कॉस्मेटिक स्किन एंड प्लास्टिक सर्जरी क्लीनिक
डॉ. सौरभ सक्सेना
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (सर्जरी), MCH (प्लास्टिक सर्जरी)
समयः 4:00 PM से 7:30PM सोमवार से शनिवार, रविवार 12 PM- 02:00PM
• स्किन टैन, तिल, मस्से का उपचार टैटू रिमूवल
• झुर्रियां, मुंहासे के दाग के लिए
• सफेद दाग का इलाज • फिलर ट्रीटमेन्ट
• लेजर द्वारा नॉन सर्जिकल एवं सर्जिकल उपचार
• त्वचा संबंधी सभी विकृतियों का उपचार
• स्ट्रेच मार्क चोट, सर्जरी के दाग का उपचार
• हेयर लेजर रिमूवल (अनचाहे बाल) केमिकल पीलिंग से (झाइयों)
• कार्बन पीलिंग • Prp थैरेपी, GFC थैरेपी
• मेडिफेशियल, वैंपायर फेसियल
• हेयर ग्रोथ ट्रीटमेन्ट
• स्किन व्हाइटनिंग एण्ड ग्लो ट्रीटमेन्ट
07662.352194, 9827268788, 9825935433 (एमरजेन्सी नंबर)
पता-साक्षी मेडिकोज के बगल में, LIC क्र.-1 के नीचे, सिरमौर चौराहा, रीवा (म.प्र.)

वर्ष 73 ▸ अंक 90 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, रविवार 28 दिसंबर, 2025
पौष शुक्ल पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

यह अत्यंत खेदजनक है कि एक अच्छा देशभक्त बनने के लिए मनुष्य को शेष मानवता का शत्रु बनना पड़े।
-वॉल्टेयर

संक्षिप्त खबरें

'पुष्पा 2' भगदड़ मामला

चार्जशीट में एक्टर अल्लू अर्जुन समेत 23 के नाम

हैदराबाद। फिल्म 'पुष्पा 2' के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान हुई भगदड़ मामले में हैदराबाद पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस मामले में अभिनेता अल्लू अर्जुन समेत कुल 23 लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने अल्लू अर्जुन पर उकसाने का आरोप लगाया है। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने पुष्टि की कि यह चार्जशीट दो दिन पहले नामपल्ली स्थित अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट अदालत में दाखिल की गई। चार्जशीट में अल्लू अर्जुन को आरोपी संख्या 11 बनाया गया है, जबकि संध्या थिएटर प्रबंधन को मुख्य आरोपी बताया गया है। यह घटना दिसंबर 2024 में हैदराबाद के व्यस्त आरटीसी एक्स रोड्स इलाके में संध्या थिएटर के बाहर हुई थी। फिल्म के प्री-रिलीज शो के दौरान अल्लू अर्जुन और फिल्म की टीम के अचानक पहुंचने से भारी संख्या में प्रशंसक जमा हो गए, जिससे भगदड़ मच गई। पुलिस के अनुसार, इसी भीड़ और अव्यवस्थित हालात के चलते हादसा हुआ।

रंगदारी केस: सुकेश 217 करोड़ रुपए देने को तैयार

नई दिल्ली, जेएनएन। जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने 200 करोड़ रुपए के रंगदारी मामले में शिकायतकर्ता अदिति सिंह को 217 करोड़ रुपए का सेटलमेंट ऑफर दिया है। इस संबंध में सुकेश के वकील अनंत मलिक ने पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के समक्ष अर्जी दाखिल की है। अर्जी में कहा गया है कि यह सेटलमेंट ऑफर 'बिना किसी अधिकार को प्रभावित किए' दिया गया है और इसका अर्थ यह नहीं है कि सुकेश ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। साथ ही कोर्ट से आग्रह किया गया है कि शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर इस प्रस्ताव को रिकॉर्ड पर लिया जाए। कोर्ट ने फिलहाल सेटलमेंट अर्जी पर फैसला नहीं सुनाया है। अगली सुनवाई 3 जनवरी को होगी। सुकेश पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर और मालविंदर की पत्नियों से 200 करोड़ की ठगी और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया था।

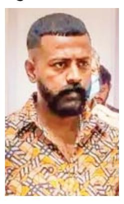

टेस्ला के पूर्व एआई निदेशक आंद्रेज का सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को 'ओपन लेटर'

नई दिल्ली, जेएनएन। टेस्ला के पूर्व एआई निदेशक और ओपनएआई के सह-संस्थापक एंड्रेज कारपैथी ने सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग समुदाय को एक तरह का 'ओपन लेटर' लिखते हुए चेतावनी दी है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव के कारण कोडिंग का पेशा बुनियादी रूप से बदल रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि इतने वर्षों के अनुभव के बावजूद उन्हें कभी इतना 'पीछे छूटने' का एहसास नहीं हुआ। कारपैथी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैंने खुद को कभी एक प्रोग्रामर के तौर पर इतना पीछे नहीं पाया। यह पेशा पूरी तरह से री-फैक्टर हो रहा है, जहां प्रोग्रामर का प्रत्यक्ष योगदान लगातार कम होता जा रहा है।'टेस्ला में पांच साल तक एआई विकास का नेतृत्व कर चुके कारपैथी के इस बयान ने टेक इंडस्ट्री में व्यापक बहस छेड़ दी है। उन्होंने कहा कि बीते एक साल में उपलब्ध एआई टूल्स को सही तरीके से जोड़ लिया जाए, तो कोई भी डेवलपर दस गुना अधिक प्रभावी हो सकता है। लेकिन इन टूल्स का पूरा फायदा न उठा पाना अब 'स्किल इश्यू' जैसा महसूस होता है।

सीडब्ल्यूसी बैठक में फैसला: 'वीबी जी राम जी' के खिलाफ 5 से कांग्रेस का देशव्यापी आंदोलन

दो-तीन अरबपतियों को मिला वन मैन शो का फायदा: राहुल

खड़गे बोले- मोदी को 'गांधी' सरनेम से दिक्कत

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'गांधी' सरनेम से दिक्कत है, इसी वजह से मनरेगा का नाम बदला गया। उन्होंने ऐलान किया कि कांग्रेस मनरेगा को 'वीबी-जी राम जी' नाम देने के फैसले के खिलाफ 5 जनवरी से देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। यह जानकारी शनिवार को दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद दी गई। सीडब्ल्यूसी बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मनरेगा अधिकार आधारित व्यवस्था थी, जिससे करोड़ों लोगों को न्यूनतम आय की गारंटी मिलती थी। मनरेगा को खत्म करना सीधे तौर पर राइट-बेस्ड कॉन्सेप्ट पर हमला है। राहुल ने कहा, 'राज्यों से पैसा छीनकर केंद्र ले रहा है। यह पावर और फाइनेंस का केंद्रीकरण है। यह फैसला सीधे पीएम हाउस से लिया गया है। आज देश में 'वन मैन शो' चल रहा है, जिसका फायदा सिर्फ 2-3 अरबपतियों को मिल रहा है।'

खड़गे का आरोप: एसआईआर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश

खड़गे ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने की सुनियोजित साजिश है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि घर-घर जाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि गरीब, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों के मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से न हटें।

बैठक में शशि थरूर की मौजूदगी: कांग्रेस वर्किंग कमेटी की इस बैठक में शशि थरूर भी शामिल हुए। वे हाल की दो अहम बैठकों में मौजूद नहीं थे। बिहार चुनाव में हार के बाद यह सीडब्ल्यूसी की पहली बैठक थी, जिसमें कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष भी शामिल हुए। बैठक से पहले दिल्ली के इंदिरा भवन में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को राहुल गांधी ने श्रद्धांजलि दी।

इधर, दिग्विजय ने दी कांग्रेस को नसीहत

'एक्स' पर दिग्विजय सिंह ने इस फोटो के साथ पोस्ट की है।

इस बीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने आरएसएस और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की 'तारीफ' जैसी टिप्पणी की। दिग्विजय ने 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि यह उन्हें 'क्वोरा' साइट पर मिली और 'बहुत ही प्रभावशाली' है। उन्होंने लिखा कि किस तरह आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक और जनसंघ/भाजपा का कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में बैठकर आगे चलकर प्रदेश का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बनता है, यह संगठन की शक्ति को दर्शाता है। इस पर विवाद हुआ तो दिग्विजय ने कहा कि मैंने संगठन की शक्ति की बात की है।

सतना: विंध्य व्यापार मेले के दौरान मुख्यमंत्री ने की घोषणा

अब जिला स्तर पर आयोजित होंगे सेक्टर आधारित इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योगों को बढ़ावा देने एवं निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अब राज्य के सभी जिलों में सेक्टर आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। सतना में एमएसएमई सेक्टर को लेकर कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शनिवार को यह घोषणा सतना में आयोजित विंध्य व्यापार मेले में की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सर्व सुविधा युक्त बनें, मध्यप्रदेश विकास की दौड़ में सबसे आगे रहे और युवाओं को रोजगार मिले, इसके लिए राज्य सरकार हर कदम पर उद्यमियों के साथ खड़ी है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश में क्षेत्रीय स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव करने के निर्णय की सराहना की है। इन्हें अब जिला स्तर पर भी आयोजित किया जाएगा। पहले कटनी में माइनिंग सेक्टर पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हुई, अब सतना में एमएसएमई सेक्टर पर आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जाएगी।

डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने अगले 5 सालों में राज्य का बजट दोगुना कर लगभग 7 लाख करोड़ करने का लक्ष्य रखा है। होटल व्यवसाय में राज्य सरकार ने 30 प्रतिशत की सब्सिडी का प्रावधान किया है। अगर कोई रोजगार आधारित उद्योग लगाए तो उन्हें श्रमिकों के वेतन में 5 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है। किसानों को बिजली के बिल और अस्थाई कनेक्शन से मुक्ति मिल रही है। किसानों को 60 हजार मूल्य के पंप पर 53 हजार रुपए की सब्सिडी दी जा रही है।

सीएम ने कहा कि कि राज्य सरकार ने 2 वर्षों के कार्यकाल में विंध्य क्षेत्र में एयर कनेक्टिविटी बढ़ाई है। सतना विमानतल की एयरस्ट्रिप को बढ़ाकर 1800 मीटर तक किया जा रहा है, जिससे यहां बड़े जेट विमान भी लैंड कर पाएं। नए साल में प्रदेशवासियों को सरकारी बस सेवा की सौगात भी मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने सतना में नवीन चिकित्सालय भवन का शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया।

सरकार नहीं परिवार चलाते हैं

सतना के आईएसबीटी परिसर में लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि हम सरकार नहीं परिवार चला रहे हैं। प्रदेश के हर घर को परिवार मानकर जनहित के निर्णय ले रहे हैं। हमारे निर्णयों में अंत्योदय भी है और ग्रामोदय भी। सतना जिला भगवान श्रीराम की कर्मभूमि रहा है। इसलिए हमारी सरकार चित्रकूट को भव्य और दिव्य धाम के रूप में विकसित करेगी। इस मौके पर उन्होंने 31 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित आईएसबीटी का लोकार्पण किया और इसका नामकरण अटल बिहारी वाजपेयी अंतर्राज्यीय बस अड्डा करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की भी पूरी तैयारी है कि नए साल से प्रदेश में सरकारी बसों का संचालन प्रारंभ हो जाएगा। मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा के नाम से गांव-गांव तक सस्ती-सुविधाजनक बस सेवा प्रारंभ कर दी जाएंगी।

अरावली विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, सुनवाई कल

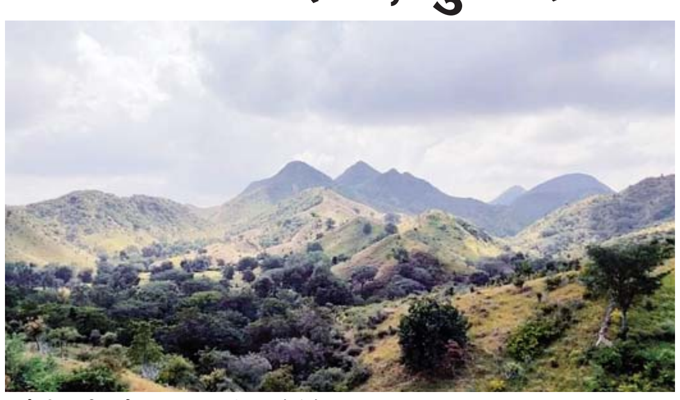

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों की परिभाषा में हाल में किए गए बदलाव को लेकर स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) लिया है। अदालत को आशंका है कि परिभाषा में यह बदलाव अनियंत्रित खनन और गंभीर पर्यावरणीय नुकसान का रास्ता खोल सकता है। इस मामले पर 29 दिसंबर, सोमवार को सुनवाई तय की गई है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष आएगा, जिसमें न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जेके महेश्वरी और न्यायमूर्ति एजी मसीह शामिल हैं।

अरावली पहाड़ियों की संशोधित परिभाषा के बाद देशभर में विरोध और चिंता का माहौल बना हुआ है। पर्यावरण संगठनों और सिविल सोसायटी समूहों का कहना है कि परिभाषा को कमजोर करने से उन क्षेत्रों में भी खनन और निर्माण गतिविधियों को वैधता मिल सकती है, जो अब तक संरक्षित माने जाते थे। अरावली क्षेत्र को मरुस्थलीकरण रोकने, भूजल स्तर बनाए रखने और पारिस्थितिक संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह मामला दिल्ली हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अरावली पहाड़ियों और रेंज की अलग-अलग परिभाषाओं से जुड़े टकराव से भी जुड़ा है। इन भिन्न परिभाषाओं के कारण नियामक खामियां पैदा हुईं और अवैध खनन के कई मामले सामने आए। इसी पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट ने पहले एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ—जिसका नेतृत्व तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई कर रहे थे—ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समिति द्वारा सुझाई गई ऑपरेशनल परिभाषा को स्वीकार किया था। यह परिभाषा खनन गतिविधियों के संदर्भ में लागू की गई थी। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील अरावली क्षेत्र में किसी भी नए खनन की अनुमति देने से पहले सस्टेनेबल माइनिंग के लिए व्यापक प्रबंधन योजना तैयार की जाए। अब सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट है कि अदालत इस परिभाषा के दूरगामी प्रभावों की गहराई से समीक्षा करना चाहती है।

यह है नई परिभाषा

अरावली पहाड़ियां: चिन्हित जिलों में कोई भी ऐसा भू-आकृतिक स्वरूप, जिसकी स्थानीय सतह से ऊंचाई कम से कम 100 मीटर हो, जिसमें उससे जुड़ी ढलानें और संबंधित भू-आकृतियां भी शामिल हों।

अरावली रेंज: ऐसी दो या अधिक पहाड़ियां एक -दूसरे से 500 मीटर की दूरी के भीतर स्थित हों।

इंडिगो संकट: एक रिपोर्ट को सरकार ने रखा गोपनीय दूसरी में दावा- क्रू की कमी नहीं, रोस्टरिंग में गड़बड़ी

नई दिल्ली, जेएनएन। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में दिसंबर की शुरुआत में हुए बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन की जांच करने वाले पैनल ने अपनी रिपोर्ट विमानन नियामक डीजीसीए को सौंप दी है। यह कमेटी 5 दिसंबर को गठित की गई थी और 22 दिन में उसने अपनी जांच पूरी कर ली। हालांकि, सरकार ने रिपोर्ट को फिलहाल गोपनीय रखा है और इसके निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। दिसंबर के पहले 10 दिनों के भीतर इंडिगो की 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। सिर्फ छह दिनों में ही हजारों यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा था, जिससे देशभर के कई एयरपोर्ट्स पर अव्यवस्था की स्थिति बन गई थी।

यात्रियों को मुआवजा, 10 हजार रुपए के ट्रैवल वाउचर

फ्लाइट कैंसिलेशन से प्रभावित यात्रियों को राहत देने के लिए इंडिगो ने 10,000 रुपए के ट्रैवल वाउचर जारी करने शुरू कर दिए हैं। ये 12 महीने तक वैध रहेंगे और इंडिगो की किसी भी उड़ान में इस्तेमाल किए जा सकेंगे। इससे पहले, नवंबर से दिसंबर के बीच यात्रियों को 1,500 करोड़ रुपए से अधिक की रिफंड राशि लौटाई थी।

सिस्टमैटिक रिव्यू में बड़ा दावा

इसी बीच, एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीसीए के सिस्टमैटिक रिव्यू में सामने आया है कि इंडिगो में क्रू की कमी नहीं थी। समीक्षा के अनुसार, नवंबर महीने में इंडिगो ने 307 एयरबस विमानों के बेड़े के संचालन के लिए 4,575 पायलट नियुक्त किए थे, ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के तहत केवल 3,684 पायलटों की आवश्यकता थी। यानी जरूरत से 891 पायलट ज्यादा थे। उड़ानें रद्द होने की मुख्य वजह पायलटों की कमी नहीं, बल्कि शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग में गड़बड़ी थी।

क्यों कराई थी दोहरी जांच

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जांच पैनल के साथ-साथ यह जानने के लिए सिस्टमैटिक रिव्यू का भी आदेश दिया था कि बदले नियमों के अनुसार एयरलाइन की तैयारियां पर्याप्त थीं या नहीं। इस समीक्षा में यह भी सामने आया कि ऑपरेशन, ट्रेनिंग, छुट्टियों और इमरजेंसी स्थितियों को कवर करने के लिए हर विमान के लिए छह क्रू सेट रखने का प्रावधान है। इंडिगो के क्रू का उपयोग नियमानुसार तय 100 घंटे प्रति माह की तुलना में 55 फीसदी रहा। न्यूनतम मानकों के अनुसार, इंडिगो की नवंबर फ्लीट के लिए प्रति विमान तीन क्रू सेट या कुल 1,842 पायलट पर्याप्त होते।

उन्नाव रेप केस: सीबीआई दफ्तर पहुंची पीड़िता, जवाब मिला

अधिकारी नहीं हैं, सोमवार को आना

नई दिल्ली, जेएनएन। उन्नाव बलात्कार मामले की पीड़िता शनिवार को अपनी मां के साथ नई दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के कार्यालय पहुंचीं। पीड़िता और उनका परिवार सीबीआई अधिकारियों से मिलकर अपनी शिकायत सौंपना चाहता था, लेकिन उन्हें यह कहकर लौटा दिया गया कि आज अधिकारी उपलब्ध नहीं हैं और सोमवार को आने को कहा गया है। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने सीबीआई अधिकारी से मिलने की मांग की थी, लेकिन जवाब मिला कि शनिवार को अवकाश है। हालांकि, एक जूनियर अधिकारी ने उनका आवेदन स्वीकार कर लिया। पीड़िता ने कहा, 'मेरी शिकायत में साफ लिखा है कि जांच अधिकारी ने मेरे साथ गलत किया है। उन्होंने विपक्ष और जज साहब से मिलकर आरोपियों को फायदा पहुंचाया है। वे चाहते हैं कि मैं हिम्मत हार जाऊं और इस मामले को आगे न बढ़ा सकूं।' पीड़िता की मां ने बताया कि वे लोग आधे घंटे से ज्यादा समय तक सीबीआई कार्यालय में बैठे रहे। उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो हम सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे। हमें न्यायपालिका पर भरोसा है।

भाजपा नेता आए सेंगर के पक्ष में

पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सेंगर के समर्थन में बयान देते हुए कहा कि वे उनकी जमानत का स्वागत करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सेंगर के साथ साजिश रची गई, जैसे उनके साथ भी कथित तौर पर हुई थी। बृजभूषण ने कहा कि अदालत ने न्यायिक प्रक्रिया के तहत जमानत दी है।

सोमवार को सुनवाई: सुप्रीम कोर्ट सेंगर की सजा सस्पेंड करने के खिलाफ 29 दिसंबर को सुनवाई करेगा। सीबीआई की याचिका सुनवाई के लिए लिस्ट की गई है। इसमें दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है।

अहमदाबाद के मॉल में न्यू ईयर की सजावट से तनाव, तोड़फोड़

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को क्रिसमस और न्यू ईयर की सजावट को लेकर तनाव की स्थिति बन गई, जब एक हिंदू संगठन से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं ने एसजी हाईवे स्थित एक प्रमुख मॉल में क्रिसमस डेकोरेशन को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हालात पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक, थलतेज के पास एसजी हाईवे पर स्थित मॉल में चार से पांच लोग अचानक दाखिल हुए और सीधे सेंट्रल एट्रियम की ओर बढ़ गए। वहां लगाए गए क्रिसमस ट्री और अन्य सजावटी सामान को उन्होंने नीचे खींच दिया। यह पूरी घटना सार्वजनिक रूप से हुई, जिससे मॉल में मौजूद ग्राहकों के बीच अफरा-तफरी मच गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'कार्यकर्ताओं ने मांग की कि मॉल में लगे सभी क्रिसमस ट्री और संबंधित सजावट तुरंत हटाई जाए। मॉल प्रबंधन ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि यह सामान्य साल-अंत की सजावट का हिस्सा है, लेकिन बार-बार अनुरोध के बावजूद उन्होंने तोड़फोड़ की।

अफेयर का अर्थशास्त्र — छोटे शहरों के प्रेम और बेवफाई से ऐप, जासूसी और हॉस्पिटेलिटी में खुले नए द्वार

अकेलेपन और तकनीक ने खड़ा किया नया बाजार

नई दिल्ली, जेएनएन। कभी बेवफाई को फुसफुसाहटों, गॉसिप और बंद कमरों तक सीमित माना जाता था। आज वही बेवफाई भारत में, खासकर छोटे शहरों में एक नए सामाजिक, तकनीकी और आर्थिक तंत्र का हिस्सा बन चुकी है। यह सिर्फ रिश्तों का संकट नहीं, बल्कि इच्छाओं, अकेलेपन, तकनीक और गोपनीयता से जुड़ी एक व्यापक सामाजिक प्रक्रिया है, जिसने छोटे शहरों की नैतिक और यौन कल्पनाओं को गहराई से बदल दिया है।

मुजफ्फरपुर (केस-1) और इंदौर (केस-2) की कहानियां अपवाद नहीं रहीं। भारत में बेवफाई अब एक डेटा-सपोर्टेड ट्रेंड है। ग्लीडेन के एक सर्वे के अनुसार, 61 फीसदी भारतीय यूजर मानते हैं कि एकनिष्ठता सामाजिक थोप है और 41 फीसदी इसे मानव स्वभाव के खिलाफ मानते हैं। दिलचस्प यह है कि भारतीय महिलाएं अक्सर शारीरिक नहीं, बल्कि वर्चुअल कनेक्शन की तलाश में होती हैं। किसी ऐसे व्यक्ति की, जो उन्हें सुने।

पत्नी की जासूसी से होटल में भिड़ंत तक

केस-1: बिहार के मुजफ्फरपुर में एक पति को पत्नी पर शक होता है। वह निजी जासूस को दूधवाले के भेष में घर के आसपास तैनात करता है। पत्नी सुबह निकलती है, दोपहर में लौटती है। मंदिर जाने का दावा झूठा साबित होता है। वह एक गेस्ट हाउस में अपने पुराने परिचित से मिल रही थी, जिससे संपर्क इंस्टाग्राम डीएम के जरिये दोबारा जुड़ा।

केस-2: इंदौर की एक महिला को अपने पति के अफेयर का पता तब चलता है जब वह मुंबई में कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए उसी होटल में चेक-इन करती है, जहां पति अपनी सहयोगी के साथ ठहरा होता है।

एक पूरी 'डिस्क्रीट इकॉनमी'

हर अफेयर के पीछे पूरा इकोसिस्टम है। डेटिंग ऐप्स, डे-स्टे होटल, निजी जासूस, थेरेपिस्ट। सब इस नई अंतरंगता अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं। ब्रेबीस्टे और मीस्टे जैसे प्लेटफॉर्म 3-4 घंटे के लिए 500 रुपए से कमरे उपलब्ध कराते हैं। मेक मॉय ट्रिप जैसे बड़े प्लेटफॉर्म भी अब कपल फ्रेंडली होटल स्टे ऑफर करते हैं। निजी जासूसी एजेंसियां अब 'लॉयल्टी टेस्ट' के लिए 50,000 से 2 लाख रुपए तक चार्ज करती हैं।

भारत टॉप 5 बाजारों में: कनाडा आधारित एश्ले मेडिसन के दुनियाभर में 8.5 करोड़ यूजर हैं, यह भारत को टॉप-5 बाजारों में गिनता है। तमिलनाडु का कांचीपुरम नया 'चीटिंग हब' बताया है।

270% बढ़े यूजर्स

फ्रांस स्थित एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग ऐप ग्लीडेन के मुताबिक 2024 में भारत में उसके यूजर्स की संख्या 270 फीसदी बढ़ी और 30 लाख तक पहुंच गई, जो अब 35 लाख से ऊपर है। बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई भले आगे हों, लेकिन जयपुर, लखनऊ, भोपाल, चंडीगढ़ और वडोदरा जैसे शहर तेजी से उभर रहे हैं।

> डिजिटल अंतरंगता सीमाओं को धुंधला कर देती है। सवाल ये नहीं कि शारीरिक रिश्ता है या नहीं, सवाल ये है कि क्या आप चाहेंगे कि आपका पार्टनर ये चैट पढ़े?
> ▪ **शिवानी मिसरी साधू,** मैरिज काउंसलर

बेवफाई महानगरों तक सीमित नहीं

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट दीपाली बत्रा कहती हैं कि छोटे शहरों में भावनात्मक अभिव्यक्ति को अक्सर दबा दिया जाता है। स्मार्टफोन, निजी चैट और डेटिंग ऐप्स ने इस अकेलेपन को एक रास्ता दे दिया है। कामकाजी, सक्षम महिलाएं अब 'शांत असंतोष' में जीने को तैयार नहीं।

मैहर: चलती मर्सिडीज में लगी आग, भागकर बचाई जान

नागपुर से आए परिवार के साथ हादसा

जागरण, मैहर। मां शारदा के दर्शन करने नागपुर से आए परिवार के साथ हादसा हो गया, उनकी चलती मर्सिडीज कार में अचानक आग लग गई। धुआं निकलता देख कार में सवार सभी लोग तुरंत बाहर निकलकर भागे, जिससे उनकी जान बच सकी। कुछ ही सेकंड में पूरी कार आग की चपेट में आ गई। हादसे के चलते हाईवे पर वाहनों की कतार लग गई। हादसा एनएच-30 पर हरदुआ के पास शुक्रवार देर रात हुआ। महाराष्ट्र के नागपुर के रहने वाले देवेश पनरोतवार और योगेश गिलयतकर मां शारदा के दर्शन मैहर आए थे। दर्शन करने के बाद कार से मैहर के आसपास घूम रहे थे। इसी दौरान कार से धुआं निकलने लगा और कुछ ही पलों में कार धूं-धूं कर जल गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड पहुंची और आग को काबू में किया। घटना के कारण कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। फिलहाल, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। कार सवार देवेश ने बताया कि मर्सिडीज का मॉडल 2011 का था, जिसकी कीमत 60 लाख रुपए थी। 2023 में इसे 13 लाख में सेकंड हैंड खरीदी थी।

प्रेम का एक प्रधान लक्षण यह होता है कि प्रेम आनंदपूर्वक दुःख को स्वीकार कर लेता है, क्योंकि दुःख के द्वारा, त्याग के द्वारा उसे पूर्ण सार्थकता मिलती है।
- रवींद्रनाथ टैगोर

भारतीय क्रिकेट को अपने तरीके से लिखना चाहते हैं गंभीर

इस कहानी का एक प्लॉट हेड कोच गौतम गंभीर हैं और दूसरे प्लॉट हैं विराट कोहली और रोहित शर्मा की जबरदस्त 'रो को' जोड़ी। गंभीर इन दोनों को महत्वहीन करने के अभियान में लगे हैं, लेकिन मैदान में इन दोनों का खेल जबरदस्त है। हेड कोच गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट की शब्दावली अपने तरीके से लिखना चाहते हैं।

● अभिषेक दुबे ●

खेलों में तो क्रिकेट पर सबसे अधिक किताबें लिखी गयी हैं। इनमें से एक मशहूर किताब डेविड फ्रिथ की है, 'साइलेंस ऑफ द हार्ट - क्रिकेट सुइसाइड्स'। भारतीय क्रिकेट की मौजूदा स्थिति को देखें, तो इन दिनों यह अपनी ही आत्महंता कहानी लिखने में लगा हुआ है। इस कहानी का एक प्लॉट हेड कोच गौतम गंभीर हैं और दूसरे प्लॉट हैं विराट कोहली और रोहित शर्मा की जबरदस्त 'रो को' जोड़ी। गंभीर इन दोनों को महत्वहीन करने के अभियान में लगे हैं, लेकिन मैदान में इन दोनों का खेल जबरदस्त है। हेड कोच गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट की शब्दावली अपने तरीके से लिखना चाहते हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा क्रिकेट के मॉडर्न लीजेंड हैं, जो हेड कोच की इस सोच के खिलाफ मिशन मोड पर हैं। इस

'द ग्रेट इंडियन क्रिकेट स्टोरी'

बतौर कोच भी वह कमोबेश इसी परिस्थिति में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ कामयाब हुए। यहां सवाल यह है कि क्या उनकी कोचिंग की फिलोसॉफी भारतीय क्रिकेट टीम में कारगर होगी, जहां सुनील गावस्कर और कपिल देव से लेकर सचिन-सौरव दौर तक और विराट कोहली-रोहित शर्मा के मौजूदा दौर में सितारों का बोलबाला रहा है। यह सच है कि क्रिकेट एक टीम गेम है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी टीमों की ताकत उनका मजबूत टीम कल्चर है, पर भारत में क्रिकेट स्पोर्ट्स तक सीमित नहीं है, बल्कि बाजार और ब्रॉडकास्टर्स ने मिलकर इसे जबरदस्त बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर-'द ग्रेट इंडियन क्रिकेट स्टोरी'-बना दिया है। बॉलीवुड की अधिकतर फिल्मों की तरह भारतीय क्रिकेट में सुपरस्टार एक अभिन्न अंग है। रोहित और विराट भारतीय क्रिकेट के मौजूदा सुपरस्टार हैं। मैच में कैमरों का फोकस इन दोनों पर रहता है। कमेंटेटर इन्हीं का महिमामंडन करते हैं। विज्ञापनों में ये छाये रहते हैं। ऐसे में, गौतम गंभीर की कोचिंग फिलोसॉफी और भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार कल्चर में टकराव स्वाभाविक है।

टीम और सुपरस्टार संस्कृति का टकराव

भारतीय क्रिकेट में टीम संस्कृति और सुपरस्टार संस्कृति का ऐसा ही टकराव सौरव गांगुली और ग्रेग चैपल के दौर में देखा गया था। गौतम गंभीर तब युवा खिलाड़ी थे और मुख्य चयनकर्ता किरन मोरे थे। टकराव का नतीजा यह हुआ कि भारत को 2007 वर्ल्ड कप में करारी हार का सामना करना पड़ा और ग्रेग चैपल की विदाई हुई। टीम इंडिया के मौजूदा मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर हैं। क्या गंभीर-अगरकर की अगुआई में इतिहास खुद को दोहरा रहा है? अगरकर के दौर में रविचंद्रन अश्विन बीच सीरीज में रिटायर हुए, रोहित शर्मा और विराट कोहली इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से ठीक पहले रिटायर हुए और मोहम्मद शमी को अब तक इस बात का अंदाजा नहीं कि वह टीम से क्यों बाहर हैं। रोहित -विराट और मुख्य चयनकर्ता अगरकर के बीच संवाद की कमी भयावह रूप लेती जा रही है। अगर मौजूदा टकराव का समय रहते हल नहीं निकाला गया, तो इसका असर 2026 टी-20 वर्ल्ड कप और 2027 विश्व कप पर पड़ सकता है। ग्रेग चैपल के अनुभव के बाद साफ है कि ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड की सामाजिक-आर्थिक रचना और भारतीय परिस्थिति में फर्क है। भारी आबादी की वजह से भारत में असुरक्षा का माहौल रहता है। असुरक्षा का दौर अब और भी हावी हो गया है, क्योंकि व्हाइट बॉल क्रिकेट में टैलेंट की भरमार है। दूसरे, कोई भी सुधार चरणबद्ध तरीके से हो सकता है, रातोंरात नहीं। यह सच है कि अगर टीम इंडिया को क्रिकेट मैदान पर तीनों फॉर्मेट में अजेय बनना है, तो टीम कल्चर को बढ़ाना होगा और सुपरस्टार कल्चर की संस्कृति को कम करना होगा, लेकिन यह रातोंरात नहीं हो सकता।

संघर्ष का विजेता भले जो भी हो, भारतीय क्रिकेट का दिल डेविड फ्रिथ की किताब के टाइटल के माकूल शांतिपूर्वक आत्महत्या की घुटन से गुजर रहा है। दिल्ली के मॉडर्न स्कूल से पढ़े गौतम गंभीर एक उम्दा क्रिकेटर थे, असाधारण नहीं। गंभीर ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को पहले सचिन, सौरव, द्रविड़ और फिर महेंद्र सिंह धोनी तथा विराट कोहली जैसे असाधारण क्रिकेटर के साये में गुजारा। शायद यही एक बड़ी वजह रही कि जब वह कोच बने, तो बड़ी शख्सियतों का विरोध उनकी कोचिंग फिलोसॉफी का केंद्रबिंदु बना। क्रिकेट छोड़ने के बाद अपने तमाम इंटरव्यू में उन्होंने कभी महेंद्र सिंह धोनी, तो कभी विराट कोहली के कल्ट पर सवाल उठाये। आइपीएल के कप्तान गौतम गंभीर को कामयाबी दिल्ली की टीम से नहीं मिली, जहां उन्होंने अपना अधिकतर क्रिकेट खेला था, बल्कि कोलकाता की टीम से मिली, जहां उन्हें मन माकूल टीम को चलाने की आजादी मिली।

बोर्ड को अब हस्तक्षेप करने की जरूरत

तीसरे, टीम तभी कामयाब होती है, जब कप्तान टीम का सारथी हो और कोच परदे के पीछे काम करे। गौतम गंभीर को यह बात समझनी होगी। विराट और रोहित सर्वकालीन श्रेष्ठ क्रिकेटर हैं और यह जोड़ी अपने करियर का जबरदस्त क्रिकेट खेल रही है। इनका पूरा ध्यान एकदिवसीय क्रिकेट पर है। भारत को अगला विश्व कप दक्षिण अफ्रीका में खेलना है। ऐसे में, टीम इंडिया इन दोनों के फॉर्म और अनुभव का फायदा उठा सकती है। ऐसे में हेड कोच और मुख्य चयनकर्ता का यह कहना अपरिपक्वता की निशानी है कि विश्व कप अभी दूर है और इन दोनों की जगह तय नहीं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को अब हस्तक्षेप करने की जरूरत है।

चीन का जासूसी मिशन और नंदा देवी पर्वत पर गुम हो चुके न्यूक्लियर डिवाइस की मिस्ट्री

● संकल्प सिंह ●

हिमालय जैसे अत्यंत संवेदनशील पर्यावरणीय क्षेत्र में रेडियोधर्मी पदार्थों के फैलने का गंभीर खतरा को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पिछले दिनों देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर गंभीर दावे किए। उन्होंने कहा कि 1960 के दशक में भारत ने कथित तौर पर अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए को हिमालय क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के उद्देश्य से नंदा देवी पर्वत पर परमाणु ऊर्जा से चलने वाले एक विशेष निगरानी उपकरण लगाने की अनुमति दी थी। दुबे के अनुसार यह गोपनीय अभियान अलग-अलग चरणों में संचालित हुआ। उनका दावा है कि इसकी शुरुआत 1964 में नेहरू के कार्यकाल के दौरान हुई, जबकि बाद के चरण 1967 और 1969 में इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते पूरे किए गए। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जब अमेरिकी कर्मियों के वहां से हटने के बाद, परमाणु ऊर्जा से संचालित वह निगरानी उपकरण पर्वत पर ही छोड़ दिया गया। उनका कहना था कि इस वजह से हिमालय जैसे अत्यंत संवेदनशील पर्यावरणीय क्षेत्र में रेडियोधर्मी पदार्थों के फैलने का गंभीर खतरा पैदा हुआ। आज यहां इसी अनोखी न्यूक्लियर मिस्ट्री के बारे में बात हो रही है। ये घटना नंदा देवी पर्वत पर गुम हो चुके 7 प्लूटोनियम कैप्सूल्स की है। कहा जाता रहा है कि यह न्यूक्लियर डिवाइस आज भी हिमालय के पर्वतों पर कहीं गुम है। फिलहाल किसी को भी इस डिवाइस के बारे में कुछ नहीं पता। अगर गलती से भी यह डिवाइस गंगा या हिमालयन रेंज से निकलने वाली दूसरी नदियों के स्त्रोतों के संपर्क में आता है, तो इससे करोड़ों लोगों की जान पर खतरा आ सकता है।

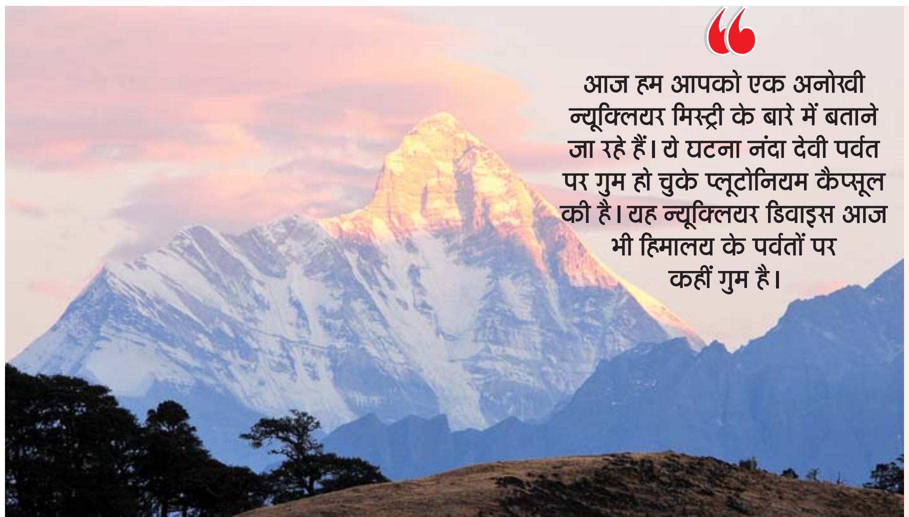

आज हम आपको एक अनोखी न्यूक्लियर मिस्ट्री के बारे में बताने जा रहे हैं। ये घटना नंदा देवी पर्वत पर गुम हो चुके प्लूटोनियम कैप्सूल की है। यह न्यूक्लियर डिवाइस आज भी हिमालय के पर्वतों पर कहीं गुम है।

बर्फीले तूफान ने ध्वस्त किया मिशन

नंदा देवी पर्वत की चढ़ाई करना काफी मुश्किल काम था। पर्वतारोहण के दौरान जब टीम शिखर के नजदीक पहुंची ही थी कि तभी अचानक एक बड़ा बर्फीला तूफान आ गया। मामले की गंभीरता और टीम के लोगों की जान के खतरे को देखते हुए, एम.एस कोहली ने उस न्यूक्लियर डिवाइस को वहीं छोड़कर वापस नीचे उतरने का फैसला किया। इस पर टीम की सहमति भी बन गई। स्थिति सामान्य होने के बाद साल 1966 में टीम दोबारा उस न्यूक्लियर डिवाइस को लेने के लिए पर्वत पर जाती है। चौंकाने वाली घटना ये हुई कि जिस जगह पर न्यूक्लियर डिवाइस को रखा गया था, वह वहां पर नहीं मिला। इसके बाद डिवाइस को ढूंढने के लिए कई खोजबीन अभियान चलाए गए। पानी के सैंपलों को लेकर उसमें रेडियो एक्टिविटी की जांच भी की गई। इसके बाद भी न्यूक्लियर डिवाइस के बारे में कुछ खास जानकारी नहीं मिली। माना जाता है कि आज भी ये न्यूक्लियर डिवाइस हिमालय के पर्वतों पर कहीं गुम है।

नंदा देवी पर्वत को चुना जासूसी के लिए

जासूसी के लिए भारत की दूसरी सबसे ऊंची चोटी नंदा देवी पर्वत को चुना गया। मिशन को अंजाम देने के लिए ये स्ट्रैटिजिक रूप से काफी महत्वपूर्ण लोकेशन थी। इस मिशन की पूरी रूपरेखा तैयार की गई। एक खास तरह के न्यूक्लियर डिवाइस को बनाकर यह तय किया गया कि इसे भारत की दूसरी सबसे ऊंची चोटी नंदा देवी पर्वत पर ले जाया जाएगा। हालांकि, 56 किलोग्राम के इस डिवाइस को चोटी पर ले जाना काफी चुनौतीपूर्ण काम था। ऐसे में इस डिवाइस को नंदा देवी पर्वत पर ले जाने की कमान मनमोहन सिंह कोहली को सौंपी गई। एम.एस कोहली उस दौरान भारत के मशहूर क्लाइंबर्स में से एक थे। मिशन को अंजाम देने के लिए अमेरिका की सीआईए और भारत की इंटेलिजेंस ब्यूरो ने साथ आकर एक स्पेशल टीम को तैयार किया। इस टीम में दोनों देशों के सर्वश्रेष्ठ क्लाइंबर्स, इंटेलिजेंस ऑफिसर, न्यूक्लियर एक्सपर्ट और रेडियो इंजीनियर शामिल किए गए। साल 1965 में कैप्टन एम.एस कोहली के नेतृत्व में टीम ने 56 किलो के इस न्यूक्लियर डिवाइस को लेकर नंदा देवी पर्वत की चढ़ाई शुरू की। इस डिवाइस में लगभग 10 फीट का एक एंटीना, ट्रांसीवर और एक स्नैप जनरेटर था। इसके अलावा इसमें सात प्लूटोनियम कैप्सूल भी थे।

ऐसे हुई कहानी की शुरुआत

इस न्यूक्लियर डिवाइस की कहानी की शुरुआत 1960 के दशक में हुई। साल 1964 में चीन ने अपने पहले न्यूक्लियर टेस्ट को अंजाम दिया, जिससे अमेरिका सतर्क हो गया। चीन के टेस्टकी सैटेलाइट के जरिए जासूसी करना मुमकिन नहीं था। ऐसे में अमेरिका ने चीन की जासूसी करने के लिए भारत का रुख किया। 1962 भारत-चीन युद्ध और देश की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए भारत ने अमेरिका के इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।

निष्क्रिय होने में अभी भी कई साल बाकी

इस मिशन में जिस प्लूटोनियम पीयू 238 का इस्तेमाल किया गया था। उसकी आधी लाइफ अर्थात प्लूटोनियम पीयू 238 रेडियो आइसोटोप्स के आधे भाग को डिके होने में 88 साल लगेंगे, यानी गुम हो चुके इस प्लूटोनियम को डिके होने में अभी भी कई साल बचे हैं। अगर निकट भविष्य में ये प्लूटोनियम, ऋषि गंगा या दूसरी नदियों के संपर्क में आकर उसको दूषित करता है। ऐसे में एक बड़ा संकट देश के समक्ष खड़ा हो सकता है, क्योंकि यही नदियां देश की प्यास बुझाती हैं, अगर ये रेडियोएक्टिव हो गईं, तो परिणाम आप सोच सकते हैं। इस घटना पर लोकप्रिय फिल्म होम एलोन के डायरेक्टर स्कॉट रोसेनफेल्ट एक फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में रणबीर कपूर कैप्टन कोहली के रूप में नजर आ सकते हैं।

वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण बेजरूरत कपड़े खरीदना भी है..!

● विनोद पाठक ●

लखनऊ में बुधवार शाम भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच टी-20 मैच धुंध और प्रदूषण के कॉकटेल के कारण रद्द होना केवल एक खेल आयोजन का रुकना नहीं था, बल्कि यह उस गंभीर चेतावनी का संकेत था, जिसे देश लगातार अनदेखा करता रहा है।

वायु प्रदूषण अब किसी एक शहर या क्षेत्र तक सीमित समस्या नहीं रह गया है। यह एक राष्ट्रीय संकट का रूप ले चुका है, जिसकी जड़ें हमारी उत्पादन और उपभोग की आदतों में गहराई से जुड़ी हुई हैं।

आज प्रदूषण की चर्चा होते ही ध्यान वाहनों, उद्योगों या पराली जलाने पर चला जाता है, जबकि असल प्रश्न यह है कि इन सबके पीछे ऊर्जा और संसाधनों की बढ़ती मांग क्यों है? यह मांग सीधे तौर पर हमारे उपभोग से पैदा होती है। जितना अधिक उपभोग, उतना अधिक उत्पादन और उतना ही अधिक कार्बन उत्सर्जन।

वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि वायु प्रदूषण केवल धुंध या दृश्यता की समस्या नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट है। सूक्ष्म प्रदूषक कण, विशेष रूप से पीएम 2.5, फेफड़ों, हृदय और मस्तिष्क पर दीर्घकालिक प्रभाव डालते हैं। यह केवल मौसम की समस्या नहीं है। यदि उत्सर्जन का स्तर कम हो तो मौसम की भूमिका उतनी घातक नहीं बनती।

मूल समाधान उत्सर्जन घटाने में ही निहित है। स्थायी समाधान तभी संभव है, जब कार्बन उत्सर्जन के स्रोतों पर दीर्घकालिक नियंत्रण हो और इसके लिए उपभोग के पैटर्न को बदलना अनिवार्य है। कम उपभोग का अर्थ अभाव नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण उपयोग है। उदाहरण के लिए कपड़ों का अत्यधिक उपयोग, फैशन उद्योग वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का बड़ा हिस्सा है।

एक कपड़े के उत्पादन से लेकर उसके परिवहन तक भारी मात्रा में ऊर्जा, पानी और रसायनों का उपयोग होता है। यदि लोग आवश्यकता अनुसार कपड़े खरीदें, लंबे समय तक उनका उपयोग करें और बार-बार फैशन बदलने की प्रवृत्ति को सीमित करें तो उत्पादन की मांग घटेगी और

वायु प्रदूषण की जड़ें हमारी उत्पादन और उपभोग की आदतों में गहराई से जुड़ी हुई हैं। जितना अधिक उपभोग, उतना अधिक उत्पादन और उतना ही अधिक कार्बन उत्सर्जन। कम उपभोग का अर्थ अभाव नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण उपयोग है। उदाहरण के लिए कपड़ों का अत्यधिक उपयोग, फैशन उद्योग वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का बड़ा हिस्सा है।

कार्बन उत्सर्जन में स्वतः कमी आएगी। बिजली का उपयोग भी कार्बन उत्सर्जन से सीधे जुड़ा है। हर अनावश्यक लाइट, एसी या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अधिक कोयला जलाने की मांग पैदा करता है। संयमित बिजली खपत कार्बन उत्सर्जन को कम करने का सबसे सरल उपाय है।

स्पष्ट है कि वायु प्रदूषण की लड़ाई केवल नीति, कानून या आपात उपायों से नहीं जीती जा सकती। यह जीवनशैली में परिवर्तन की मांग करती है। जब तक समाज यह स्वीकार नहीं करता कि अनियंत्रित उपभोग ही प्रदूषण की जड़ है, तब तक समाधान अधूरा रहेगा। कम उपभोग का विचार हमें विकास से पीछे नहीं ले जाता, बल्कि टिकाऊ विकास की ओर ले जाता है। कार्बन उत्सर्जन को घटाने का रास्ता सरकार की योजनाओं से होकर जरूर जाता है, लेकिन उसका अंतिम पड़ाव आम आदमी के दैनिक निर्णयों में ही तय होता है।

राजेश खन्ना ने इंकार किया तो बदलनी पड़ी थी धर्मात्मा की कहानी

1972 में जब हॉलीवुड फिल्म 'गॉडफादर' रिलीज हुई थी तब भारत की कुछ फिल्मी हस्तियों ने भी ये फिल्म देखी थी। उनमें से एक थे फिरोज खान। गॉडफादर फिरोज खान को बहुत पसंद आई। उन्होंने तय कर लिया कि वो भी ऐसी किसी कहानी को हिंदी में बनाएंगे। फिरोज खान जब भारत लौटे तो उन्होंने अपने दोस्त और लेखक कौशल भारती को गॉडफादर से प्रेरित कोई कहानी लिखने को कहा।

फिरोज खान चाहते थे कि फिल्म को हॉलीवुड स्टाइल में बननी चाहिए। इसके लिए किसी बढ़िया लोकेशन की जरूरत थी। इसलिए फिरोज खान लोकेशन की तलाश में अफगानिस्तान चले गए। उस वक्त अफगानिस्तान में राजशाही हुआ करती थी और राजा थे मोहम्मद जहीर शाह। फिरोज खान जब उनसे मिले तो उन्होंने फिरोज खान का जोरदार स्वागत किया और फिल्म की शूटिंग की अनुमति भी दे दी।

शुरुआत में धर्मात्मा की कहानी कुछ यूं डेवलप की गई थी कि धर्मात्मा के बेटे रणबीर का रोल राजेश खन्ना निभाएं। जंगूरा का रोल निभाएं फिरोज खान। लेकिन ये रोल बाद में डैनी साहब ने निभाया। हेमा मालिनी रेशमा बनेंगी और जीनत अमान बनेंगी अनु। मगर बाद में इस रोल को रेखा ने निभाया। उस वक्त जो कहानी थी उसमें दिखाया जाना था कि जंगूरा रेशमा से शादी करना चाहता है। मगर रेशमा को धर्मात्मा का बेटा रणबीर पसंद है। अपनी मुहब्बत को कुर्बान करके जंगूरा रेशमा को छोड़ देता है। रणबीर अपने पिता धर्मात्मा की मौत का बदला लेने भारत आता है। जंगूरा और रणबीर मिलकर बहुत सारा एक्शन करते हैं।

ये कहानी लगभग तय हो गई थी। मगर फिल्म की शक्ल इसलिए नहीं ले सकी क्योंकि राजेश खन्ना के साथ बात नहीं बन सकी।

आखिर में फिरोज खान ने फैसला किया कि वो खुद धर्मात्मा के बेटे रणबीर का किरदार निभाएंगे, और जंगूरा के किरदार के लिए डैनी को चुना गया। कहानी से उस हिस्से को हटा दिया गया जिसमें रणबीर की मदद के लिए जंगूरा भारत आता है। फिरोज खान ने डैनी साहब से कहा कि अगर जंगूरा को बुलाया गया तो रणबीर का किरदार कमजोर हो जाएगा। वैसे, यह भी जानने लायक है कि धर्मात्मा के लिए डैनी को शोले छोड़नी पड़ी थी।

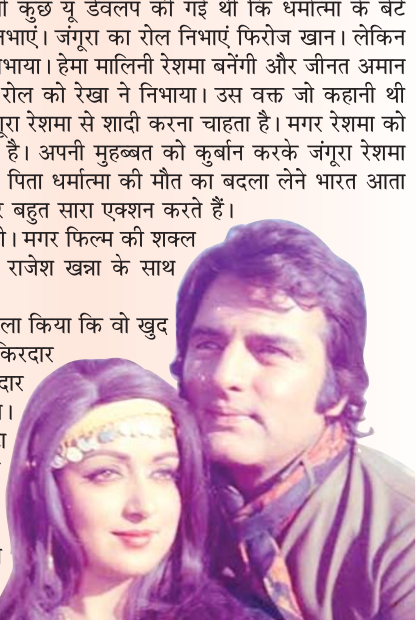

● शोभा डे ●

ट्रैवल और एविएशन के इतिहास में कभी भी भारतीय एयरलाइन के यात्री ने इतनी ज़ोर से या खुले तौर पर अपनी निराशा, जानलेवा गुस्सा और बदले की भावना नहीं दिखाई, जैसा कि पिछले दिनों हुआ, जब एक 'खास' अधिकार वाली और मोनोपॉलिस्टिक एयरलाइन ने लाखों यात्रियों को बंधक बनाने के लिए स्थिति का गलत फायदा उठाया। डरे हुए लोग कस्टमर्स की तकलीफ और बेबसी देख रहे थे, जिनके पास इसे झेलने के अलावा कोई चारा नहीं था, जबकि एक के बाद एक फ्लाइट बिना किसी ठोस वजह के कैंसिल हो रही थीं। यह एक बिना प्लान की बगावत थी। अराजकता। बिना किसी प्रत्यक्ष 'राजा' के जिस पर अपना गुस्सा निकाला जा सके। इस पहले कभी न हुई अफरा-तफरी के दौरान टॉप बॉस कहाँ थे? वे अपनी पोस्ट से गायब क्यों थे? जूनियर्स को पैसेंजर के गुस्से, गालियों, बेइज्जती, गाली-गलौज का सामना करने देना कितनी कायरता थी, जबकि टॉप अधिकारी ब्रेकडाउन के सबसे मुश्किल समय में भी चुपचाप खड़े रहे।

हमें अभी भी काफी नहीं पता। ऊपर कोई तो साफ-साफ झूठ बोल रहा था। लेकिन कौन? यह मुमकिन नहीं है कि टाइम टेबल और शेड्यूल में तथाकथित बदलाव अचानक से हुआ हो। या टॉप मैनेजमेंट को इस अफरा-तफरी के भयानक नतीजों का पता नहीं था। क्या उस लेवल पर किसी ने माफी मांगी या दिखाया कि उन्हें परवाह है? नहीं। इसे कहते हैं घटिया कॉर्पोरेट घमंड और सबसे घटिया किस्म की मनमानी। जब इतने सारे साथी नागरिक कैंसिल हुई फ़्लाइट्स की वजह से परेशान थे, तब इंडिगो के बड़े अधिकारियों ने हल्की-फुल्की वजहों से छिपकर दूसरों पर इल्ज़ाम लगाना चुना। बेहद शर्मनाक था यह सब.... जैसे-जैसे यात्रियों की सबसे बुरी ट्रैवल ट्रॉमा झेलने की कहानियाँ सामने आईं, एयरपोर्ट्स बदसूरत लड़ाई के मैदान बन गए, जहाँ पागल यात्री अजीब मुश्किलों का सामना कर रहे थे, जैसे वह जोड़ा जो अपनी शादी का रिसेप्शन मिस कर गया और वर्चुअली शामिल हुआ (उनके इस बेबस अनुभव पर एक फिल्म की स्क्रिप्ट बन सकती है), या पीड़ितों को ज़रूरी जॉब इंटरव्यू, लीगल केस, मेडिकल इमरजेंसी और भी बहुत कुछ छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

क्या इंडिगो की ब्रांडिंग 'इंडी- गो टू हेल' करने का समय आ गया है?

एयरपोर्ट पर फंसे हुए यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, एयरलाइन पर घमंड और मिस मैनेजमेंट का आरोप

इस गुनाह के लिए कोई सज़ा वाली कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

इंडिगो की पहेली लगातार कॉन्सपिरेसी थ्योरीज़ से उलझती जा रही है। ... बस एक आसान सवाल का जवाब दीजिए -- यह राहुल भाटिया कैसा आदमी है? उस बदमाश एयरलाइन का मैनेजिंग डायरेक्टर मुश्किल के समय गायब था! बड़े-बड़े ईगो वाला फाउंडर प्रमोटर गायब था, जबकि देश हिल रहा था। इस सिनेरियो में दुकान ने बुरी तरह शटर गिरा दिए थे। इस गुनाह के लिए कोई सज़ा वाली कार्रवाई नहीं? कोई पूछताछ तक नहीं की? तब भी जब थके हुए, धुंधली आँखों वाले, ज़्यादा काम करने वाले पायलट जो उड़ने को तैयार थे, और पैसेंजर और क्रू को राहत देते रहे, जो अपनी कीमती जिंदगी थके हुए कैप्टन को सौंप देते हैं। मैं कभी इंडिगो के प्रति लॉयल पैसेंजर थी। लेकिन अब, मैं एक बिंदास फ़्लायर बन गई हूँ -- किसी भी हवाई जहाज़ में चढ़ने को तैयार जो मुझे सही सलामत मेरी मंजिल तक पहुँचा दे, और उम्मीद है कि टाइम पर।

अपनी अगली फ़्लाइट तक, मैं फिल्म धुरंदर के वायरल अक्षय खन्ना वाले हुक स्टेप पर काम कर रही हूँ, और ऐसा दिखावा कर रही हूँ कि मैं बलूची हूँ। इंशाअल्लाह... लेकिन जिस चीज ने मुझे ज़्यादा इंटरेस्टिंग बनाया है, वह कुछ जाने-माने फिल्म क्रिटिक्स का कड़ा रिएक्शन है, जिन्होंने यह कहने की हिम्मत की कि उन्हें फिल्म या वह ट्रैक बिल्कुल पसंद नहीं आया जो फिल्म का सिग्नेचर बन गया है। क्योंकि, सिर्फ़ पेड रिव्यू ही राज करते हैं। ऐसे माहौल में जहाँ सिर्फ़ तारीफ़ ही सब कुछ है, एक भी बुराई वाली बात को पर्सनल अटैक मान लिया जाता है। हाँ, ज़्यादातर इन्फ्लुएंसर किसी भी सब्जेक्ट के एक्सपर्ट होने का दिखावा करने वाले दलालों से बेहतर नहीं होते। उन्हें पैसा दिखाओ और वे लगभग किसी भी चीज़ को एंडोर्स कर देंगे।

इंडिगो का शर्मनाक रवैया बेरहमी, बेपरवाही और लापरवाही से पहचाना गया। देश भर के एयरपोर्ट्स पर घंटों तक फंसे यात्रियों को पीने का पानी और स्नैक्स जैसी बुनियादी चीज़ें न मिलने को कौन माफ़ कर सकता है? इंडिगो बोर्ड के पास इस और अनगिनत दूसरी गलतियों के लिए क्या सफाई है? इन गलतियों के लिए माफ़ नहीं किया जा सकता! असल में, यह नागरिकों की सबसे ज़्यादा हिम्मत और सहनशीलता थी, जिसने एक बहुत बड़ी मुसीबत को टाला, यह देखते हुए कि यात्रियों के साथ कितना बुरा बर्ताव किया गया। इससे कहीं ज़्यादा नुकसान हो सकता था - ऐसा नहीं है कि पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुँचाने से यात्रियों को बोर्डिंग कार्ड मिल जाता। बेचारे इंडिगो स्टाफ़ पर हुए हमलों पर तरस आया, जिन्हें यात्रियों के गुस्से का सामना करना पड़ा। बात यह है कि अब जब यह संकट खत्म हो गया है... तो हम ऐसा क्या जानते हैं जो इस तबाही को सही ठहरा सके? हममें से जो लोग इस उथल-पुथल में फँस गए थे, वे दूसरी एयरलाइन्स में बहुत ज़्यादा कीमत वाली सीटों के लिए हाथापाई करने के अलावा कुछ नहीं कर सकते थे।

फिर से- क्या यह बेरहमी, ज़बरदस्ती वसूली और बहुत ज़्यादा बेरहमी नहीं है कि इंडिगो के बड़े कॉम्पिटिटर अपने आप किराया बढ़ा दें, कीमत दोगुनी और तिगुनी कर दें। सोचिए मुंबई से दिल्ली जाने के लिए एक लाख या उससे ज़्यादा पैसे देना? क्या इस तरह के संकट से निपटने का तरीका इंसानी नहीं होना चाहिए? क्या सब कुछ तहज़ीब की कीमत पर जल्दी पैसा कमाने के बारे में है? यह सब हमें एक इंसान के तौर पर कितना मौकापरस्त और बदसूरत दिखाता है।

लेकिन हर बुरी बात के साथ, एक अच्छी कहानी भी थी।

उदाहरण के लिए, दो जोशीली औरतों को ही लीजिए जो अपने-अपने शहरों में लगभग अकेले ही लिटरेचर फेस्टिवल चलाती हैं -- डॉ. मंजरी प्रभु और उनका पुणे इंटरनेशनल लिट फेस्ट, शाइनी अब्राहम और बेंगलुरु लिट फेस्ट। दोनों लिट फेस्ट एक ही खराब इंडिगो वीकेंड पर हुए। जिसका मतलब था आखिरी समय में कैंसलेशन, लेखकों का फंसे रहना, किताबों का न आना...। यह किसी भी ऑर्गनाइज़र के लिए सबसे बुरा सपना है।

लेकिन, अपने कभी हार न मानने वाले अनोखे जज़्बे के साथ, दोनों औरतों ने हिम्मत नहीं हारी, शेड्यूल बदला, सेशन करने में मदद के लिए दोस्तों को बुलाया, आने वालों को भरोसा दिलाया कि शो चलता रहेगा! इससे उनमें और कुछ लेखकों में सबसे अच्छा बाहर आया, जिन्होंने खुशी-खुशी दूसरी फ्लाइट लीं, दूर के एयरपोर्ट पर घंटों इंतज़ार किया, लेकिन अपने बताए गए सेशन में शामिल होने के लिए आए। मुझे आठ घंटे लगे।

भारत नाम के प्रचलन हेतु कुलगुरु डॉ.राजेंद्र कुड़रिया सम्मानित

गुजरात विवि में किया गया सम्मान, देश भर की कई हस्तियां पहुंची

जागरण, रीवा। शिक्षा जगत में भारतीय चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और स्व.भाषा के गौरव को पुनर्स्थापित करने की दिशा में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ.राजेंद्र कुड़रिया ने एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उनके इस अनुकरणीय योगदान के लिए उन्हें शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा सूरत में आयोजित राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यशाला के अंतर्गत 'एक राष्ट्र, एक नाम भारत' सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तित्व की गरिमा का प्रतीक है, बल्कि भारतीयता-आधारित शिक्षा की दिशा में एक निर्णायक मील का पत्थर भी है। समारोह में देशभर के शीर्ष शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, प्रशासकों एवं चिंतकों की उपस्थिति में कुलगुरु डॉ.कुड़रिया को यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर गुजरात के शिक्षा मंत्री डॉ.प्रद्युम्न वाजा, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ.अतुल कोठारी, प्रबंधन शिक्षा के राष्ट्रीय संयोजक डॉ.जयेन्द्र सिंह जाधव तथा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र संयोजक डॉ. अतुल सराफ के उपस्थिति में यह सम्मान दिया गया। कुलगुरु डॉ. राजेंद्र कुड़रिया को यह सम्मान उनके उस प्रशासनिक एवं वैचारिक निर्णय के लिए प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत उन्होंने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक आदेशों, अधिसूचनाओं, कार्यालयीन पत्राचार, शासकीय अभिलेखों तथा दैनिक अकादमिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों में 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' शब्द के प्रयोग को औपचारिक रूप से लागू किया। यह राष्ट्रीय सम्मान रीवा और संपूर्ण मध्य प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह सिद्ध करता है कि यदि नेतृत्व में राष्ट्रबोध, प्रशासनिक संकल्प और वैचारिक स्पष्टता हो तो शिक्षा संस्थान सामाजिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के सशक्त केंद्र बन सकते हैं। कुलगुरु डॉ.राजेंद्र कुड़रिया का यह योगदान आने वाले समय में देश के अन्य विश्वविद्यालयों के लिए पथप्रदर्शक सिद्ध होगा और भारतीयता-आधारित शिक्षा के स्वप्न को साकार करने में मील का पत्थर बनेगा।

कैंसर उपचार में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. अखिलेश पटेल को राष्ट्रीय सम्मान

रीवा। नेशनल हॉस्पिटल के डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सर्जन डॉ. अखिलेश कुमार पटेल को कैंसर के क्षेत्र में टियर-3 शहर में उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायक कार्य के लिए दिल्ली में आयोजित इंसपायरिंग इंडियन्स कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। यह समारोह रेडिसन ब्लू प्लाज़ा दिल्ली में संपन्न हुआ। इस अवसर पर देश की प्रख्यात बैडमिंटन खिलाड़ी एवं पद्म भूषण सम्मानित सायना नेहवाल ने डॉ. अखिलेश पटेल को यह पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले एक्ट्रा ऑर्डिनरी इंडियन्स को सम्मानित करना था। डॉ. अखिलेश पटेल ने रीवा जैसे टियर-3 शहर में रहते हुए कैंसर उपचार, उन्नत सर्जरी, समय पर निदान और किफायती इलाज की सुविधाएं उपलब्ध कराकर हजारों मरीजों को लाभ पहुंचाया है। सीमित संसाधनों के बावजूद आधुनिक चिकित्सा तकनीकों को अपनाकर उन्होंने क्षेत्र में कैंसर उपचार की दिशा में नई पहचान बनाई है। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. पटेल ने कहा कि यह पुरस्कार केवल उनका नहीं, बल्कि नेशनल हॉस्पिटल रीवा की पूरी टीम और उन सभी मरीजों का है, जिनके विश्वास से यह कार्य संभव हो पाया। उन्होंने भविष्य में भी विंध्य क्षेत्र के लोगों को बेहतर और सुलभ कैंसर उपचार उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया। इस सम्मान से न केवल रीवा बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण आधार

रीवा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में खेल महोत्सव का समापन

रीवा। रीवा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय खेल महोत्सव का भव्य समापन शनिवार को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 15 के पूर्व पार्षद अशोक पटेल तथा ग्राम जोरी की सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समापन समारोह के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के फाइनल मुकाबले संपन्न कराए गए, जिनमें छात्रों ने अनुशासन, खेल भावना एवं उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे खेल महोत्सव के दौरान विद्यालय परिसर उत्सवपूर्ण वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में शारीरिक विकास, अनुशासन, टीम भावना एवं आत्मविश्वास का विकास होता है। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य मुनेन्द्र सिंह तथा संचालक सुरेन्द्र कुमार पटेल ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

हाईकोर्ट जबलपुर और सागर की टीम ने जीते मैच

रीवा। जिला अधिवक्ता संघ रीवा द्वारा मध्यप्रदेश राज्यस्तरीय एडवोकेट टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में आज अवधेश प्रताप सिंह स्टेडियम रीवा में हो रहे हाईकोर्ट जबलपुर,भोपाल एडवोकेट टीम,सागर एडवोकेट टीम,खरगोन एडवोकेट टीम,के बीच मैच खेला गया। जिसमें हाईकोर्ट जबलपुर की टीम ने भोपाल एडवोकेट टीम को पराजित किया और सागर ने खरगोन को हराया। मैच के दौरान अतिथि के रूप में इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी ईश्वर पांडेय, अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल, समाजसेवी उपेन्द्र सिंह, वरुण तिवारी, तरुणेन्द्र सिंह, संतोष सिंह, राजीव सिंह परिहार (शेरा सिंह), हिमांशु शुक्ला, जीडी मिश्रा, विवेक वर्मा ,ज्ञानेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में अधिवक्ता एवं खेल प्रेमी दर्शक मौजूद रहे।

ऋचा ने विन्ध्य क्षेत्र को किया गौरवान्वित

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी सीजन-2' में निभा रहीं रोल

रीवा। कृषि महाविद्यालय रीवा में कार्यरत छत्रसाल पांडेय की सुपुत्री ऋचा पांडेय जो कि ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय एवं एबीवीपी कला मंच की प्रमुख रह चुकी हैं, का चयन स्टार प्लस चैनल के 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी सीजन-2' के लिए हो गया है जिसका प्रसारण 20 दिसंबर से लगातार रात 10.30 बजे हो रहा है। ऋचा पांडेय मध्य प्रदेश स्कूल ऑफ ड्रामा की प्रशिक्षित अभिनेत्री हैं। इनके सफलता के लिए उनकी माता शैली पांडेय, पिता छत्रसाल पांडेय, बहन रंजना, आभा एवं भाई दीपेश पांडेय ने खुशी जाहिर करते हुए शुभकामनाएं दीं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ एसके त्रिपाठी, पूर्व अधिष्ठाता डॉ एसके पांडेय, एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रघुराज किशोर तिवारी, केवीके प्रमुख डॉ एके पांडेय, डॉ टीके सिंह, डॉ अखिलेश कुमार, डॉ जीडी शर्मा, डॉ एके गिरी, डॉ केवल सिंह बघेल, डॉ सुधांशु पांडेय, डॉ दिव्या सिंह, श्री सुधीर सिंह एवं हरीश द्विवेदी के साथ-साथ सभी प्राध्यापक, वैज्ञानिक एवं कर्मचारियों ने ऋचा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एसटीपी से ट्रीटेड पानी के उपयोग की कार्ययोजना बनाने के निर्देश

जारी की गई नई स्वच्छता टूल किट को लेकर निगमायुक्त डॉ. सोनवणे ने ली समीक्षा बैठक

जागरण, रीवा। भारत सरकार द्वारा हाल ही में जारी की गई स्वच्छता सर्वेक्षण वर्ष 2025-26 की नई स्वच्छता टूल किट को लेकर नगर निगम रीवा के सभागार में निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान पिछले साल स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर निगम रीवा के प्रदर्शन की गहन समीक्षा करते हुए उन सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की, जिनमें शहर को अपेक्षाकृत कम अंक प्राप्त हुए थे। बैठक के दौरान निगमायुक्त डॉ. सोनवणे ने शहर में प्रगतिरत एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) को शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसटीपी से निकलने वाले ट्रीटेड पानी के उपयोग की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ट्रीटेड पानी का उपयोग शहर के पार्कों, डिवाइडरों पर लगे पौधों की सिंचाई, जेटिंग मशीन में उपयोग करने के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। वाटर प्लस से जुड़े सभी आवश्यक कार्यों की प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। निगमायुक्त ने स्वच्छ वार्ड रैंकिंग लगातार जारी करने के निर्देश दिए जिससे वार्डों के बीच स्वच्छ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से पूरे शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने प्रभावी कार्यवाही हो सके। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जोन के लिए कार्ययोजना तैयार करें, जिससे शहर में नियमित डोर टू डोर कलेक्शन प्रभावी रूप से हो एवं सेकेंडरी प्वाइंट को कम किया जा सके।

स्कूली बच्चों को स्वच्छता से जोड़ें

स्वच्छता महुआ ऐप पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि 31 दिसम्बर के पूर्व 100 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। निगमायुक्त ने शहर के सभी शासकीय एवं निजी स्कूलों में स्वच्छता मॉनिटरिंग के लिए विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों में कबाड़ से जुगाड़ विषय पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर बच्चों को रचनात्मक तरीके से बच्चों को स्वच्छता से जोड़ने की बात कही।

हर वार्ड में बैक लेन एवं फ्रंट लेन विकसित करने के निर्देश : निगमायुक्त ने शीघ्र आने वाले नए कचरा कलेक्शन वाहनों को उन वार्डों में डिप्लॉय करने के निर्देश दिए, जहां समय पर वाहन नहीं पहुंच पाते हैं और एक ही वाहन पर अधिक भार पड़ रहा है। इससे डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगा। स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत प्रत्येक वार्ड में कम से कम 4 नई बैक लेन एवं फ्रंट लेन विकसित करने के निर्देश दिए गए।

युग बीतेंगे पर रफी को ना भूलेंगे: डॉ. केके

रिदम म्यूजिकल ग्रुप का यादगार आयोजन

रीवा। रिदम म्यूजिकल ग्रुप द्वारा अमर गायक मो. रफी के जन्म दिवस पर आयोजित 'स्वर महोत्सव' रिदम परिवार के फनकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से यादगार बना दिया। बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी स्व. उमा परौहा चैरिटेबिल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. केके परौहा ने कहा, युग बीतेंगे पर रफी तुमको ना भूलेगा जमाना, जिसका तालियों की गड़गड़ाहट से सबने स्वागत किया। अध्यक्षता कर रहे संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा ने अपने अनोखे अंदाज में गाया पुकारता चला गीत को भरपूर वाह-वाही मिली। इसके साथ उन्होने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर अटलजी के अंदाज में अटलजी की कविताओं को आकर्षक अंदाज में पेश करके उनको भी दिल से याद किया। विशिष्ट अतिथि आचार्य कृष्टणकांत शास्त्री, अवधेश श्रीवास्तव, डॉ. आरती तिवारी,उमेश कुशवाहा संगीतज्ञ याकूब खान, गायिका रीति सरगम पांडे एवं समाज सेवी डॉ. सरोज सोनी सहित कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमा प्रदान की। सुर महोत्सव कार्यक्रम के संयोजक एवं रिदम ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विनोद तिवारी ने बताया कि इस वर्ष फिल्मी गीतों के सफर के 95 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। पहला फिल्मी गाना 1931 में आलम आरा फिल्म के लिये रिकॉर्ड किया गया था जिसमें दिनोंदिन निखार आया है। संचालन उपाध्यक्ष अवनीश शर्मा ने किया। व्यवस्था में सहयोग प्रचार सचिव श्याम गंगवानी, डीके सत्यार्थी, दिलीप ठारवानी एवं इंजी. राजेश श्रीवास्तव ने किया। अंत में सभी प्रतिभागी गायकों को संस्था की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। आयोजन में सी.एम.एच.ओ. डॉ. संजीव को शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करने के साथ सभी मंचासीन अतिथियों का अभिनंदन किया गया।

क्विज प्रतियोगिता में वनस्थली के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रीवा। नगर के रतहरा स्थित वनस्थली स्कूल में शनिवार को क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमं सुरक्षा ग्रुप फाउंडर शत्रुघ्न सिंह, मुख्य अतिथि विद्यालय डायरेक्टर डॉक्टर मनोज तिवारी एवं प्राचार्य दीप्ती अग्रवाल शामिल रहे। मुख्य अतिथि का स्वागत शॉल मोमेंटो एवं पुष्प गुच्छ से किया गया। यं तो देश मे विकसित भारत क्विज़ जैसे राष्ट्रीय अभियान भी चल रहे हैं जो छात्रों में ज्ञान और देश के प्रति विज़न को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसमें सामान्य ज्ञान और करंट अफेयर्स शामिल हैं. इस अभियान के तहत विद्यालय मे क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें गौरव तिवारी, पूर्णिमा सिंह, श्रेष्ठ तिवारी, मानसी पटेल, समर तिवारी, प्रतीक पटेल, ध्रुव तिवारी, निशिका तिवारी, आदर्श पाण्डेय, शिवांश तिवारी, राज गौतम सृष्टि गौतम, गगन तिवारी, हर्षिता,प्रथम शुक्ला, हेमंत सिंह एवं नितेश कुमार ने प्रतियोगिता में पूछे गये सवालों के सही उत्तर देकर नकद पुरस्कार प्राप्त किये। प्रत्येक प्रश्न के सही उत्तर के लिए 50 रुपये की राशि निर्धारित की गई थी। मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों को जीती गयी नगद धनराशि देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस मौके पर समस्त अध्यापक एवं अध्यापिकाये शामिल रहे।

होम्यो केयर और क्योर ब्यूटी क्लीनिक में मर्ज का स्थायी इलाज

रीवा। होम्यो केयर और क्योर ब्यूटी क्लीनिक समदरिया नया बस स्टैंड सी ब्लॉक व मुख्य डाकघर के पीछे सुधार न्यास कॉलोनी में स्थित 28 वर्षों के अनुभव व विरासती ज्ञान से नाड़ी परीक्षण कर होम्योपैथिक दवा व विभिन्न मशीनों द्वारा रीढ़ की हड्डियों के विभिन्न तरह के कारणों को ठीक करके दर्द में तुरंत आराम दिया जा रहा है, जिसमे साइटिका हाथ पैरों मे दर्द सुन्नपन स्पण्डलिसिस, हड्डी का बढ़ना, गुरियों का खिसकना, मांस- पेशियों मे खिंचाव, नड़ियों का सूखना, पैरों-हाथों का पतला होना, हड्डियों की सड़न, पुराना फ्रैक्चर न जुड़ना आदि। इस क्लीनिक के संचालक डॉ रोचना व डॉ विकास श्रीवास्तव ने बताया कि सौंदर्य रोग के कई मर्ज का स्थायी इलाज कई आधुनिक मशीनों से होता है- जिसमें हाइड्रा, अल्ट्रासोनिक मस्सा निकलने की मशीन, बालों के झड़ने से रोकने की मशीन, मोटापे की मशीन हैं। शादी के सीजन में मेडिकटेड फेशियल में काफी डिस्काउंट दिया जा है। पूर्व में 10 घंटे में पथरी निकलने का अनुभव है व गॉल ब्लैंडर की पथरी व अन्य तरह की गांठ की चिकित्सा कर होम्योपैथिक में उपस्थित दवा को सफलता पूर्वक उपयोगिता सिद्ध की है।

जन शिक्षा केन्द्र में शैक्षिक संवाद का आयोजन

रीवा। जन शिक्षा केंद्र शासकीय एचएसएस महसांव में प्राचार्य राजकुमार सिंह एवं रामकृष्ण द्विवेदी जन शिक्षक के प्रयास से विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों सहित शैक्षिक संवाद का आयोजन किया गया। कक्षा 3 से 5 तक का शैक्षिक संवाद प्राथमिक कक्षाओं में प्रभावी लेखन विषय पर पूर्णा तिवारी एवं विशाल शुक्ला ने विस्तृत संवाद किया एवं कक्षा 6 से 8 तक के शैक्षिक संवाद का विषय पुनरावलोकन एवं समेकन पर बातचीत विषय पर विकास सिंह एवं प्रधानाध्यापक भास्कर त्रिपाठी ने विस्तृत संवाद किया गया। संवाद का एजेंडा प्रतिभागियों से अपेक्षाएं जानना, प्रतिभागियों से एजेंडा शनिवार के संवाद के उद्देश्य और डिजाइन सिद्धांत साझा करना, विद्यार्थियों में रचनात्मक एवं स्वतंत्र लेखन का प्रभाव, कक्षा प्रबंधन और सक्रिय छात्र सहभागिता, संवाद का समेकन और प्रतिभागियों द्वारा शिक्षा साझा करना, विद्यालय की बेस्ट प्रैक्टिसेज रहा। शैक्षिक संवाद में राजेश चौरसिया, प्रमोद श्रीवास्तव, संतोष पांडेय, ज्ञानेंद्र पटेल, मृगेन्द्र शर्मा, अंबिका सोनी, जानवी दुबे, सुनीता पटेल, विद्या श्रीवास्तव, निवेदिता द्विवेदी, प्रभा तिवारी, पूनम पांडेय, चक्रपाणि मिश्रा आदि शिक्षकों ने सहभागिता की।

कक्षा 11वीं की 23 फरवरी और 9वीं की मुख्य परीक्षाएं 2 मार्च से होंगी

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किए आदेश

जागरण, रीवा। कक्षा 9वीं और 11वीं की मुख्य परीक्षाओं का टाइम-टेबल लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल ने जारी कर दिया है। इसके अनुसार कक्षा 11वीं की परीक्षाएं 23 फरवरी से तो 9वीं की परीक्षाएं 2 मार्च से आयोजित की जाएंगी। दोनों ही परीक्षाओं का समय दोपहर 1.30 से शाम 4.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। डीएस कुशवाह संचालक लोक शिक्षण द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि परीक्षाओं के दौरान शासन द्वारा यदि कोई सार्वजनिक अथवा स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है, तो भी परीक्षाएं यथावत कार्यक्रमानुसार सम्पन्न होंगी। विद्यालय में समस्त परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में दोपहर 1 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के 10 मिनट के पूर्व दोपहर 1.20 बजे विद्यार्थियों को उत्तरपुस्तिका एवं 5 मिनट पूर्व दोपहर 1.25 बजे प्रश्न पत्र वितरित किए जाएं। 10वीं-12वीं के परिणाम सुधारने कवायद जारी पूरे संभाग में कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों को सुधारने की कवायद जारी है। इसके लिए प्राचार्यों और शिक्षकों को लगातार प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं, ताकि वे बच्चों को बिना किसी भय के अच्छे परिणाम लाने में मदद कर सकें।

प्रख्यात हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह के द्वारा प्रतिदिन नियमित OPD रीवा में।

रीवा: अहमदाबाद के प्रख्यात हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह, MBBS, MS (ऑर्थोपेडिक्स) FIJR, OIJR (अहमदाबाद) फेलोशिप इन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट। कॉम्प्लेक्स ट्रॉमा। ऑर्थोस्कोपिक सर्जन, पूर्व सर्जन गवर्मेन्ट मेडिकल कॉलेज सागर, हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ के द्वार कामता मेडिकल (कामता मल्टीस्पेशलिटी डे- केयर क्लीनिक/डायग्नोस्टिक×विजन हार्ट सेंटर), A ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, प्रतिदिन नियमित सुबह 10 से दोपहर 02 बजे तक एवं शाम 04 से 06 बजे तक हड्डी व जोड़ रोग से सम्बंधित समस्त फ्रैक्चर एवं ट्रॉमा उपचार, घुटना एवं कुल्हा प्रत्यारोपण TKR, THR, ऑर्थोस्कोपी (दूरबीन द्वारा लिगामेंट की सर्जरी), डिजिटल एक्स-रे, प्लास्टर POP एवं स्पिलटिंग, घुटनो में दर्द/सूजन, कंधे का जकड़ना/दर्द होना, कमर व कूल्हों के जोड़ों का दर्द, साईटिका/गठियावात, कंधे के मांस का कटना, घुटने का न मुड़ना, चलने में लड़खड़ाना, जमीन पर न बैठ पाना, गाउट एवं रूमेटाइड ऑर्थराइटिस का उपचार, जोड़ो में इंजेक्शन द्वारा उपचार (इंटर-आर्टिकुलर इंजेक्शन), CTEV (क्लबफुट) जन्मजात टेड़े मेड़े पाँव का उपचार, रीड की हड्डी से सम्बंधित समस्याएं, सामान्य एवं जटिल फ्रैक्चर, आधुनिक तकनीक द्वारा जोड़ प्रत्यारोपण, बच्चों के हाथ व पैरों की विकृतिया, पुराने फ्रैक्चरों का न जुड़ना, हड्डी में पस पड़ना आदि बीमारियों का परामर्श/ऑपरेशन द्वारा इलाज किया जाता है, डॉ शांतनु को दुरबीन विधि से सम्बंधित सभी प्रकार के आपरेशन में महारथ हासिल है, अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा में संपर्क करें। -Advt.

432 रनों की विशाल लीड के साथ सीधी की टीम पहुंची सेमी फाइनल

स्व. नरेन्द्र सिंह स्मृति अंतरजिला क्रिकेट प्रतियोगिता (सीनियर)

शतक जमाने वाले सीधी के बल्लेबाज रुद्रांश सिंह एवं प्रांजल पाण्डेय संयुक्त रूप से मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने

जागरण, रीवा। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के निर्देशानुसार एवं रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व में स्थानीय एमपीसीए क्रिकेट मैदान में खेली जा रही स्व. नरेन्द्र सिंह स्मृति अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता (सीनियर) का दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच जो सीधी एवं मैहर की टीमों के बीच खेला जा रहा था दूसरे दिन बिना किसी परिणाम के समाप्त हो गया। परंतु पहली पारी में विशाल लीड प्राप्त करने वाली सीधी की टीम को फायदा हुआ और उसने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए सह-सचिव अनुराग सेठी ने बताया कि इस 2 दिवसीय मैच के पहले दिन के खेले सीधी के बल्लेबाजों के नाम रहा था जिसमें सीधी ने अपनी पहली पारी में 540 रन का विशाल स्कोर बनाने में सफलता प्राप्त की थी। दूसरे दिन के खेल में सीधी के विशाल स्कोर के दबाव में मैहर की टीम ने अपनी पहली पारी का आगाज किया परंतु उनका कोई भी बल्लेबाज विकेट पर टिक कर बल्लेबाजी करने में सफल नहीं रहा नतीजन मैहर की पहली 33 ओवरों में 108 रनों के योग पर सिमट गयी। मैहर की ओर से निखिल राजपूत ने 25 रन, दानिश नसीम ने 23 रन एवं सिद्धांत सिंह ने 21 रन बनाये। मैहर की पारी को अल्प स्कोर में आउट करने में सीधी के आफ स्पिनर आकाश पनिका का प्रमुख योगदान रहा जिन्होने 9 ओवरों में 25 रन देकर 5 विकेट लिये। विनीत सिंह एवं अभिषेक परिहार को 2-2 विकेट मिले। इस प्रकार यह मैचा बेनतीजा समाप्त हो गया परंतु पहली पारी में 432 रनों की विशाल लीड लेने के कारण सीधी ने 3 अंक प्राप्त किये तथा सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में अंपायरिंग का दायित्व अनुभवी अंपायर धीरेन्द्र शुक्ला एवं गौरव मिश्रा के द्वारा उठाया गया जबकि प्रवीण सिंह 'नन्हे' स्कोरर रहे। मैच के समाप्त होने के बाद रीवा डिवीजन के पूर्व वरिष्ठ खिलाड़ी एवं वर्तमान चयनकर्ता प्रदीप शुक्ला के आतिथ्य में मैच में शानदार शतक जमाने वाले सीधी के बल्लेबाजों रुद्रांश सिंह एवं प्रांजल पाण्डेय को संयुक्त रूप से मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रकार से रीवा, सतना, सीधी एवं सिंगरौली की टीमों ने सेमीफाइनल मे जगह बनाने में सफलता प्राप्त की है।

समाज को सुरक्षित, स्वस्थ एवं मूल्यनिष्ठ बनाने का लिया संकल्प

सुरक्षा प्रभाग के अधिकारियों का स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह

रीवा। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा प्रभाग के वर्तमान एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिए स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एआईजी (सहायक पुलिस महानिरीक्षक) राम खेलावन शुक्ल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उप पुलिस अधीक्षक राजकुमार सिंह कुशवाह (बालाघाट), राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित सेवानिवृत्त निरीक्षक सतीश कुमार मिश्रा, राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित राष्ट्रीय स्काउट गाइड पंकज उपाध्याय, कृपा सागर बाजपेई (डीएसपी, नवीं बटालियन, रीवा) , (सेनि) एसडीओपी डॉ. कृपा शंकर मिश्रा और आदित्य प्रताप सिंह से नि पुलिस अधिकारी की विशिष्ट उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि राम खेलावन शुक्ल ने कहा कि सुरक्षा प्रभाग के अधिकारी समाज की रीढ़ हैं और उनके भीतर नैतिक मूल्यों एवं आत्मिक शक्ति का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक एवं नैतिक उत्थान के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित अधिकारियों सहित अन्य विशिष्ट अधिकारियों का सम्मान किया गया, जिससे पूरे वातावरण में गौरव, आत्मीयता और प्रेरणा का भाव व्याप्त हो गया। स्नेह मिलन के इस अवसर और समाज को सुरक्षित, स्वस्थ एवं मूल्यनिष्ठ बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजयोगिनी बीके लता बहन ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आध्यात्मिक शक्ति ही सुरक्षा बलों को मानसिक शांति, धैर्य और सकारात्मक निर्णय क्षमता प्रदान करती है।

खिलाड़ियों ने जोश, अनुशासन और खेल भावना का दिया परिचय

एस.पी. मेमोरियल स्कूल में चल रहा है 'रीवा प्रो लीग' का आयोजन

रीवा। एस.पी. मेमोरियल कॉन्वेंट एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल रतहरी में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता 'रीवा प्रो लीग' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन एस.पी. मेमोरियल कॉन्वेंट एकेडमी, हैंडबॉल संघ एवं जिला ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वावधान में संपन्न हो रहा है। तीन दिवसीय इस खेल महाकुंभ में खो-खो, कबड्डी, वालीबॉल एवं हैंडबॉल प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 29 दिसंबर तक एस.पी. मेमोरियल कॉन्वेंट एकेडमी परिसर रतहरी में चलेगा। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के लगभग 22 जिलों से बालक एवं बालिकाओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के भव्य ओपनिंग सेरेमनी में एसपी मेमोरियल के बच्चों ने एरोबिक डांस जैसे आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि सरदार पटेल ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन मास्टर बुद्धसेन पटेल एवं सैनिक अतुल पाण्डे ने मशाल प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्षता एस.पी. मेमोरियल कॉन्वेंट एकेडमी के संचालक एड. अभिषेक पटेल ने की, साथ ही संस्था प्राचार्य पुष्पराज पटेल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंच का संचालन क्रीड़ा अधिकारी वीरेन्द्र शुक्ला ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिथि सूची. डॉ. डी.के. सिंह (सीधी). बृजेश शर्मा (सीहोर), धीरेंद्र देशमुख (उज्जैन),रामफल (उज्जैन). मुंद्रा मिश्रा (रीवा). राहुल शर्मा (रीवा). शेरोन जॉन (रीवा). डॉ. इरशाद खान (रीवा). डॉ. राहुल शर्मा (रीवा) सुभाष दुबे (रीवा) आई.पी. तिवारी (रीवा) चंदन सिंह परिहार (रीवा). संजय सिंह (रीवा). एस.पी.एस. (रीवा) मुनिराज पटेल (रीवा)भूपेंद्र सिंह (रीवा), अतुल शुक्ला (रीवा), धर्मराज सिंह (रीवा), रामलाल पटेल (रीवा) वंश बहादुर पटेल (रीवा) अधिवक्ता विवेक वर्मा (रीवा). अधिवक्ता राजकरण कुशवाहा प्रदीप सक्सेना (ए.के. इंफ्राड्रीम), अशोक पटेल झब्ब (पूर्व पार्षद) उपस्थिति रहे। अतिथियों ने खेल महाकुंभ की सराहना करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे जोश, अनुशासन और खेल भावना के साथ भाग लेते हुए खेल का भरपूर आनंद लिया।

सरकारी राशन की दुकान का ताला तोड़कर 27 क्विंटल चावल सहित खाद्यान्न चुरा ले गए बदमाश

बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के गुहिया पंचायत की घटना

जागरण, रीवा। शासकीय उचित मूल्य की दुकान में अज्ञातचोरों ने धावा बोलते हुए लाखों रुपए का खाद्यान्न पार कर दिया। घटना बैकुंठपुर थाना क्षेत्र ग्राम पंचायत गुहिया में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान में सामने आई है। दुकान के सेल्समैन और सरपंच ने मामले की शिकायत बैकुंठपुर थाना में दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस चोरी का मामला दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि आज्ञात चोरों ने रात के अंधेरे में ताला तोड़कर चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया है। बताया गया कि सरकारी राशन दुकान से चोरों ने तकरीबन 27 क्विंटल चावल और गेहूं के साथ-साथ नमक भी पार कर दिया है, जिसकी अनुमानित कीमत तकरीबन 2 लाख से अधिक आंकी जा रही है। घटना के संबंध में ग्राम पंचायत गुहिया के सरपंच प्रशांत गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते दिवस रोजाना की तरह घटना दिनांक सुबह जब वे घर से टहलने निकले तो रास्ते में देखा कि गांव की शासकीय उचित मूल्य की दुकान के बाहर अनाज बिखरा पड़ा हुआ है, नजदीक जाकर पाया कि राशन दुकान का ताला भी टूटा हुआ है। चोरी की आशंका होने पर सरपंच ने सबसे पहले सेल्समैन को सूचना दी और थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। बताया गया कि गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात चोरी की इस वारदात को अज्ञात चोरों ने अंजाम दिया है। बैकुंठपुर पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

ट्रक से चावल की बोरी चुरा रहे बदमाशों ने चालक से की मारपीट, सिर पर किया पत्थर से हमला

चोरहटा थाना क्षेत्र के मैदानी पेट्रोप पम्प के पास बीती शाम हुई घटना

जागरण, रीवा। शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत मैदानी पेट्रोल पम्प के पास चावल से लोड ट्रक से आधा दर्जन की संख्या में रहे बदमाशों ने चावल की बोरी चोरी करने का प्रयास किया। ट्रक चालक ने आरोपियों को पकड़ लिया जिसके बाद आरोपी गाली गलौज करते हुए चालक से मारपीट कर उसे लहूलुहान कर दिए। पत्थर के हमले से चालक के सिर पर गंभीर चोट पहुंची जिसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया। चोरहटा पुलिस पूरी घटना पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में लगी हुई है। घटना शुक्रवार की रात करीब 9.30 बजे के आसपास की बताई गई है। पीड़ित ट्रक चालक ने बताया कि वह मैदानी पेट्रोल पंप के पास ट्रक खड़ा कर नो एंट्री खुलने का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान करीब 6 बदमाश मौके पर पहुंचे और अचानक ट्रक से चावल की बोरिया उतारने लगे। पीड़ित ट्रक चालक सज्जान साकेत पिता रामकृपाल साकेत 27 वर्ष निवासी ग्राम पकरा थाना गुढ़ ने बताया कि वह चोरहटा निवासी अजीत सिंह का ट्रक क्रमांक एमपी 17 एचएच 3614 चलाता है। शुक्रवार को वह सेमरिया पटेहरा स्थित ओम इण्डस्ट्रीज से एफसीआई का चावल 580 बोरी लोड करके पीटीएस रीवा के गोदाम जा रहा था, नो एंट्री के कारण वह मैदानी में पेट्रोल पंप के सामने ट्रक को खड़ा करके खाना खाने अपने पिता के कमरे चला गया। रात करीब 9.30 बजे जब वह ट्रक के पास वापस आया तो देखा की ट्रक से मोहल्ले के लल्ला कोल व काली सहित आरोपी चावल की बोरी उतार रहे थे, जब वह मना करते हुए विरोध किया तो उसके साथ गाली गलौज करते हुए आरोपियों ने हमला कर दिया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी लल्ला ने उसके सिर पर पत्थर से जानलेवा हमला कर दिया जिससे वह लहूलुहान हो गया। फिलहाल घटना के बाद चोरहटा पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी का प्रभार नियम विरुद्ध बता प्राचार्य ने सौंपा आवेदन

जागरण, रीवा। विकासखंड शिक्षा अधिकारी का प्रभार व्याख्याता सीएम राइज हायर सेकण्डरी स्कूल त्योंथर नागेश्वर प्रसाद शर्मा को सौंपे जाने पर उसे नियम विरुद्ध बताते हुए शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल चाकघाट इंद्रदेव सिंह ने आयुक्त रीवा संभाग को आवेदन सौंपा। जिसमें बताया कि विभाग से निर्देश है कि सीएम राइस के शिक्षकों को अन्य प्रभार नहीं दिए जाएं, श्री शर्मा गणित विषय के व्याख्याता हैं इनको बीईओ के प्रभार देने से शिक्षण कार्य पूर्णतया बंद है। नागेश्वर प्रसाद शर्मा को बीईओ प्रभार कलेक्टर के अनुमोदन के बिना सौंपा गया है। संचालक लोग शिक्षण भोपाल के पत्र क्रमांक स्थापना 1/राज/बी/56/2025/1410 भोपाल दिनांक 09/09/25 द्वारा विकासखंड हनुमना एवं सिरमौर के प्रकरण में वरिष्ठ उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य का नाम बीईओ के प्रभार हेतु मांगा गया है इससे भी स्पष्ट है कि वरिष्ठ को ही प्रभार दिया जाना चाहिए। वरिष्ठ कर्मचारियों के ऊपर कनिष्ठ द्वारा नियंत्रण एवं निर्देश जारी करना यह पदीय मर्यादा के विरुद्ध है। प्राचार्य ने निवेदन किया कि विकासखंड में सबसे वरिष्ठ होने के कारण बीईओ प्रभार उन्हें दिलाए जाने की कृपा करें।

एंटी एवीजन की चार दिन की जांच में हुआ खुलासा

पान मसाला कारोबारी ने की 1.25 करोड़ की कर चोरी

जीएसटी की कार्यवाही में सरेंडर की कर चोरी की राशि

जागरण, रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत कटरा मोहल्ले में पान कारोबारी के यहा जीएसटी टीम ने दबिश देकर लाखों की कर चोरी पकड़ी है। चार दिन चली जीएसटी कार्रवाई के बाद पान मसाला कारोबारी ने जांच अधिकारियों के सामने टैक्स की बकाया राशि सरेंडर कर दी। बता दे कि यह राशि उम्मीद से भी कहीं ज्यादा है जो 1 करोड़ से भी अधिक है। फिलहाल देर शाम राशि सरेंडर करने के बाद ही कार्रवाई खत्म हुई है। दरअसल बीते मंगलवार की दोपहर को जीएसटी एंटी एविजन विंग की टीम ने रीवा शहर के कटरा मोहल्ले में मोहनलाल बसंत कुमार फर्म में रेड मारी थी। मोहन अग्रवाल इसके संचालक हैं और यह बड़े स्तर पर पान मसाला का कारोबार करते हैं, जिनके पास कई कंपनियों की एजेंसियां हैं और टर्न ओव्हर में कारोबारी गड़बड़ी कर रहे थे। व्यापारी प्रॉफिट ज्यादा कमा रहे थे लेकिन टर्न ओव्हर कम दिखा रहे थे। इसी को लेकर जीएसटी की रीवा और सतना की टीम ने रेड मारी थी। बता दे कि यह कार्रवाई खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थी जो चार दिनों तक लगातार कार्रवाई चली। व्यापारी के मकान, दुकान और गोदाम में जांच की गई। अब तक कितना माल आया, कितना बेचा गया। कितना टैक्स जमा हुआ। कितना छुपाया गया। इन सबकी कुंडली तैयार की गई। फिलहाल कार्यवाही के चौथे दिन व्यापारी ने 1 करोड़ 25 लाख रुपए सरेंडर कर दिया है। वहीं अभी नोटिस जारी कर और बिल प्रस्तुत करने का समय दुकानदार को दिया गया है। यदि बिल प्रस्तुत नहीं कर पाए तो अभी और टैक्स निकलना तय माना जा रहा है।

बुआ के घर आया नाबालिग नहर में डूबा

नौवस्ता चौकी क्षेत्र के पुर्वा नहर में सामने आया हादसा

जागरण, रीवा। चोरहटा थाना क्षेत्र के नौवस्ता चौकी अंतर्गत पुर्वा नहर में एक नाबालिग लड़का हादसे का शिकार हो गया। शौच क्रिया के लिए गया युवक नहर में देखते देखते बह गया। युवक अपने बुआ के घर आया हुआ था। युवक की पहचान प्रिंस साकेत पिता यज्ञनारायण साकेत 17 वर्ष के रूप में की गई है। घटना की बाद स्थानीय लोगों ने सूचना पुलिस को दी थी जिसके बाद पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम को घटना की सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू शुरू किया। घटना शुक्रवार शाम की बताई गई है। काफी समय तक जब नाबालिग लड़के का पता नहीं लगा तो नाराज परिजनों ने शनिवार को सड़क पर जाम लगा दिया गया। जिसके बाद पुलिस ने नहर में पानी बंद करने के लिए शासन से कहा और एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू शुरू किया। जानकारी दी गई कि नाबालिग लड़का मनगवां थाना क्षेत्र के मनिकवार पुलिस चौकी क्षेत्र के इटार गांव का रहने वाला था। वह अपनी बुआ के यहां नौवस्ता घूमने आया हुआ था, शाम होते ही शौंच क्रिया के लिए नहर की ओर आया और पैर फिसलने से नहर में गिर गया। बताया गया कि घटना के दौरान वहा पर संतोष साकेत उम्र 15 वर्ष नहर में कूद कर प्रिंस को बचाने का प्रयास किया लेकिन वह असफल रहा, जिसके बाद शोर शराबा होने के बाद पुलिस को सूचना दी गई थी।

चने की भाजी खाने के बाद बिगड़ी हालत पति की उपचार के दौरान मौत

कीटनाशक का खेत में किया गया था छिड़काव

जागरण, रीवा। चने की भाजी खाने से एक परिवार के लोगों की हालत बिगड़ गई। घटना गढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गढ़ में सामने आई है। बताया गया कि चने के खेत में कीटनाशक का छिड़काव किया गया था। घटना 23 दिसंबर की बताई गई है। बताया जा रहा है कि गढ़ निवासी श्यामकली कोल खेत से चने की भाजी तोड़कर लाई थीं। रात लगभग 9 बजे भाजी पकने के बाद, परिवार के तीन सदस्य शंकर कोल उर्फ बंटी पिता हिंगलाल कोल, पत्नी श्याम कली और पुत्री साधना ने इसका सेवन किया। भोजन के उपरांत रात करीब 10 बजे तीनों की तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें लगातार उल्टी-दस्त की शिकायत शुरू हो गई। आनन फानन में उन्हे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हे संजय गांधी अस्पताल रेफर किया था, जहां उपचार के बाद उन्हे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था। बताया गया कि शुक्रवार को शंकर कोल की हालत भी बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें दोबारा संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया जहां शनिवार को उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने पीएम के बाद शव को परिजनों को सौप दिया है, वहीं मर्ग कायम कर पूरी घटना की जांच की जा रही है।

मुंबई से चोरी हुए मोबाइल रीवा में मिले, मुंबई से आई स्पेशल टीम ने सोहागी और चाकघाट थाना क्षेत्र से 12 मोबाइल किए बरामद

जागरण, रीवा। मुंबई से चोरी व गुमे हुए बड़ी संख्या में मोबाइल रीवा जिले के सोहागी व चाकघाट थाना क्षेत्र से बरामद किए गए है। उक्त मोबाइल की लोकेशन मिलने के बाद महाराष्ट्र पुलिस की एक स्पेशल टीम रीवा आई थी। मुंबई पुलिस का यह सर्च ऑपरेशन पूरे देश के कई राज्यों में चल रहा है और बड़ी संख्या में मोबाइल पुलिस बरामद कर चुकी है।

मुंबई से चोरी हुए मोबाइलों को ढूंढने के लिए पुलिस ने एक बड़ा सर्च ऑपरेशन लांच किया है जिसमें मुंबई के पुलिस थानों से अलग-अलग राज्यों में मोबाइल बरामद करने के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। म.प्र. में एसआई रसूल सैयद के नेतृत्व में पुलिस टीम रवाना हुई। मुंबई से चोरी और गुमे हुए करीब 35 मोबाइल रीवा में एक्टिव हैं जिनका उपयोग अब किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है। साइबर की मदद से सभी मोबाइलों की जानकारी लेने के बाद पुलिस की स्पेशल टीम रीवा आई है। यह टीम सोहागी, चाकघाट इलाके में मोबाइलों की तलाश कर रही है जहां पर इनको बेचा गया है। पुलिस ने अभी तक 12 मोबाइल बरामद कर लिये हैं जबकि अन्य मोबाइलों की लिस्ट में मुंबई से चोरी हुए सर्वाधिक मोबाइल सोहागी क्षेत्र में एक्टिव हैं। सोहागी में करीब 12 मोबाइल मौजूद हैं जिनमें 6 मोबाइल पुलिस बरामद कर चुकी है और 6 मोबाइल अभी भी बरामद करने में लगे हैं। इसके अतिरिक्त नईगढ़ी, चाकघाट थाना व त्योंथर चौकी से दो-दो मोबाइल मिले हैं। शहर में चार मोबाइल एक्टिव हैं जो अभी नहीं मिल पाए हैं। तलाश में पुलिस टीम लगी हुई है। माना यह जा रहा है कि आने वाले दिनों में जल्द सारे मोबाइलों को पुलिस बरामद कर लेगी।

छठी शरीफ के मौके पर अमन व खुशहाली के लिए मांगी दुआ

हजरत दाराशाह तकिया बिछिया के आस्ताने में हुई मीठी दलिया की फातेहा

जागरण, रीवा। हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह ग़रीब नवाज़ के उर्स मुबारक के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हजरत दारा शाह तकिया, बिछियां में अहले मोहल्ला के ताऊन से मीठी दलिया की फातेहा खानी का आयोजन किया गया। यह आयोजन शनिवार को हजरत दाराशाह तकिया के आस्ताने में सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम जामा मस्जिद बिछिया के सदर इस्लाम अहमद, मदरसा इस्लामिया बिछिया के सदर वाइज खान तथा जामा मस्जिद के सचिव लईक खान की जेरे-सरपरस्ती में आयोजित किया गया। फातेहा खानी में मदरसा इस्लामिया के प्रिंसिपल व जामा मस्जिद के पेशइमाम हाफिज व आलिम आसिम उस्मान, हाफिज मुर्शिद आलम, हाफिज मुस्ताक अहमद, मौलाना रऊफ रिजवी, नायब पेशईमाम जामा मस्जिद के तहकीकुद्दीन खान तथा मोहल्ले एवं शहर के हाफिज़ व आलिमे-दीन की मौजूदगी फातेहा सम्पन्न हुई। मौलाना मुर्शिदआलम ने हजरत ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती रह. के जिन्दगी पर रौशनी डाली। उर्से-ए-ग़रीब नवाज़ की छठी शरीफ के मौके पर होने वाली इस फातेहा खानी में खुसूसी दुआ की गई, जिसमें देश में अमन-अमान, आपसी भाईचारे, खुशहाली और तरक्की के लिए अल्लाह तआला की बारगाह में दुआ मांगी गई। शहर के हजारों लोग इस फातेहाख्वानी व दुआ में शामिल हुये व लंगरखानी का लुत्फ उठाया। इस मौके पर मुख्य रूप से इस्लाम अहमद गुड्डू, वाइज खान, लईक खान, वासिद खान, सहफूज खान, मुख्तार खान, अजहरुद्दीन अज्जू, समीम खान, मोहसिन खान, अल्तमश खान, साहिल, तहकीकुद्दीन, रज्जाक खान, हाजी अब्दुल मुजीब मंसूरी, टीपू खान, फरीदुद्दीन शिबू खान, रयूब खान, कलाम खान, एनाम खान, रेयाज खान, सरदार खान, हाजी सफीक, अयूब खान, गुफरान, अब्दुल्ला खान, सलमान खान, इस्लाहुद्दीन, तौहीद खान, गुलशाद खान, गोलू खान, जुगुन खान, अमन खान, शकील खान, गुफरान खान, जावेद खान, सुहैल खान, सलामुद्दीन, शीबू खान उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, मुनेश साकेत, पुत्र सरमन साकेत निवासी ग्राम जेरुका पोस्ट पैपखरा तह. हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) का हूं। शपथपूर्वक घोषणा करता हूं कि मैं अपने नाबालिग पुत्र अरुण साकेत जिसकी आयु 13 वर्ष है, का नाम बदलकर आरुष साकेत रख लिया है, अतः भविष्य में मेरे पुत्र को नए नाम से पहचाना जाए एवं समस्त शासकीय – अशासकीय डाकूमेंट में मेरे पुत्र का नाम अरूण साकेत की जगह आरूष साकेत दर्ज किया जाए एवं लिखा, पढ़ा व जाना जाए।

RN- 83121 — मुनेश साकेत

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबंधक /कार्य/ झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई- टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई- निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-एन- 2025-201

कार्य का नाम : झाँसी डिवीज़न प्रोवीजन फॉर गैंग्स टूल्स कम रेस्ट रूम विथ रिक्यूयर्ड एमेनिटीज इन एसटीएलआई - डीएचओ एंड बीएलएनआर-यूडीएमआर सेक्शनस अंडर एडीईएन / ग्वालियर।

अनुमानित लागत रू.: 21945272.86 | अमानत राशि : 259700.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 21/01/2026 at 15:00 hrs., • निविदा दिनांक 21/01/2026 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 2517/25 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी.-एन-2025-202

कार्य का नामः झाँसी डिवीजनः इम्प्रूवमेंट ऑफ़ स्टाफ क्वार्टर एंड अदर एमेनिटीज एट स्टाफ क्वार्टर एट स्टेशन रेलवे कालोनी इन वीरांगना लक्ष्मीबाई-सिंथोली सेक्शन अंडर एडीईएन/लाइन/झाँसी।

अनुमानित लागतः ₹ 21809497.39 | अमानत राशिः ₹ 259100.00

निविदा बन्द होने की तिथिः 26.01.2026 at 15.00 hrs., स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 12 माह।

• निविदा दिनांक 26.01.2026 को 15.00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे।
• पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 2518/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.- JHS/Comm/e-Auction/25/139 दिनांक- 26.12.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य) झाँसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-

श्रेणीः पार्सल | केटलॉग संख्याः JHS-LEASING-53

एसेट्स डिटेल्सः 1. ट्रेन संख्या- 12198 में 02 एसएलआर-एफ-I & एफ-II, 2. ट्रेन संख्या- 12049 में 01 एसएलआर-एफ-I, 3. ट्रेन संख्या- 12279 में 01 एसएलआर-एफ-I, 4. ट्रेन संख्या- 22198 में 01 एसएलआर-एफ-I, 5. ट्रेन संख्या- 22195 में 01 एसएलआर-एफ-I, 6. ट्रेन संख्या- 11107 में 02 एसएलआर-आर-I & एफ-I, 7. ट्रेन संख्या- 22547 में 01 एसएलआर-एफ-I

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समयः दिनांक 06.01.2026 को समय- 11.00 से

ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समयः दिनांक 06.01.2026 को समय- 12.50 बजे तक

नोटः- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट- www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 2510/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पश्चिम मध्य रेल

इंजीनियरिंग विभाग-खुली निविदा

निम्न लिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। क्र. सं.-01-निविदा सूचना क्रमांक-डीआरएम-डब्ल्यू-जे.बी.पी. 208-2025 दि. 22.12.2025, कार्य का नाम लोकेशन सहित-सहायक मंडल अभियंता नरसिंहपुर उप-मंडल के अंतर्गत भिटोनी डिपो में रेलवे के ट्रैक गिट्टी आईएस/आरडीएसओ-जीई/0001:2023 विनिर्देशन के अनुसार 65 एम.एम. मशीन क्रश हार्ड और ड्यूरेबल ट्रैक स्टोन गिट्टी की आपूर्ति, स्टैकिंग और लोडिंग, जिसमें सभी लीड, लिफ्ट, कर, रॉयल्टी, शुल्क आदि शामिल हैं। कार्य का अनुमानित मूल्य रुपए-7,51,88,400/-, बयाना राशि रुपए-5,26,000/-, समापन अवधि-14 माह, क्र. सं.-02-निविदा सूचना क्रमांक-डीआरएम-डब्ल्यू-जे.बी.पी. 209-2025 दि. 23.12.2025, कार्य का नाम लोकेशन सहित-वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर) जबलपुर के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कटनी-मानिकपुर और सतना- रीवा खंड में ठेकेदार की पीक्यूआरएस द्वारा एवं अनिवार्य बिंदुओं पर मैन्युअली सीटीआर 18.90 किमी और टीएसआर 33.35 किमी (कुल 52.25 किमी) का कार्य। कार्य का अनुमानित मूल्य रुपए-9,85,54,426/-, बयाना राशि रुपए-6,42,800/-, समापन अवधि-12माह, क्र. सं.-03-निविदा सूचना क्रमांक-डीआरएम डब्ल्यू-जे.बी.पी. 210-2025 दि. 24.12.2025, कार्य का नाम लोकेशन सहित-सहायक मंडल अभियंता (दक्षिण) सतना उप-मंडल के अंतर्गत पटवारा, झुकेही, पकरिया रोड, अमदरा, मेहगांव, ननवारा और लाल नगर रेलवे कॉलोनी में स्टाफ क्वार्टर की मरम्मत का कार्य। कार्य का अनुमानित मूल्य रुपए-85,00,323/-, बयाना राशि रुपए-1,70,000/-, समापन अवधि-12 माह, क्र. सं.-04-निविदा सूचना क्रमांक-डीआरएम-डब्ल्यू-जे.बी.पी. 211-2025 दि. 24.12.2025, कार्य का नाम लोकेशन सहित-वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर) जबलपुर क्षेत्राधिकार के अंतर्गत दो विविध कार्य भाग 1:- सहायक मंडल अभियंता (उत्तर) सतना उप-मंडल के अंतर्गत रीवा में ड्यूटी रूम, स्टोर रूम, शौचालय, महिला परिवर्तन कक्ष आदि की सुविधा के साथ सब / स्टेशन का पुनर्वास- नवीनीकरण । भाग 2:- सहायक मंडल अभियंता (दक्षिण) सतना उप-मंडल के अंतर्गत मैहर स्टेशन पर शौचालय सहित इलेक्ट्रिक सबस्टेशन- पैनल भवन का निर्माण। कार्य का अनुमानित मूल्य रुपए-1,29,73,665/-, बयाना राशि रुपए-2,14,900/-, समापन अवधि-12माह, क्र. सं.-05-निविदा सूचना क्रमांक-डी आर एम-डब्ल्यू-जे.बी.पी. 212-2025 दि. 24.12.2025, कार्य का नाम लोकेशन सहित-मंडल अभियंता (मुख्यालय) /जबलपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत चार विविध कार्य- भाग-1 : सहायक मंडल अभियंता (मुख्यालय) जबलपुर के अंतर्गत नए महाप्रबंधक भवन, जबलपुर की तीसरी मंजिल पर विद्युत विभाग (पीसीईई कार्यालय) के मरम्मत/पुनर्निर्माण का कार्य। भाग-2 : सहायक मंडल अभियंता (मुख्यालय) जबलपुर के अंतर्गत पूर्व हाउबाग (Howbag)/एन.जी. रेलवे स्टेशन में रेलवे की भूमि की सफाई एवं समतलीकरण का कार्य, चारदीवारी/फेंसिंग सहित, ताकि अतिक्रमण रोका जा सके एवं भूमि का रेलवे उपयोग हेतु संरक्षण किया जा सके। भाग-3 : सहायक मंडल अभियंता (मुख्यालय) जबलपुर के अंतर्गत महाप्रबंधक भवन, जबलपुर स्थित मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल की मरम्मत का कार्य । भाग-4 : सहायक मंडल अभियंता (मुख्यालय) जबलपुर के अंतर्गत महाप्रबंधक कोर भवन, जबलपुर स्थित चिकित्सा विभाग मुख्यालय कार्यालय की मरम्मत/पुनर्निर्माण का कार्य । कार्य का अनुमानित मूल्य रुपए-95,21,600/-, बयाना राशि रुपए-1,90,400/-, समापन अवधि-12 माह, उपरोक्त सभी निविदाओं के प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय : 15.00 बजे तक-16.01.2026 है। उपरोक्त सभी निविदाओं के खुलने की तिथि एवं समय 15.15 बजे-16.01.2026। उपरोक्त ई- निविदा सूचना की संपूर्ण जानकारी बेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

(हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

तेज रफ्तार कार सवार ने कार सहित बाइक सवार को मारी टक्कर

साईं मंदिर के पास हुआ हादसा, चालक की लापरवाही आई सामने

जागरण, रीवा। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत साई मंदिर के समीप उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक तेज रफ्तार कार के चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़ी कार और बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार युवक को गंभीर चोट पहुंची और कार की टक्कर से उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। बताया गया कि कार ड्राइवर ने लापरवाही पूर्वक कार दौड़ाते हुए एक खड़ी कार सहित तीन बाइक सवारों को टक्कर मार दी। बीच बाजार हुई टक्कर से बाइक सवार युवक का पैर फ्रैक्चर हो गया जिसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी दी गई कि कार चालक कार चलाना सीख रहा था तभी ब्रेक की जगह उसका पैर एक्सीलेटर में दब गया, जिससे कार ने तेज रफ्तार के साथ कार और बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने कार चालक को पकड़ लिया और सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने कार चालक की पहचान लल्लू राम कुशवाहा के रूप में की है। कार चालक ने बताया कि वह कार लेकर जा रहा था, तभी अचानक से ब्रेक की जगह उसके पैर से एक्सीलेटर दब गया और सामने से गुजर रहे बाइक सवार कार की चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि कार का चालक नया था जिसके पास ड्राइविंग लाइसेंस तक मौके पर नहीं मिला है। घटना के बाद घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया वहीं पुलिस चालक को अपने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में लगी हुई है।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

कार्यालय, अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

संशोधन

विज्ञापन क्रमांक **म.प्र. माध्यम/123626/2025** द्वारा विभिन्न समाचार-पत्रों में फार्मेसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रकाशित काउंसलिंग कार्यक्रम में पंजीयन करने की सुविधा को निम्नानुसार पढ़ा जावे :-

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	दिनांक 24.12.2025 से 31.12.2025 तक (31.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक)

- पंजीकृत अभ्यर्थी पूर्व में जारी समय-सारणी अनुसार प्रवेश के अवसर की दिनांक/समय को प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- शेष विज्ञापन यथावत रहेगा।
- अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, मध्यप्रदेश भोपाल आवश्यकतानुसार समय-सारणी में परिवर्तन कर सकेंगे, जिसकी जानकारी वेबसाइट dte.mponline.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।

संपर्क :- 0755-6720205, 2660441, ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/123702/2025

कांग्रेस में भारी पड़ रही पॉवर दिखाने की प्रथा

टैलेंट हंट के लिए नियुक्तियों पर विवाद, मुकेश नायक ने इस्तीफा दिया, तो जीतू ने अस्वीकारा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में पॉवर दिखाने की प्रथा ने उसकी एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदेश में जब भी एकता बनाने बड़ी बैठकें होती है, तभी कोई न कोई ऐसा घटनाक्रम सामने आ जाता है, जो पार्टी के संगठनात्मक ढांचे पर ही सवाल खड़ा कर देता है। जानकार प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक के इस्तीफे की पेशकश को इसी रूप में देख रहा है। दरअसल कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने शनिवार को यह कहते हुए अपने पद से इस्तीफा पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को भेज दिया कि युवाओं को मौका दिया जाए। इसके उपरांत पटवारी ने उनका इस्तीफा अस्वीकार कर दिया। लेकिन इस घटनाक्रम ने कई तरह की बातों को हवा दे दी। कांग्रेस की राजनीति पर नब्ज रखने वालों का कहना है कि पूर्व मंत्री मुकेश नायक का इस इस्तीफे के पीछे टैलेंट हंट के लिए की गई नियुक्तियां है। बताया गया है कि प्रदेश में प्रवक्ताओं की नियुक्तियां टेलेंट हंट के जरिए करने के लिए 9 दिसंबर को कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले ने 11 सदस्यीय कमेटी गठित की थी। इस सूची में मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक का नाम

ही नहीं था और कम्युनिकेशन और मीडिया विभाग के प्रभारी अभय तिवारी इस लिस्ट में अध्यक्ष बनाया दिया गया। इसके बाद 23 दिसंबर मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने भी दूसरी सूची जारी की। इसमें अभय तिवारी को संयोजक और विधायक आरिफ मसूद को सह संयोजक बनाया था। नायक ने टैलेंट हंट के लिए नेताओं को कलस्टर वार जिम्मेदारियां दी थीं।बताया गया है कि मुकेश नायक की इस लिस्ट पर 26 दिसंबर को अभय तिवारी ने पत्र जारी कर आपत्ति जताई। इसके एक दिन बाद ही 27 दिसंबर को मुकेश नायक ने इस्तीफा दे दिया। नायक ने इस्तीफे में लिखा नए लोगों के लिए जगह खाली करना चाहिए, दो वर्ष एक बेहद मेहनती ईमानदार, सक्षम अध्यक्ष के साथ काम करने का अनुभव अच्छा रहा। मेरी अनन्य शुभकामनाएं। हालांकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नायक के इस्तीफे को सिरे से खारिज कर दिया। बताया गया है कि दोनों नेताओं के बीच चर्चा भी हुई है,जिसमें नायक ने अपने मन की बात से पटवारी को अवगत कराते हुए साफ कहा है कि उनकी वरिष्ठता का ध्यान नहीं दिया जाएगा,तो उनके पद पर रहने का कोई औचित्य नहीं है। इस पर पटवारी नायक को संतुष्ट करते हुए उनसे अपना दायित्व निभाते रहने को कहा है। जानकारों का कहना है कि कम्युनिकेशन प्रभारी अभय तिवारी ने मुकेश नायक के आदेश को निरस्त कर दिया था। इसके पीछे उनका तर्क था कि टैलेंट हंट कार्यक्रम किसी विभाग के अंतर्गत नहीं है। ऐसे में मुकेश नायक को नियुक्ति करने का हक नहीं है। अगर दोनों नेताओं पर नजर डाले तो राजनीति में अभय तिवारी मुकेश नायक से बहुत जूनियर हैं। नायक मंत्री रहे हैं, जबकि तिवारी आईटी जानकार है, उन्होंने अब तक कोई चुनाव भी नहीं लड़ा है। लेकिन तिवारी ने नायक द्वारा की गई नियुक्तियों पर एतराज जता दिया। सूत्रों की मानें तो यही बात नायक को खटक गई और उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

यह पहला मामला नहीं

दरअसल प्रदेश कांग्रेस में इस तरह का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संगठन मंत्रियों की नियुक्ति की थी, जिस पर प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने एतराज जताया था और उन सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया था। हालांकि बाद में पटवारी ने अपनी साख बचाने के लिए संगठन मंत्री बनाए गए कार्यकर्ताओं को जिलों का कार्यालय प्रभारी बना दिया गया । इस घटनाक्रम पर भी जमकर चर्चा हुई थी और इसे नेताओं में पॉवर दिखाने के तरीके से जोड़ा गया था। जानकारों का कहना है कि मुकेश नायक और अभय तिवारी के मामला भी कुछ ऐसा ही है। दरअसल अभय तिवारी पीसीसी चीफ पटवारी के करीबी माने जाते है,ऐसे में उन्होंने एक संदेश देकर यह जता दिया कि उनके बिना मर्जी के किसी भी तरह की नियुक्तियां नहीं की जाएगी,तो प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने अपना इस्तीफा देकर यह संदेश दे दिया कि पार्टी में किसी भी जूनियर की मनमानी नहीं चलने दी जाएगी।

एसआईआर : 22 जनवरी तक मतदाता दाखिल कर सकेंगे आपत्ति

ड्राफ्ट प्रकाशित, पर नो मैपिंग वाले मतदाताओं तक नहीं पहुंचे नोटिस

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में 23 दिसंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही नो मैपिंग वाले 1 लाख 16 हजार 925 मतदाताओं को नोटिस भेजने का काम शुरू किया जाना था, लेकिन 6 दिन बीतने के बाद नोटिस तामील कराने का काम शुरू नहीं हो सका है। जबकि नोटिस तामील होने के सात दिन बाद तक मतदाता एईआरओ के समक्ष दावे आपत्ति दाखिल कर सकेंगे।

जबकि इन दावे-आपत्तियों पर सुनवाई 14 फरवरी तक ही होगी। दावा-आपत्ति दाखिल करने की अंतिम तारीख भी 22 जनवरी तय की गई है, लेकिन समय निकलने के बाद भी नोटिस की तामीली में ढिलाई बरती जा रही है। इस मामले में जिला निर्वाचन कार्यालय का कहना है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नोटिस का प्रोफार्मा तय न होने से नोटिस तैयार नहीं हो सके हैं। नोटिस तैयार होने के बाद ही इनकी तामीली हो सकेगी। ऐसे में माना जा रहा है कि सोमवार से नो मैपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस मिलना शुरू हो जाएंगे। इधर बीएलओ केवल 22 जनवरी तक ही पोलिंग बूथ पर बैठेंगे। ऐसे में नई मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फार्म 6, नाम, मोबाइल नंबर सहित अन्य संशोधन के लिए फार्म 8 और नाम कटवाने के लिए फार्म 7 भरने का काम 22 जनवरी तक ही किया जा सकेगा। नो मैपिंग वाले मतदाता भी 22 जनवरी तक ही अपने दावे-आपत्ति दाखिल कर सकेंगे। जबकि इन पर सुनवाई 14 फरवरी तक चलेगी।

इन तीन श्रेणियों में जारी होंगे नोटिस

- **यदि नागरिक का जन्म 1 जुलाई 1987 से पहले हुआ हो :** ऐसे मतदाताओं को निर्वाचन आयोग द्वारा बताए दस्तावेजों के अनुसार जन्मतिथि व जन्मस्थान की जानकारी की पुष्टि करवानी होगी।
- **यदि नागरिक का जन्म 1 जुलाई 1987 से 2 फरवरी 2004 के बीच हुआ हो :** ऐसे मतदाताओं को निर्वाचन आयोग द्वारा बताए दस्तावेजों के अनुसार जन्मतिथि व जन्मस्थान की जानकारी की पुष्टि करवानी होगी। साथ ही माता या पिता में से किसी एक की की जन्मतिथि और जन्मस्थान को प्रमाणित करने के दस्तावेज देने होंगे।
- **यदि नागरिक का जन्म 2 फरवरी 2004 के बाद हुआ हो:** ऐसे मतदाताओं को निर्वाचन आयोग द्वारा बताए दस्तावेजों के अनुसार जन्मतिथि व जन्मस्थान की जानकारी की पुष्टि करवानी होगी। साथ ही माता और पिता दोनों की जन्मतिथि और जन्मस्थान को प्रमाणित करने के दस्तावेज देने होंगे। माता पिता में से यदि कोई भी भारतीय नहीं हो तो जन्म के समय उनके वैध पासपोर्ट और वीजा की एक प्रति देना होगी।

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने ये दस्तावेज जरूरी

1. केंद्र सरकार, राज्य सरकार या किसी सार्वजनिक उपक्रम के नियमित कर्मचारी या पेंशनर को जारी किया गया पहचान पत्र
2. पेंशन भुगतान आदेश
3. भारत में किसी सरकारी संस्था, स्थानीय निकाय, बैंक, डाकघर, एलआईसी या सार्वजनिक उपक्रम द्वारा 1 जुलाई 1987 से पूर्व जारी पहचान पत्र या प्रमाण-पत्र या दस्तावेज
4. जन्म प्रमाण-पत्र
5. पासपोर्ट
6. मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिक या शैक्षणिक प्रमाण-पत्र
7. स्थायी निवास प्रमाण-पत्र
8. वन अधिकार प्रमाण-पत्र
9. ओबीसी / एससी / एसटी या अन्य जाति प्रमाण-पत्र।
11. सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण-पत्र

एसआईआर कार्यक्रम का आगे का शेड्यूल

दावे आपत्ति दाखिल करने की अवधि	23.12.2025 से 22.01.2026
सुनवाई और सत्यापन	23.12.2025 से 14.02.2026
मतदाता सूची की जाच, अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति प्राप्त करना	17.02.2026
मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन	21.02.2026

वार्ड कार्यालयों में दो घंटे होगी सुनवाई

निगम के 89 इंजीनियरों व नायब तहसीलदार को एईआरओ की जिम्मेदारी दी गई है। यह अफसर रोजाना दो घंटे तक वार्ड कार्यालयों और तहसील दफ्तरों में सुनवाई करेंगे। रोजाना 50 मतदाताओं की दावों पर सुनवाई की जाएगी। दस्तावेजों की जांच के बाद इनके नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे।

विधानसभा	तामील होने वाले नोटिस
बैरसिया	2134
उत्तर	10080
नरेला	23790
दक्षिण पश्चिम	16596
मध्य	10088
गोविंदपुरा	30188
हुजूर	24049

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर लगेगी रासुका

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राच्य शासन ने पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका), के तहत जिला दंडाधिकारियों (कलेक्टर्स) को विशेष शक्तियां सौंपी हैं। गृह विभाग द्वारा जारी अदिसूचना के अनुसार राच्य सरकार को ऐसी रिपोर्ट मिली है कि कुछ ऐसे असामाजिक तत्व सक्रिय हैं जो सांप्रदायिक एकता के लिए परेशानी पैदा कर सकते हैं। इसे देखते हुए सरकार ने एहतियाती कदम उठाते हुए जिला कलेक्टरों को 1 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक इन शक्तियों के उपयोग का अधिकार दिया है। नोटिफिकेशन के अनुसार संबंधित कलेक्टर अपने जिले की सीमा के भीतर किसी भी संदिग्ध या कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले व्यक्ति के खिलाफ रासुका के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर सकेंगे। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3 की उपधारा (3) के तहत लिया गया है। आदेश जारी होने के बाद अब सभी जिलों के कलेक्टर्स असामाजिक तत्वों और सौहार्द बिगाड़ने वालों को तुरंत हिरासत में लेने के आदेश दे सकेंगे।

कलेक्टरों को मिले अधिकार

अब जनगणना में जुटेगा सरकारी अमला रतलाम, सिवनी और ग्वालियर में प्री टेस्ट

31 दिसंबर को फ्रीज हो जाएगी प्रदेश की प्रशासनिक सीमा, आजादी के बाद पहली बार जातीय गिनती भी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मप्र के प्रशासनिक अमले को नए साल में एक नई जिम्मेदारी भी मिल जाएगी। जिला प्रशासन के साथ अधिकांश विभाग अब तक चुनाव आयोग के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में जुटे थे। नए साल में जनगणना भी शुरू होगी। इसके लिए प्रदेश सरकार के गृह विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है। गृह विभाग ने अब सभी जिलों के कलेक्टरों को देश के सबसे महत्वपूर्ण डाटा संकलन अभियान जनगणना के लिए तैयार रहने को कहा है। जनगणना दो चरणों में होगी। 2026 में अप्रैल से सितंबर तक घर, खेत, खलिहान, गौशाला, दुकान आदि की जानकारी जुटाई जाएगी। इसके बाद फरवरी 2027 में जनगणना का दूसरा चरण होगा जिसमें देश के नागरिकों की गिनती के साथ ही उनकी लिंग, आयु, शैक्षणिक योग्यता, मातृभाषा. वैवाहिक स्थिति, आर्थिक स्थिति, प्रवास और दिव्यांगता आदि की जानकारी ली जाएगी। जनगणना के संचालन के लिए गृह विभाग ने अधिकारियों की तैनाती के साथ-साथ इसमें बाधा डालने वालों के लिए भी सख्त प्रावधान किए गए हैं। जनगणना के लिए संभागीय आयुक्त को संभागीय जनगणना अधिकारी और कलेक्टर को जिले का मुख्य जनगणना अधिकारी बनाया गया है। इसके बाद अपर कलेक्टर स्तर के अधिकारी जिला जनगणना अधिकारी होंगे। इसके साथ ही नगर निगम के कमिश्नर, अपर आयुक्त, उपायुक्त, नगर पालिका और नगर परिषद के सीएमओ, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ, कैंट बोर्ड के सीईओ भी जनगणना अधिकारी होंगे, जो अपने एरिया की जनगणना के लिए जिम्मेदार होंगे। जनगणना के दौरान अगर कोई बाधा बनता है तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

नए जिले, तहसील का नहीं होगा गठन, सीमाओं में भी बदलाव नहीं

अधिसूचना के अनुसार प्रदेश की प्रशासनिक सीमा फ्रीज होने के बाद अप्रैल 2027 में जनगणना पूरी होने तक न तो कोई नया जिला बन सकेगा और न ही तहसील, थाने आदि की सीमाओं में बदलाव हो सकेगा। सीमा फ्रीज होने के बाद इसकी आधिकारिक जानकारी जनगणना निदेशालय और केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी जाएगी। एमपी में जनगणना के पहले तीन जिलों रतलाम, ग्वालियर और सिवनी में प्री टेस्ट किया जा चुका है। यह 10 नवंबर से शुरू हुआ था। जनगणना की शुचिता बनाए रखने के लिए 31 दिसंबर से प्रदेश की प्रशासनिक सीमाओं को फ्रीज कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि आजादी के बाद पहली बार होने जा रही इस जातीय जनगणना के लिए खास तैयारी की गई है।

आखिर मांसाहारी स्नैक्स की सप्लाई क्यों: भूपेन्द्र

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने कुटीर उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मांसाहारी स्नैक्स सप्लाई करने पर आपत्ती उठाई है। गुप्ता ने कहा कि इसी सरकार ने फैसला लिया था कि शासकीय आयोजन में मांसाहार प्रदाय नहीं किया जाएगा । विदेशी मेहमानों को ही मांग के आधार पर सामिष भोज शासकीय कार्यक्रमों में शामिल किया जा सकता है। लेकिन 2 वर्ष की उपलब्धियां गिनाने के लिए सबसे कम बजट वाले विभाग के इस आयोजन में सबसे महंगा नाश्ता खिलाकर विभाग ने स्वयं ही नियमों की धज्जियां उड़ा दी है।कई महिला पत्रकारों ने कीमा वडा पाव और फिश कटलेट को खाने के बाद हंगामा किया । कई अपने धरम भ्रष्ट होने की दुहाई देते रहे। गुप्ता ने कहा कि इससे सरकार की किरकिरी हुई है और मांग की कि सरकार स्पष्ट करे कि मांसाहारी भोज के संबंध में सरकार की नीति क्या है? तथा इस लापरवाही के लिए कौन लोग जिम्मेदार हैं।

बोर्ड परीक्षा के दौरान शिक्षकों को नहीं मिलेगी छुट्टी, सरकार ने लगाया एस्मा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं से जुड़े शिक्षक और मंडल कर्मचारी अब परीक्षा कार्य से इंकार नहीं कर सकेंगे। राज्य सरकार ने बोर्ड परीक्षा से संबंधित सेवाओं को आवश्यक सेवा घोषित कर दिया है। इस संबंध में गृह विभाग ने आदेश जारी कर एस्मा लागू किया है। आदेश के मुताबिक मध्यप्रदेश अत्यावश्यक सेवाएं संधारण तथा विवाद निवारण अधिनियम (एस्मा) के तहत यह निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत बोर्ड परीक्षाओं से जुड़े सभी कार्य परीक्षा संचालन, पर्यवेक्षण, उत्तरपुस्तिकाओं का प्रबंधन, मूल्यांकन सहित अन्य जिम्मेदारियां अनिवार्य होंगी। निर्धारित अवधि में इन कार्यों से इंकार नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने यह व्यवस्था एक फरवरी 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक लागू की है। इस दौरान माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबद्ध शिक्षक व कर्मचारी परीक्षा ड्यूटी से बच नहीं सकेंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अत्यावश्यक सेवा घोषित होने के बाद कार्य में बाधा डालना या ड्यूटी से मना करना कानून के उल्लंघन की श्रेणी में आएगा। दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के दौरान शिक्षकों को छुट्टी नहीं मिलेगी। यहां तक धरना-प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को कार्रवाई तक से गुजरना होगा। एमपी सरकार ने बोर्ड परीक्षाओं के दौरान एस्मा एक्ट लागू कर दिया है। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं बोर्ड की परीक्षाएं आगामी सात फरवरी से पांच मार्च तक चलेंगी। दोनों परीक्षाओं में 18 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड परीक्षाओं को लेकर शासन ने एसेंशियल सर्विस एंड मेंटेनेंस (एस्मा) लगाने का आदेश जारी कर दिया है। ऐसे में शिक्षक सामान्य के साथ संतान पालन अवकाश (सीसीएलई) के लिए अवकाश नहीं ले पाएंगे। परीक्षा के दौरान शिक्षकों को किसी भी तरह के आंदोलन या धरना-प्रदर्शन की भी अनुमति नहीं होगी। मप्र बोर्ड की परीक्षा अति आवश्यक सेवा घोषित की गई है।

बांधवगढ़ से रेस्क्यू बाघिन टाइगर रिजर्व में ट्रांसलोकेट

जागरण संवाददाता, भोपाल। माधव टाइगर रिजर्व में चल रहे बाघ पुनर्वास कार्यक्रम के तहत एक बाघिन को शनिवार को बांधवबढ़ से रेस्क्यू कर माधव टाइगर रिजर्व के खुले जंगलों में छोड़ गया। इस बाघिन को 26 दिसंबर को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से रेस्क्यू किया गया था, जिसे बाद में माधव टाइगर रिजर्व में छोड़ने का फैसला किया गया। इसके पहले भी सीएम डॉ. मोहन यादव ने माधव टाइगर रिजर्व के उद्घाटन के दौरान एक बाघिन को टाइगर रिजर्व में छोड़ा था। प्रदेश में लगातार बाघों की बढ़ती संख्या के बीच इन्हें विभिन्न टाइगर रिजर्व में ट्रांसलोकेट करने का काम किया जा रहा है। इसी सिलसिले में माधव टाइगर रिजर्व में भी बाघों की आबादी बढ़ाने की तैयारी की जा रही है।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को मिली बच्चे को जन्म देने की अनुमति

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की इच्छा का सम्मान करते हुए बच्चे को जन्म देने की अनुमति प्रदान कर दी। कोर्ट ने साफ किया कि पीड़िता की मर्जी के बिना गर्भ समाप्त करने का निर्देश जारी नहीं किया जा सकता। पीड़िता की डिलेवरी का खर्च राच्य शासन द्वारा उठाया जाएगा। डिलीवरी की प्रक्रिया हमीदिया हास्पिटल, भोपाल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम की मौजूदगी में किया जाएगा। दरअसल, पीड़िता नाबालिग के गर्भपात के संबंध में संबंधित जिला न्यायालय ने हाईकोर्ट को एक पत्र भेजा था। जिसकी सुनवाई संज्ञान याचिका के रूप में करते हुए कोर्ट ने पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। मेडिकल बोर्ड की ओर से पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया कि पीड़ित की उम्र 16 साल सात माह है और गर्भावधि 29 सप्ताह एक दिन है। गर्भावधि प्रसव की सीमा के अंतर्गत आती है। पीड़िता को गर्भपात कराने व न करवाने की जानकारी दी गई। पीड़िता ने अपने बयान में साफ किया कि गर्भपात नहीं कराना चाहती। उसने अपनी मर्जी से शादी की है। इसलिए बच्चे को जन्म देना चाहती है। माता-पिता साथ नहीं रखना चाहते। उनका कहना है कि अपनी मर्जी से शादी की है, इसलिए हमसे कोई संबंध नहीं रह गया।

एमपीपीएससी : पद भरने वालों के ही पद खाली, कार्यालयों में नहीं बचा कैडर

खाली पदों से बिगड़े सभी विभागों के हालत

विकास कुमार जैन, भोपाल। प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में कर्मचारी और अधिकारियों की कुर्सियां सूनी पड़ी हुई हैं। इसके दो मुख्य कारण हैं। पहला पदों पर पदोन्नति नहीं होना और दूसरा प्रदेश में मंडराता आर्थिक संकट। पदोन्नति नहीं होने से नियुक्ति स्तर के पदों पर पदस्थ अधिकारी ऊपर नहीं बढ़ रहे हैं। इससे निचले स्तर के पद खाली ही नहीं हो रहे हैं। वहीं ऊपरी पदों पर तेजी से अधिकारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मध्यक्रम की स्थिति बिगड़ने से प्रशासनिक ढांचा भी लड़खड़ा रहा है। इसलिए शासन को पदोन्नति का रास्ता खोलते हुए नियुक्ति स्तर के पदों रिक्त कर भर्ती करना होगी। यही कारण है कि नियुक्ति स्तर पर अधिकारियों को पदोन्नति नहीं मिलने से विभाग नियुक्ति के लिए मप्र

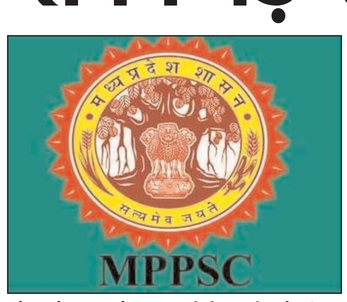

लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) के लिए नियुक्ति करने के लिए डिमांड तक नही भेज पा रहा है। प्रदेश के 21 विभागों में करीब 40 तरह के पदों पर 100 से 250 भर्ती कराने के लिए एमपीपीएससी को डिमांड भेजी जा रही है। पूर्व में कम पदों पर भर्ती होने पर युवाओं द्वारा शासन और एमपीपीएससी में विरोध प्रदर्शन तक हो चुके हैं।

विभाग का नाम	पदनाम
सामान्य प्रशासन विभाग	राज्य प्रशासनिक सेवा उप जिलाध्यक्ष
गृह (पुलिस) विभाग	राज्य पुलिस सेवा उप पुलिस अधीक्षक (जीडी), जिला
सेनानी, नगर सेना	
वित्त विभाग	राज्य वित्त सेवा (कनिष्ठ वेतनमान कोषालय अधिकारी/लेखाधिकारी/सहायक संचालक) सहायक संचालक स्थानीय निधि संपरीक्षा मध्य प्रदेश अधीनस्थ
लेखा सेवा	
वाणिज्यिक कर विभाग	वाणिज्यिक कर अधिकारी, वाणिज्यिक कर निरीक्षक जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी उप निरीक्षक जिला पंजीयक, उप पंजीयक
सहकारिता विभाग	सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक सहकारी सोसायटी, सहकारिता निरीक्षक/सहकारिता विस्तार अधिकारी
श्रम विभाग	श्रम पदाधिकारी (मुख्य निरीक्षक मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम) सहायक श्रम अधिकारी
नगरीय विकास एवं पर्यावरण विभाग	मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रेणी ख, सहायक संचालक मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रेणी ग
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग	मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत/अतिरिक्त सहायक विकास आयुक्त, विकास खण्ड अधिकारी
जनसम्पर्क विभाग	सहायक संचालक
जनजातीय कार्य विभाग	जिला संयोजक, क्षेत्र संयोजक
खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण वि.	सहायक संचालक खाद्य/जिला, सिविल आपूर्ति अधिकारी
पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग	सहायक संचालक (प्रशासन)
राजस्व विभाग	नायब तहसीलदार, सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख
स्कूल शिक्षा विभाग	सहायक संचालक
लोक सेवा आयोग	कनिष्ट लेखा अधिकारी
सूक्ष्म लघु और माध्यम उघम विभाग	सहायक उद्यम उद्योग/प्रबंधक
जेल विभाग	अधीक्षक जिला जेल
परिवहन विभाग	परिवहन उप निरीक्षक सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी
वन विभाग	सहायक वन संरक्षक, वन क्षेत्रपाल

उच्च शिक्षा विभाग का प्रयोग अजमाए शासन

प्रदेश में एक दर्जन विश्वविद्यालय हैं। उक्त विवि में एक भी कुलसचिव पदस्थ नहीं हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने वरिष्ठ उप कुलसचिव को कुलसचिव का प्रभार दे रखा है। इससे विभाग पर कोई वित्त भार भी नहीं आया और कुलसचिव का कार्यालय भी संचालित हो रहा है। इसी प्रकार कालेजों में भी सीनियर प्रोफेसर को प्राचार्य का प्रभार दिया गया है। अन्य विभाग भी कैबिनेट में प्रस्ताव भेज अधिकारियों को विभागीय प्रभारी नियुक्त कर सकते हैं। इससे शासन पर कोई अतिरिक्त भार भी नहीं आएगा और नियुक्ति स्तर के पद रिक्त हो जाएंगे। हाईकोर्ट में लंबित पदोन्नति के प्रकरण के निर्णय के बाद शासन प्रभारियों को उनके पदों पर नियुक्ति आदेश जारी कर वेतन की व्यवस्था कर सकते हैं। विभाग प्रावधिक पदोन्नति देते हैं, तो प्रदेश में ढाई से तीन हजार रिक्त पद भर्ती करने के लिए सामने आ जाएंगे।

ऐसे बिगड़ी व्यवस्था

एमपीपीएससी में लगातार अधिकारी-कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। परीक्षाओं का कार्यक्रम बिगड़ रहे हैं। यहां तक नये इंटरव्यू बोर्ड का गठन नहीं होने से उम्मीदवारों के इंटरव्यू नहीं हो रहे हैं। इससे परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर भी गड़बड़ाया है। एमपीपीएससी ने महज दस परीक्षाओं का कार्यक्रम ही जारी कर सकता है। एमपीपीएससी में सालाना चार से पांच अधिकारी, कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, लेकिन नई भर्ती नहीं हो पा रही है। वर्तमान में एमपीपीएससी में मुख्य दों में परीक्षा कंट्रोलर के दो में से एक पद रिक्त है। इसके अलावा अवर सचिव और कार्यालय अधीक्षक के तीन-तीन पद सूने बने हुए हैं।

बोर्ड की मौजूदा स्थिति

एमपीपीएससी में पांच बोर्ड होते हैं। इसमें सचिव, सामान्य, ओबीसी एससी और एसटी शामिल हैं। मौजूदा स्थिति में ओबीसी और एससी का बोर्ड रिक्त बना हुआ है। सचिव पर आईएएस, सामान्य बोर्ड में डॉ. कृष्णकांत शर्मा और एसटी में नरेंद्र कुमार कोष्ठी बने हुए हैं। डॉ शर्मा का कार्यकाल दिसंबर 2026 तक हैं, लेकिन वे मार्च में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इससे सामान्य वर्ग का बोर्ड भी समाप्त हो जाएगा। हालांकि गत दिनों हुई कैबिनेट में ओबीसी बोर्ड मंजूरी दे दी गई है। अगले माह तक एससी बोर्ड में भी नियुक्ति हो जाएगी। मार्च में बोर्ड रिक्त होने के पूर्व में शासन चयन प्रक्रिया शुरु कर देगा।

> "विभागों से रिक्त पदों की डिमांड मांगी गई है। डिमांड के तहत एमपीपीएससी भर्ती करा रहा है। बोर्ड में एक सदस्य के लिए कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। शेष बोर्ड की नियुक्ति भी जल्द कर ली जाएगी।
>
> **■ संजय शुक्ला,** एसीएस, जीएडी

> "प्रावधिक पदोन्नति देकर रिक्त हुए पदों पर नियुक्ति प्रदान करना चहिए। जिसके कारण विभागों का कार्य प्रभावित नहीं होगा और शासन पर वित्तीय भार भी नहीं आएगा।
>
> **■ डॉ. बी भारती** प्रांतीय अध्यक्ष विवि पेंशनर्स अधिकारी संघ

कान्फ्रेंस प्रदेश के दो मंत्रियों ने पिछले दो साल की उपलब्धियां गिनाईं

दो वर्ष में गोवंश नहीं दिखेगा सड़कों पर: पटेल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार में पशुपालन एवं डेयरी विभाग संभाल रहे स्वतंत्र प्रभार के राज्यमंत्री लखन पटेल ने दावा किया है कि अगले दो वर्ष में प्रदेश में एक भी गोवंश सड़कों पर दिखाई नहीं देगा। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी गौ शालाएं स्थापित की जा रही है।पत्रकारों से अपने विभाग की दो साल की उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए पटेल ने स्वीकार किया कि सड़कों पर घूमते गोवंश व दूसरे मवेशी एक चुनौती है,जिसे जनभागीदारी ैर बड़ी गौशालाओं के माध्यम से हल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कड़कनाथ की मांग को पूरा करने की दिशा में विभाग कार्ययोजना बना रहा है। इस संबंध में सवाल आने पर मंत्री और विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने कहा कि हम वेजिटेरियन हैं और कड़कनाथ नहीं खाते,लेकिन इनकी डिमांड के आधार पर आने वाले समय में योजना बनाकर उसे लागू कराने की दिशा में काम किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि गोवंश को लेकर यह प्रचलन सा हो गया कि उनका दूध निकाल उन्हें छोड़ दिया जाता है। इस दिशा में आम जन को भी जागरुक होना पड़ेगा। हालांकि पिछले मौजूदा साल में कम गायों को सड़कों पर पाया गया है। पटेल ने बताया कि हमारी सरकार ने गौवंश के संरक्षण और संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश में निराश्रित पशुओं के लिए नवीन गौशाला नीति बनाई है। गौवंश की संख्या के मामले में मध्यप्रदेश का देश में दूसरा स्थान है। शासन द्वारा निराश्रित गौवंश के व्यवस्थापन के लिए लगभग 2500 से अधिक गौशालाओं में 4 लाख 75 हजार से अधिक निराश्रित गौवंश को आश्रय दिया गया है। राज्य शासन द्वारा गौशालाओं के अनुदान के बजट को 250 करोड प्रति वर्ष से बढ़ाकर 505 करोड़ कर दिया गया है, जिसमे से 369.02 करोड़ की राशि गौशालाओ को वितरित की जा चुकी है। सरकार ने स्वावलंबी गौशालाओं (कामधेनु निवास) की स्थापना नीति 2025 लागू की है।

हस्तशिल्प से बने रोजगार के अवसर: जायसवाल

भोपाल। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा कि पिछले दो वर्षो में नवाचारों ने कुटीर और ग्रामोद्योग क्षेत्रों में प्रदेश को नई पहचान दी है। स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता और रोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं, जिससे पारंपरिक कलाओं को आधुनिकता के साथ जोड़कर राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। मंत्री जायसवाल शनिवार को पत्रकारों से अपने दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को साझा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने खादी और हस्तशिल्प को लगातार प्रोत्साहित किया है। विभाग के नवाचारों ने ग्रामीण अर्थव्यस्था को मजबूत किया है,साथ लोगों को अपने ही गांव मं रोजगार मिल रहा है। एक जिला-एक उत्पाद योजना के तहत जरी-जरजोदी एवं जूट, लकड़ी के खिलौने, बाग प्रिंट, सीधी कारपेट, चंदेरी साड़ी, दतिया गुड़ एवं उज्जैन के बटिक प्रिंट के उत्पादों की ब्रॉण्डिंग एवं विपणन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। योजना के तहत ऋष्ण प्रकरणों कीस्वीकृति में मध्यप्रदेश का देश में चौथा और ऋष्ण वितरण में तृतीय स्थान है।

संक्षिप्त समाचार

चीन का नया विश्व रिकॉर्ड

2 सेकंड में 700 किमी की रफ्तार तक पहुंची ट्रेन

बीजिंग, जेएनएन। चीन ने अल्ट्रा-हाई-स्पीड परिवहन तकनीक में एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नॉलॉजी (एनयूडीटी) के वैज्ञानिकों ने एक टन वजनी सुपरकंडक्टिंग मैग्लेव वाहन को महज दो सेकंड में 0 से 700 किमी/घंटा की रफ्तार तक पहुंचाने में सफलता हासिल की है। चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार, यह दुनिया की अब तक की सबसे तेज सुपरकंडक्टिव इलेक्ट्रिक मैग्लेव ट्रेन है। यह परीक्षण 400 मीटर लंबी मैग्नेटिक लेविटेशन टेस्ट ट्रैक पर किया गया, जहां ट्रेन ने रिकॉर्ड स्पीड हासिल करने के बाद सुरक्षित रूप से रुकने का परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा किया।

टेक्सास में चोरों ने कार से बांधकर एटीएम उखाड़ा

टेक्सास, जेएनएन। टेक्सास में क्रिसमस ईव की सुबह दो नकाबपोश चोरों ने एक कन्विनियंस स्टोर से एटीएम मशीन चुराने की कोशिश की। सुबह करीब साढ़े तीन बजे, दोनों संदिग्ध एक चोरी की हुई काली एसयूवी गाड़ी में 7-इलेवन स्टोर पहुंचे। एक संदिग्ध स्टोर का शीशा तोड़कर अंदर घुसा। उसने अंदर जाकर एटीएम पर मेटल केबल बांधा, जबकि दूसरा बाहर गाड़ी में बैठा रहा। पहला चोर मेटल केबल बांधकर बाहर आता है और गाड़ी में बैठे अपने साथी से कार स्टार्ट करने को कहता है। जैसे ही गाड़ी तेजी से आगे बढ़ती है, एटीएम मशीन पूरी दुकान को चीरती हुई बाहर निकल आती है। इससे स्टोर के सामने के दरवाजे, शीशे और अंदर की अलमारियां पूरी तरह तहस-नहस हो गईं, सामान इधर-उधर बिखर गया और काफी नुकसान हुआ।

जापान में भीषण हादसा 67 वाहनों की भिड़ंत

टोक्यो, जेएनएन। जापान में साल के अंत की छुट्टियों के बीच बड़ा सड़क हादसा हुआ। गुनमा प्रांत के कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर बर्फबारी के कारण दो ट्रकों की टक्कर के बाद 67 से ज्यादा वाहन आपस में भिड़ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 26 लोग बताए जा रहे हैं। इनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा टोक्यो से करीब 160 किलोमीटर दूर गुनमा प्रांत के मिनाकामी शहर के पास कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर हुआ।

पड़ोस में हिंदू अल्पसंख्यकों पर थम नहीं रहे हमले, डर के साये में गुजर रहे दिन

हिंदुओं ने ढाका से भेजा एसओएस, बांग्लादेश में अशांति; कृपया हमें बचाएं, सीमाएं खोलें

नागपुर, जेएनएन। दीपूचंद्र दास, अमृत मंडल की भयानक लिंचिंग से टूटे हुए बांग्लादेश में फंसे और सताए हिंदू भारत को एसओएस (हमारी जान बचाओ) भेज रहे हैं, ताकि इस्लामी भीड़ के गुस्से से बचने के लिए सीमाएं खोली जाएं। गुरुवार को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता तारिक रहमान के समर्थन में उमड़ी भीड़ से ये डर और बढ़ गया, जिन्हें कट्टरपंथी माना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार रंगपुर, चटगांव, ढाका व मैमनसिंह में रहने वाले हिंदुओं के बड़े समूह से संपर्क कर निर्वासित बांग्लादेश सनातन जागरण मंच के नेता निहार हलदर की मदद से व्हाट्सएप कॉल पर उनसे बात की गई, जिन पर पूर्व इस्कॉन भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास के साथ देशद्रोह का आरोप है। रंगपुर के 52 वर्षीय निवासी ने बताया, हमें धर्म के लिए अपमान का सामना करना पड़ता है, लेकिन हम बार-बार होने वाले अपमान पर प्रतिक्रिया नहीं कर सकते। सड़क पर चलते समय हमें जो मामूली ताने मिलते हैं, वे जल्द ही भीड़ द्वारा हत्या में बदल सकते हैं। हम फंसे हुए हैं और कोई जगह नहीं है। अपमान सहते हैं, क्योंकि हमें डर है कि हमारा भी वही हाल हो सकता है जो दीपू या अमृत का हुआ। सबसे बड़ी चिंताओं में से एक चुनाव के बाद बीएनपी का सत्ता में आना है, क्योंकि इस पार्टी को अल्पसंख्यकों के लिए दुश्मन माना जाता है। हम बेबस हैं। हम सिर्फ भारत भाग सकते हैं, लेकिन सीमाओं पर निगरानी है। ढाका के एक अन्य हिंदू ने कहा, अगर दीपू दास की लिंचिंग से डर पैदा हुआ है, तो पूर्व राष्ट्रपति खालिदा जिया के बेटे तारिक की बांग्लादेश वापसी से वे और भी चिंतित हैं।

बांग्लादेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन।

लंदन में बांग्लादेश उच्च आयोग के बाहर प्रदर्शन

लंदन। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं, अत्याचारों के खिलाफ लंदन में हिंदुओं ने विरोध दर्ज कराया। लोगों ने सरकार से हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, हिंसा के दोषियों को सजा देने और धार्मिक स्थलों की रक्षा करने की मांग की है।

बांग्लादेश के स्कूल कॉन्सर्ट में भीड़ का हमला

ईंट-पत्थर और कुर्सियां फेंकी स्कूली छात्र समेत 20 घायल

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश के फरीदपुर जिले में शुक्रवार की रात डिस्ट्रिक्ट स्कूल की 185वीं एनिवर्सरी के समापन समारोह के दौरान हिंसा हो गई। यहां मशहूर रॉक सिंगर जेम्स (नागर बाउल) का कॉन्सर्ट होना था, इससे ठीक पहले भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। घटना रात करीब 9.30 बजे हुई, जब जेम्स मंच पर आने वाले थे। आयोजकों के अनुसार, कुछ बाहरी लोग जबरन कार्यक्रम स्थल में घुसने की कोशिश कर रहे थे। रोकने पर उन्होंने ईंट-पत्थर और कुर्सियां फेंकना शुरू कर दिया और मंच की ओर बढ़ने लगे। इसके बाद प्रशासन के निर्देश पर कॉन्सर्ट रद्द कर दिया गया। घटना में 20 लोग घायल हो गए। इनमें ज्यादातर छात्र हैं। मौके पर मौजूद छात्रों और स्वयंसेवकों ने स्थिति संभालने की कोशिश की, जिसके बाद हमलावर पीछे हटे।

ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी स्कूल की स्थापना

कार्यक्रम के प्रचार और मीडिया उप-समिति के संयोजक राजिबुल हसन खान ने कहा, अचानक हमले से सभी हैरान हैं। नहीं पता यह हमला किसने, क्यों किया। जिला स्कूल की स्थापना 1840 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी।

महंगाई, आतंक और अस्थिरता से देश छोड़ रहे लोग

2 साल में 14 लाख पढ़े-लिखे पाकिस्तानियों ने छोड़ा देश

7.27	6.87	70	15000
लाख ने २०२४ में विदेश में काम करने रजिस्ट्रेशन	लाख लोग २०२५ तक देश छोड़ चुके	फीसदी तक कम हो गए काम के मौके	करोड़ का नुकसान २०२४ में इंटरनेट बंद रहने से

2025 में देश छोड़कर गए
- 13000 अकाउंटेंट
- 11000 इंजीनियर
- 5000 डॉक्टर

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान में पिछले 2 साल में 14 लाख पढ़े-लिखे लोगों ने देश छोड़ दिया है। लोग महंगाई, आतंकवाद, कमजोर अर्थव्यवस्था और राजनीतिक अस्थिरता की वजह से देश छोड़ने पर मजबूर हैं। आंकड़ों के मुताबिक इस साल करीब 5,000 डॉक्टर, 11,000 इंजीनियर और 13,000 अकाउंटेंट देश से बाहर चले गए। सबसे ज्यादा असर नर्सिंग सेक्टर पर पड़ा है। ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन एंड ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट के मुताबिक, सिर्फ 2024 में ही लगभग 7.27 लाख पाकिस्तानियों ने विदेश में काम करने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। वहीं नवंबर 2025 तक करीब 6.87 लाख लोग देश छोड़ चुके थे। बीते 2 सालों में कुल मिलाकर 14 लाख से ज्यादा पाकिस्तानी विदेश जा चुके हैं। इस बीच पाकिस्तान आर्मी चीफ आसिम मुनीर का सोशल मीडिया पर मजाक बन रहा है। कुछ महीने पहले आसिम मुनीर ने अमेरिका दौरे पर प्रवासी पाकिस्तानियों को देश की शान बताया था और कहा था कि इसे 'ब्रेन ड्रेन' नहीं बल्कि 'ब्रेन गेन' कहा जाना चाहिए। उनका कहना था कि विदेश में रहने वाले पाकिस्तानी देश के लिए गर्व हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है, नौकरियां कम हैं और जो नौकरियां हैं, उनमें सैलरी बहुत कम। इसके साथ ही राजनीतिक उथल-पुथल और कमजोर प्रशासन ने भी लोगों का भरोसा तोड़ा है। तकनीक के क्षेत्र में करियर के मौके सीमित हैं और रिसर्च के लिए जरूरी पैसा नहीं है। ऐसे में युवा और कुशल लोग विदेश जाना ही बेहतर समझ रहे हैं।

इंटरनेट बंद रहने से 15 हजार करोड़ का नुकसान

डिजिटल समस्याएं भी इस संकट को और गहरा बना रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में इंटरनेट बंद रहने से होने वाले आर्थिक नुकसान के मामले में पाकिस्तान दुनिया में सबसे ऊपर रहा। इससे देश को करीब 1.62 अरब डॉलर (15 हजार करोड़) का नुकसान हुआ। इंटरनेट बार-बार बंद रहने और धीमी सर्विस के कारण फ्रीलांसरों और ऑनलाइन काम करने वालों को भारी दिक्कत हुई। कई लोगों ने बताया कि उनके काम के मौके करीब 70 फीसदी तक कम हो गए। इससे आईटी और डिजिटल सेक्टर में काम करने वाले युवाओं का भी देश से मोहभंग हो गया।

मीडिया ने देश को ब्रेन ड्रेन इकोनॉमी बताया

पाकिस्तान के बड़े अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने देश को 'ब्रेन ड्रेन इकोनॉमी' बताया है, यानी ऐसा देश जो अपने भविष्य बनाने वाले लोगों को ही बाहर भेजकर किसी तरह चल रहा है। विदेशों में बसे पाकिस्तानी अपने परिवार को पैसा भेजते हैं, जिससे देश को कुछ विदेशी करेंगी तो मिलती है, लेकिन इससे लंबे समय में देश को भारी नुकसान होगा, क्योंकि हुनरमंद लोग ही नहीं बचेंगे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता साजिद सिकंदर अली ने कहा कि जब देश में न इंडस्ट्री होंगी, न रिसर्च के लिए पैसा और न ही ढंग की नौकरियां तो हुनरमंद लोगों को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, लोग अपमान या रोक-टोक से नहीं रुकेंगे, बल्कि तभी रुकेंगे जब उन्हें अपने ही देश में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे।

शांति समझौते पर जेलेंस्की नहीं, मैं लूंगा निर्णय: ट्रंप

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को फ्लोरिडा में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से होने वाली मुलाकात से पहले यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते पर शर्तें रखी हैं। ट्रंप ने कहा, यूक्रेन और रूस के बीच किसी भी संभावित शांति समझौते को उनकी मंजूरी की आवश्यकता होगी, क्योंकि जेलेंस्की एक नई 20 सूत्री शांति योजना पर काम कर रहे हैं। बता दें, ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा कि जब तक मैं इसे मंजूरी नहीं देता तब तक उनके पास कुछ नहीं है, इसलिए हम देखेंगे कि उसके पास क्या है। उन्होंने कहा, जेलेंस्की के साथ इस मुलाकात में शांति योजना के बारे में अधिक जानकारी दी जाएगी जो लगभग चार साल से चल रहे यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने का लक्ष्य रखती है। ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को समाप्त करने की उम्मीद जताई है और कहा कि वह जल्द ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन से भी बात करने की योजना बना रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि उनके साथ सब ठीक रहेगा।

नितिन बन सकते हैं भाजपा अध्यक्ष

नई दिल्ली, जेएनएन। भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उनकी नियुक्ति का ऐलान 20 जनवरी को किया जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 18 से 20 जनवरी के बीच पूरी होने की संभावना है। नितिन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे इस पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा होंगे। उनका कार्यकाल जनवरी 2029 तक रहेगा। 2029 में लोकसभा चुनाव प्रस्तावित होने के कारण उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। पार्टी देशभर के प्रदेश अध्यक्षों को 15 जनवरी के बाद दिल्ली बुलाने की तैयारी में है। इससे पहले 2020 में जेपी नड्डा को भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। बाद में उन्हें ही स्थायी अध्यक्ष बनाया था। नितिन नबीन ने 15 दिसंबर को भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाला था। भाजपा संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया पार्टी शासित आधे से ज्यादा राज्यों में पूरी हो चुकी है। 37 में से 29 राज्यों में आंतरिक चुनावों को अंतिम रूप दे दिया गया है। इन राज्यों के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों का एक सेट जमा करेंगे।

खैबर-पख्तूनख्वा के सीएम से फिर मारपीट

लाहौर, जेएनएन। पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के साथ सुरक्षाकर्मियों ने मारपीट की। उनके प्रतिनिधियों के साथ भी बदसलूकी की गई। घटना का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि मुख्यमंत्री अफरीदी अपने प्रतिनिधियों के साथ पंजाब असेंबली में घुस रहे हैं, इस दौरान सुरक्षाकर्मी उन्हें रोकने की कोशिश करते हैं, तभी उनके साथी फतेह उल्लाह बुर्की बीच में आ जाते हैं। इसके बाद अफरीदी ने बयान जारी कर कहा-कोई भी लोकतांत्रिक सरकार ऐसा काम नहीं करती है, यह सीधे-सीधे मार्शल लॉ जैसा व्यवहार है। पाकिस्तान में लोकतंत्र खतरे में है। गार्ड अफरीदी के प्रतिनिधि बुर्की के साथ मारपीट करते हैं और उन्हें धक्का देकर विधानसभा से बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। हालांकि, अन्य अधिकारियों के बचाव में आने के बाद बुर्की को छोड़ दिया जाता है। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक इस दौरान किसी को कोई चोट नहीं आई है। पाकिस्तान के पंजाब में मुस्लिम लीग नून की सरकार है और नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज मुख्यमंत्री हैं। वहीं, केपी के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से हैं।

2025 गुजरता साल यादगार लम्हे

साल 2025 दुनिया, देश और समाज के लिए घटनाओं से भरा एक निर्णायक वर्ष रहा। राजनीति, कूटनीति, अर्थव्यवस्था, खेल और सुरक्षा क्षेत्र में ऐसे मोड़ आए जिन्होंने न सिर्फ सुर्खियां बनाईं, बल्कि आने वाले समय की दिशा भी तय की। वैश्विक मंच पर महाशक्तियों की मुलाकातों से लेकर देश के भीतर बड़े राजनीतिक फैसलों, ऐतिहासिक चुनावों और नीतिगत बदलावों तक, 2025 ने कई अहम संदेश दिए। खेल के मैदानों पर ऐतिहासिक जीत ने देश को गर्व से भर दिया। युवा आंदोलनों, तकनीक और जनभावनाओं की ताकत भी इस साल खुलकर सामने आई। यह ईयर एंडर 2025 उन तमाम बड़ी खबरों और घटनाक्रमों की एक झलक है, जिन्होंने बीते साल को यादगार, चुनौतीपूर्ण और बेहद महत्वपूर्ण बना दिया।

देश और समाज के लिए कई महत्वपूर्ण और निर्णायक घटनाओं का साक्षी रहा यह वर्ष

प्रयागराज में महाकुंभ

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में साल की शुरुआत में आयोजित किया गया महाकुंभ मेला आस्था और परंपरा का अद्भुत उदाहरण साबित हुआ। 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) से शुरू होकर 26 फरवरी (महाशिवरात्रि) तक चले 45 दिनों का इस भव्य आयोजन में करोड़ों श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया, जिसमें आधुनिक तकनीक और प्राचीन परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिससे यह इतिहास के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक बन गया। सबसे विशेष मौनी अमावस्या के मौके पर एक ही दिन में 8 करोड़ से ज्यादा लोगों ने एक शहर में इकट्ठा होकर कुंभ में पवित्र स्नान किया, जो कि एक विश्व रिकॉर्ड बन गया। कुंभ मेला हर 12 साल में होता है, लेकिन इस बार 144 वर्षों के बाद विशेष नक्षत्रों के संयोग के कारण इसे 'महाकुंभ' कहा गया, एक महीने के भीतर ही 45 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालु पहुँच गए, जो रिकॉर्ड था।

एआई में प्रगति

2025 की मानव विकास रिपोर्ट में भारत को एक उभरती हुई एआई शक्ति के रूप में मान्यता दी गई है। भारत वैश्विक एआई सूचकांक में शीर्ष 10 में स्थान पाने वाला एकमात्र निम्न-मध्यम आय वाला देश है, जो मजबूत बुनियादी ढांचे और कौशल विकास में निवेश को दर्शाता है।

ऑपरेशन सिंदूर

अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के प्रत्युत्तर में ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, जिसमें पाकिस्तान तथा पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में 9 आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह ऑपरेशन 7 मई, 2025 को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा लॉन्च किया गया एक समन्वित स्ट्राइक ऑपरेशन था। इसे भारतीय भू-भाग से सेना, नौसेना और वायु सेना के समन्वित प्रयासों द्वारा कार्यान्वित किया गया। इस अभियान का नाम पीड़ितों, विशेषकर पहलगाम हमले की विधवाओं, के प्रति व्यक्तिगत श्रद्धांजलि स्वरूप चुना गया था। भारत सरकार की ओर से विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन के बारे प्रेस को विस्तृत जानकारी प्रदान की। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से संबद्ध आतंकी ठिकानों को लक्षित किया।

अंतरिक्ष की सफलताएं

जीएसएलवी -एफ 15 से श्रीहरिकोटा का 100वां लॉन्च

यह मिशन भारत की नेविगेशन प्रणाली को और मजबूत करने के लिए बेहद अहम था।

पीएसएलवी- सी 61 का प्रयास

यह लॉन्च भारत के स्पेस प्रोग्राम के 101 वें प्रयास के रूप में दर्ज हुआ।

"भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 2025 में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। इस साल लॉन्च किए गए पांच बड़े मिशन ने न सिर्फ भारत की अंतरिक्ष तकनीक को नई ऊंचाई दी, बल्कि दुनिया में हमारी ताकत को भी साबित किया। इन मिशनों ने भारत को वैश्विक स्पेस इंडस्ट्री में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया।

निसार मिशन, सीएमएस-03 कम्युनिकेशन सैटेलाइट

जुलाई में लॉन्च हुआ यह मिशन अपनी तरह का पहला था। जो धरती और बर्फ से ढकी सतहों की हाई-रिजॉल्यूशन इमेजिंग करता है। यह मिशन हर 12 दिन में पूरी दुनिया की सतह का डेटा जुटाता है और पर्यावरण, कृषि, ग्लेशियर और भूकंप जैसी गतिविधियों पर नजर रखने में मदद करता है। यह मिशन वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय के लिए बेहद अहम है।

एलवीएम-एम से ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 का सफल

प्रक्षेपण भारत को वैश्विक स्पेस इंडस्ट्री में मजबूत बना रहा है। यह कम्युनिकेशन सैटेलाइट भारतीय जमीन और समुद्री क्षेत्रों में हाई-स्पीड कम्युनिकेशन सेवाएं प्रदान करेगा। इसका वजन लगभग 4400 किलोग्राम है, जो भारत का सबसे भारी कम्युनिकेशन सैटेलाइट है। यह मिशन भारत की कम्युनिकेशन क्षमता को नई ऊंचाई देता है।

स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट

इस साल जनवरी में भारत ने स्पैडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट) के तहत अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को सफलतापूर्वक जोड़ा। 16 जनवरी 2025 को इसरो ने स्पैडेक्स के दो उपग्रह एसडीएक्स-01 और एसडीएक्स-02 को डॉक किया। इसके साथ ही भारत ऐसा करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। यह सफलता भविष्य में चंद्रमा पर मानव भेजने और अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के लिए बहुत जरूरी है।

ब्लॉक-2- सैटेलाइट मिशन

खास इसलिए है क्योंकि यह दुनिया भर में स्मार्टफोन को सीधे हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड सुविधा देने में मदद करेगा। ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 इसरो द्वारा लॉन्च किया गया अब तक का सबसे भारी उपग्रह है। यह मिशन भारत की वाणिज्यिक लॉन्च क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करता है।

अंतरिक्ष स्टेशन पर भारतीय

साल 2025 की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह रही कि पहली बार कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचा। इसी के साथ वह राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इसरो के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत आईएसएस गए। उन्होंने करीब 18 दिन अंतरिक्ष में बिताए, जिससे पूरे देश को बहुत गर्व महसूस हुआ।

खेल उपलब्धियां

क्रिकेट से शतरंज तक, इस साल भारत की कई ऐतिहासिक खेल उपलब्धियां रहीं। कई रिकॉर्ड भी टूटे और गोल्ड भी बरसे। 2025 भारत के लिए खेलों के लिहाज से इतिहास रचने वाला वर्ष रहा। कई उपलब्धियों ने भारतीय खेल को वैश्विक पहचान दिलाई। देश ने एक साथ कई खेलों में वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का एहसास कराया। क्रिकेट में जहां भारतीय पुरुष टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतकर अपना दबदबा कायम रखा, वहीं नवी मुंबई में महिला टीम की पहली वर्ल्ड कप जीत ने इतिहास रच दिया। ये उपलब्धियां न सिर्फ आज बल्कि आने वाले वर्षों में भारत को खेल की दुनिया में ऊंचा स्थान देती रहेंगी। पैरा-स्पोर्ट्स और एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि 2025 सिर्फ उपलब्धियों का साल नहीं, बल्कि भारत के खेल महाशक्ति बनने की कहानी का अहम पड़ाव रहा।

2025 एशियन यूथ गेम्स में रिकॉर्ड प्रदर्शन

भारत ने 2025 एशियाई यूथ गेम्स में अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज की, जहां 48 कुल पदक। इनमें 13 गोल्ड, 18 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं। यह सबसे बड़ी एशियाई युवा खेल उपलब्धि थी और इससे भविष्य के युवा खेल सितारों को 2026 युथ ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाइंग स्लॉट भी मिले। भारतीय युवा एथलीट्स ने कुश्ती, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, कबड्डी, वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेलों में दमदार प्रदर्शन दिखाया।

तीरंदाजी में इतिहास रचा

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता। यह भारत का विश्व चैंपियनशिप में पहला कंपाउंड तीरंदाजी गोल्ड था। टीम में ऋषभ यादव, प्रभात सलुनखे और पृथमेश फुगे जैसे युवा खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे इस खेल में भारत की बढ़ती क्षमता स्पष्ट हुई।

शूटिंग में पहला गोल्ड

20 साल के सम्राट राणा ने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में विश्व चैम्पियनशिप गोल्ड जीता। यह भारत के लिए शूटिंग वर्ल्ड में एक ऐतिहासिक पल था।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

भारत ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में दूसरा स्थान हासिल किया और कुल 24 पदक जीते, जिसमें कई गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज में राष्ट्रीय रिकॉर्ड शामिल थे। गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर और 10,000 मीटर दोनों में गोल्ड जीता, जबकि अविनाश साबले और ज्योति याराजी सहित कई युवा एथलीटों ने शीर्ष स्तर पर भारत का नाम रौशन किया।

खो-खो विश्व कप 2025

भारतीय महिला खो-खो टीम ने 2025 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपनी झोली में डाला। ढाका में हुए फाइनल में चीनी ताइपे को मात देकर यह उपलब्धि भारतीय पारंपरिक खेल की वैश्विक वृद्धि को दर्शाती है।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूज़ीलैंड को हराकर तीसरा चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ऐतिहासिक जीत वनडे क्रिकेट में देश की मजबूत पहुंच को दर्शाती है।

भारतीय महिला टीम पहली बार बनी चैंपियन

2025 का साल भारतीय महिला क्रिकेट के लिए स्वर्णिम अध्याय बनकर आया, जब टीम इंडिया ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने बेखौफ प्रदर्शन कर यह साबित किया कि भारतीय महिला क्रिकेट अब नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह खिताबी जीत न सिर्फ एक ट्रॉफी थी, बल्कि महिला क्रिकेट को बराबरी, पहचान और सम्मान दिलाने वाला पल भी साबित हुई।

एशेज सीरीज : इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट में कंगारूओं को चार विकेट से हराया

पांच मैचों की सीरीज में पहली जीत

एमसीजी में दो दिन में टेस्ट खत्म, 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में जीता इंग्लैंड

जेएनएन, मेलबर्न

इंग्लैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में चार विकेट से जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलिया में पिछले 18 मैच में जीत हासिल नहीं कर पाने का सिलसिला रोक दिया। इंग्लैंड सीरीज के पहले तीन टेस्ट मैच हार गया था, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने केवल 11 दिन में एशेज अपने पास बरकरार रखी थी। इंग्लैंड ने हालांकि चौथे टेस्ट मैच को दो दिन के अंदर जीतकर ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले आखिरी बार 2010-11 की सीरीज में मैच जीता था। उसने तब यह सीरीज 3-1 से अपने नाम की थी। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए लगभग 15 वर्षों में 18 टेस्ट मैचों में से 16 मैच हारे थे, जबकि बाकी दो मैच ड्रॉ रहे। ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पिछली टेस्ट जीत और शनिवार को एमसीजी टेस्ट जीत के बीच 5468 दिन का इंतजार करना पड़ा। पहली पारी में 152 रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी दूसरी पारी में 132 रन पर आउट हो गई। इस तरह से उसने इंग्लैंड के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा। पहली पारी में 110 रन पर आउट होने वाले ने इंग्लैंड ने छह विकेट पर 178 रन बनाकर अपने हजारों धैर्यवान, लेकिन वफादार बार्मी आर्मी प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबो दिया। एमसीजी की पिच पर तेज गेंदबाजों की तूती बोली। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट गिरे। इंग्लैंड ने मैच के छठे सत्र में ही जीत हासिल की। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की। पहले 10 ओवर में ही उसने बेन डकेट (34) और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे गए ब्रायडन कार्स (06) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 70 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड ने जाक क्रॉली (37) और जैकब बेथेल (40) को आउट किया। जो रूट (15) और कप्तान बेन स्टोक्स (02) सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 03) और हैरी ब्रूक (नाबाद 18) ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क, झाय रिचर्डसन और बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के चार रन से आगे बढ़ाई, लेकिन उसके केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंचे। इनमें सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (46), कप्तान स्टीव स्मिथ (नाबाद 24) और कैमरन ग्रीन (19) शामिल हैं। इंग्लैंड के कार्स ने 34 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि स्टोक्स ने 24 रन देकर तीन विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले जोश टंग ने 44 रन देकर दो, जबकि गश एटकिंसन ने 20 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

■ एमसीजी में शनिवार को दर्शकों की संख्या 92,045 थी, जो ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों के इतिहास में सर्वाधिक दर्शकों की संख्या की सूची में दूसरे स्थान पर है। इसी मैच के पहले दिन शुक्रवार को 94,199 दर्शकों ने स्टेडियम में पहुंचकर नया रिकॉर्ड बनाया था।

■ एशेज 2025-26 से पहले ऐसी सिर्फ तीन द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज हुई थीं, जिसमें एक से ज्यादा टेस्ट दो दिन के भीतर समाप्त हुआ था। 1888 में ऑस्ट्रेलिया के इंग्लैंड दौरे में ऐसे तीन टेस्ट मैच खेले गए थे, जबकि 1888-89 और 1895-96 में इंग्लैंड के दक्षिण अफ्रीका दौरे में दो टेस्ट मैच दो दिन के भीतर समाप्त हुए थे। 1912 में इंग्लैंड की मेजबानी में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में भी दो टेस्ट मैच दो दिन के भीतर समाप्त हुए थे। इस एशेज से पहले ऑस्ट्रेलिया में खेले गए कुल 450 पुरुष टेस्ट मैचों में से सिर्फ दो टेस्ट ही दो दिन में समाप्त हुए थे- 1931 में मेलबर्न में वेस्टइंडीज और 2022 में ब्रिस्बेन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला गया टेस्ट।

■ यह ऑस्ट्रेलिया में पहला ऐसा टेस्ट था जब स्पिनरों ने एक भी गेंद नहीं डाली। ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट में इससे पहले स्पिनरों ने सबसे कम 12 गेंदें 1984 में ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज डब्ल्यूएसीए टेस्ट में डाली थीं। मौजूदा सीरीज के पर्थ टेस्ट में रूट और नेथन लायन ने कुल मिलाकर 18 गेंदें डाली थीं, जो कि ऑस्ट्रेलिया में एक टेस्ट में स्पिनरों द्वारा डाली गईं तीसरी सबसे कम गेंदें थीं।

- अगर सच कहूं तो ऐसी पिच पर आप खेलना नहीं चाहते। बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच को आप दो दिन में खत्म होते नहीं देखना चाहते। लेकिन एक बार मैच शुरू होने के बाद आप कुछ नहीं कर सकते और जैसी पिच आपको मिली है उसी के मुताबिक खेलना होता है। लेकिन यह तय है कि अगर किसी और जगह ऐसा होता तो काफी हल्ला मचता। पांच दिन का मैच अगर इतनी जल्दी खत्म हो रहा है तो ये सही नहीं है, लेकिन अंत में आपको परिणाम से मतलब रहता है। **- बेन स्टोक्स**, कप्तान, इंग्लैंड

हां, यह काफी मुश्किल था। दो दिन के अंदर 36 विकेट बहुत ज्यादा हैं। ग्राउंड्समैन के तौर पर यह काफी मुश्किल है। मेरे हिसाब से वह हमेशा सही प्रकार का संतुलन देने की कोशिश करते हैं। पिछले साल की पिच बहुत अच्छी थी और मैच पांचवें दिन तक गया था। इस बार भी घास अगर 10 मिमी की जगह 8 मिमी रखते तो सही रहता। लेकिन ग्राउंड्समैन हमेशा सीखते हैं और इस मैच से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिलेगा। **- स्मिथ**, कप्तान, ऑस्ट्रेलिया

■ मेलबर्न टेस्ट मात्र 852 गेंदों में समाप्त हो गया जो कि पूर्ण टेस्ट में डाली गईं 10वीं सबसे कम गेंदें हैं। मेलबर्न में पर्थ टेस्ट के मुकाबले सिर्फ पांच गेंदें अधिक डाली गईं। मौजूदा एशेज में अब तक केवल 5571 गेंदें डाली गई हैं, जो कि एक टेस्ट सीरीज के पहले चार मैचों में डाली गईं तीसरी सबसे न्यूनतम गेंदें हैं। 1902 एशेज के पहले चार मैचों में 4675, जबकि 1985-86 की विजडन ट्रॉफी के पहले चार मैचों में केवल 5513 गेंदें थीं।

46 रन हेड ने दूसरी पारी में बनाए जो इस टेस्ट में व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर था। यह ऑस्ट्रेलिया में केवल पांचवां ऐसा टेस्ट था, जिसमें दोनों टीमों की ओर से किसी भी बल्लेबाज ने अर्धशतक नहीं लगाया, जबकि पुरुष टेस्ट इतिहास में यह 17वां ऐसा टेस्ट था।

2025 में 11 टेस्ट खेलते हुए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने 36.7 के स्ट्राइक रेट से गेंदबाजी की जो कि एक साल में कम से कम पांच टेस्ट मैच खेलने वाली टीम का दूसरा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी स्ट्राइक रेट है। 1896 में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने छह टेस्ट में 32.7 के स्ट्राइक रेट से गेंदबाजी की थी।

■ इस मैच से पहले एशेज के इतिहास में ऐसा 1981 में हुआ था, जब किसी टीम को उसके किसी भी बल्लेबाज द्वारा अर्धशतक लगाए बिना जीत मिली हो, यह जीत इंग्लैंड ने एजबैस्टन में हासिल की थी। इससे पहले इंग्लैंड ने 2000 में लॉर्ड्स टेस्ट में बिना किसी बल्लेबाज के अर्धशतक लगाए टेस्ट मैच जीता था।

■ ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न में कुल 284 रन बनाए जो कि घर पर एक टेस्ट में उनके द्वारा बनाए गए दूसरे न्यूनतम कुल रन हैं। इससे पहले 2016 में होबार्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह 246 रन ही बना पाए थे।

■ ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न टेस्ट में कुल 479 गेंदों का सामना किया जो कि 1928 में ब्रिस्बेन में खेले गए टेस्ट के बाद से एक टेस्ट में खेली गई सबसे कम गेंदें हैं।

मैदान से हटकर

'बैटल ऑफ द सेक्सेस' मुकाबले में भारतीय एआई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल

भारतीय खेल प्रौद्योगिकी स्टार्टअप केप्रो आर्यना सबालेंका और निक किर्गियोस के बीच दुबई में होने वाले 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' प्रदर्शनी मुकाबले के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भागीदार होगा। इस प्रारूप में पुरुष और महिला वर्ग के शीर्ष खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी सेट-अप में आमने-सामने उतारा जाता है। कंपनी ने कहा कि भारतीय खेल प्रोद्योगिकी स्टार्टअप अब तक मुख्य रूप से जमीनी स्तर और घरेलू बाजारों पर केंद्रित रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर के एलीट खेल लंबे समय से यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के तकनीकी प्रदाताओं पर निर्भर रहे हैं। केप्रो अपने कंप्यूटर और बायोमैकेनिक्स आधारित प्रणाली के जरिए खिलाड़ियों के मूवमेंट, प्रतिक्रिया समय और कार्यान्वयन का रियल टाइम विश्लेषण करेगा और यह सब बिना किसी डिवाइस पहने बिना ही होगा। पूर्व नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी और केप्रो डॉट एआई की ब्रांड मित्र साइना नेहवाल ने कहा कि एलीट स्तर पर छोटे-छोटे सुधार सबसे बड़ा फर्क पैदा करते हैं। डेटा-आधारित जानकारियां खिलाड़ियों को अपनी ताकत और कमियों को च्यादा स्पष्ट रूप से पहचानने में मदद करती हैं। जब एआई का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह ध्यान भटकाने के बजाय एक सहायक प्रणाली बन जाता है।

(जेएनएन)

टी-20 सीरीज में श्रीलंका पर दबदबा बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

पांच मैचों की सीरीज में भारत 3-0 से आगे, मैच शाम सात बजे से

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। पहले तीन मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुकी भारतीय महिला टीम रविवार को श्रीलंका के खिलाफ चौथे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज में अभी तक अपना दबदबा कायम रखा है। श्रीलंका की टीम अभी तक उसे किसी भी तरह की चुनौती नहीं दे पाई है। भारत सीरीज में 3-0 से आगे है। भारत ने पहले तीन मैच में लक्ष्य का पीछा किया और उसके दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने किसी भी मैच में 14.4 ओवर से अधिक बल्लेबाजी नहीं की है, तीन से अधिक विकेट नहीं गंवाए हैं, और 129 रन से अधिक के लक्ष्य का सामना नहीं किया है। यह भी देखना बाकी है कि क्या भारत इस मैच में युवा बल्लेबाज गुनालन कमलिनी और अनुभवी हरलीन देओल को मौका देगा। भारत ने अब तक टीम के बाकी सभी 13 सदस्यों को मौका दिया है। अनुभवी चमारी अटापट्टू की अगुवाई में श्रीलंकाई बल्लेबाज सीरीज में बुरी तरह विफल रहे हैं। अटापट्टू के अलावा उसकी टीम में हसिनी परेरा, कविशा दिलहारी और हर्षिता समरविक्रमा जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी हैं लेकिन इनमें से कोई भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। श्रीलंका को अगर भारत के सामने चुनौती पेश करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। श्रीलंका को इस सीरीज में अभी भी पहली जीत का इंतजार है। अब तक तीनों ही मुकाबलों में श्रीलंका को टॉस हाकर पहले बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा है और तीनों ही मुकाबलों में श्रीलंका भारत के सामने एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा नहीं कर पाई है। एक भी मुकाबले में श्रीलंका स्कोरबोर्ड पर 130 रन नहीं जोड़ पाई है।

पिच और परिस्थितियां

पिछले मैच की पिच को देखते हुए यहां टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला ही सही रहेगा और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए 150 का स्कोर सुरक्षित होगा। तिरुवनंतपुरम में काली मिट्टी की सतह होती है और सतह से उछाल भी मिलती है। विशाखापट्टनम में अधिक ओस नहीं पड़ी थी, लेकिन तिरुवनंतपुरम में बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम को फायदा मिल सकता है।

बेंच स्ट्रेंथ को आजमाना चाहेगा भारत

जून 2026 में इंग्लैंड में होने वाले महिला टी-20 विश्व कप के मद्देनजर भारत अच्छी लय में है। हालांकि सीरीज के अंतिम दो मुकाबलों में भारत बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने की कोशिश कर सकता है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अब तक इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया है। तीसरे मुकाबले में रेणुका सिंह ठाकुर ने सीरीज में अपना पहला मैच खेलते हुए चार विकेट हासिल किए और वह प्लेयर ऑफ द मैच भी रहीं जबकि दीप्ति शर्मा ने वापसी करते हुए तीन विकेट झटके और उन्होंने महिला टी20 में 150 विकेट भी पूरे किए। तो वहीं बल्लेबाजी में शेफाली वर्मा ने लगातार दूसरी अर्धशतकीय पारी भी खेली।

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद बोर्ड ने टेस्ट में गंभीर का विकल्प तलाशा था

जयपुर, जेएनएन। वनडे और टी-20 क्रिकेट में भारत के कोच के तौर पर आईसीसी और एसीसी ट्रॉफी जीत चुके गौतम गंभीर का रिकॉर्ड बहुत अच्छा है, लेकिन शीर्ष टीमों के खिलाफ दस टेस्ट में मिली हार के बाद पारंपरिक प्रारूप के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। समझा जाता है कि पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज हारने के बाद क्रिकेट बोर्ड में शीर्ष पदस्थ किसी शख्स ने अनौपचारिक तौर पर वीवीएस लक्ष्मण से पूछा था कि क्या वह टेस्ट टीम के कोच बनने के इच्छुक हैं। लक्ष्मण हालांकि बेंगलुरु में उत्कृष्टता केंद्र में क्रिकेट प्रमुख बने रहने में ही खुश हैं। गंभीर का बीसीसीआई के साथ करार 2027 वनडे विश्व कप तक है, लेकिन ऐसी संभावना है कि इस पर पुनर्विचार किया जाए। यह पांच सप्ताह बाद शुरू हो रहे टी-20 विश्व कप में भारत के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। समझा जाता है कि बीसीसीआई के गलियारों में इसे लेकर अभी भी दुविधा है कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 सत्र के बाकी नौ टेस्ट के लिए क्या गंभीर को ही कोच बनाए रखना उचित होगा। बीसीसीआई के सूत्र ने कहा कि बीसीसीआई हुक्मरानों का गंभीर को पूरा समर्थन हासिल है। भारतीय टीम अगर टी-20 विश्व कप बरकरार रखती है या फाइनल में भी पहुंचती है तो वह पद पर बने रहेंगे। यह देखना रोचक होगा कि क्या वह टेस्ट प्रारूप में भी कोच बने रहते हैं।

असुरक्षित महसूस कर रहे खिलाड़ी

भारतीय ड्रेसिंग रूम में भी गंभीर के दौर में कई खिलाड़ी उस तरह से सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं, जैसे राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में करते थे जब सभी की भूमिकाएं तय थी। टी-20 विश्व कप टीम से शुभमन गिल को बाहर किए जाने के फैसले पर गंभीर की छाप थी और कई खिलाड़ियों का मानना है कि अगर भारतीय क्रिकेट के अगले पोस्टर ब्वॉय का यह हाल हो सकता है, तो बाहर होने वालों में अगला नाम किसी का भी हो सकता है। टी-20 विश्व कप के बाद दो महीने आईपीएल होगा और बीसीसीआई के पास अलग-अलग प्रारूप के लिए अलग कोच या तीनों प्रारूपों के लिए एक ही कोच पर विचार करने के लिए काफी समय होगा।

एसए20 के ओपनिंग मैच में रनों की बारिश, डरबन ने केपटाउन को हराया

केपटाउन, जेएनएन। रयान रिकेलटन के शतक के बावजूद एमआई केपटाउन को एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र के पहले मैच में डरबन सुपर जाएंट्स से 15 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में खूब रन वर्षा देखने को मिली तथा कुल मिलाकर 449 रन बने, जिसमें 25 छक्के और 40 चौके शामिल हैं। रिकेलटन के 65 गेंदों पर पांच चौकों और 11 छक्कों की मदद से 113 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम 233 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट पर 217 रन ही बना सकी। एमआई केपटाउन की तरफ से रिकेलटन के अलावा जैसन स्मिथ ने 41 रन का योगदान दिया। सुपर जायंट्स ने इससे पहले पांच विकेट पर 232 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाया था। उसकी तरफ से न्यूजीलैंड की सलामी जोड़ी डेवोन कॉनवे (33 गेंदों में 64 रन) और केन विलियमसन (25 गेंद पर 40 रन) ने पावरप्ले में दबदबा बनाते हुए सिर्फ 8.3 ओवर में 96 रन जोड़े। इसके बाद जोस बटलर (12 गेंदों में 20 रन) और हेनरिक क्लासेन (14 गेंदों में 22 रन) ने लय को बरकरार रखा।

अंडर-19 विश्व कप में म्हात्रे करेंगे भारत की कप्तानी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सूर्यवंशी संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, जेएनएन। जनवरी-फरवरी 2026 में होने वाले पुरुष अंडर-19 विश्व कप के लिए चयनित भारतीय दल की अगुआई आयुष म्हात्रे करेंगे। जबकि अंडर-19 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन वनडे मुकाबलों के लिए चयनित भारत अंडर-19 टीम की कमान वैभव सूर्यवंशी को सौंपी गई है। अंडर-19 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के कप्तान म्हात्रे और उपकप्तान विहान मल्होत्रा चोट के चलते दक्षिण अफ्रीका दौरे पर नहीं जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार म्हात्रे और विहान मल्होत्रा को कलाई में चोट लगी है और दोनों खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर नहीं जाएंगे। दोनों खिलाड़ी चोट प्रबंधन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का रुख करेंगे और इसके बाद अंडर-19 विश्व कप दल के साथ जुड़ेंगे। अंडर-19 विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

अंडर-19 विश्व कप के लिए टीम

आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, ऐरन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडु (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर एस अंब्रिश, कनिष्क चौहान, खिलन ए पटेल, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम

वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), ऐरन जॉर्ज (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडु (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर एस अंब्रिश, कनिष्क चौहान, खिलन ए पटेल, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन, युवराज गोहिल, राहुल कुमार।

2025 गुजरता साल यादगार लम्हे

क्रिकेट से शतरंज तक, रिकॉर्ड भी टूटे और गोल्ड भी बरसे

साल 2025 भारतीय खेल इतिहास के उन खास वर्षों में शामिल हो गया, जब देश ने एक साथ कई खेलों में वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का एहसास कराया। क्रिकेट में जहां भारतीय पुरुष टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतकर अपना दबदबा कायम रखा, वहीं नवी मुंबई में महिला टीम की पहली वर्ल्ड कप जीत ने इतिहास रच दिया। शतरंज में डी. गुकेश और दिव्या देशमुख जैसे युवा सितारों ने भारत को नई पहचान दिलाई, जबकि नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में एक बार फिर देश का परचम लहराया। पैरा-स्पोर्ट्स और एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि 2025 सिर्फ उपलब्धियों का साल नहीं, बल्कि भारत के खेल महाशक्ति बनने की कहानी का अहम पड़ाव रहा।

महिला टीम पहली बार वर्ल्ड चैंपियन

2025 का साल भारतीय महिला क्रिकेट के लिए स्वर्णिम अध्याय बनकर आया, जब टीम इंडिया ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास, संयम और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम को हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में निरंतरता बनाए रखी, जबकि युवा खिलाड़ियों ने बड़े मंच पर बेखौफ प्रदर्शन कर यह साबित किया कि भारतीय महिला क्रिकेट अब नए युग में प्रवेश कर चुका है।

दृष्टिबाधित टीम ने जीता वर्ल्ड कप

भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने टी-20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया। इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूर्नामेंट को जीतने में सफल रहा। भारत ने नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया था। जवाब में टीम ने 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

चेस में ग्लोबल रिकॉर्ड और सम्मान : भारत के युवा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने 2025 में मैग्नस कार्लसन सहित शीर्ष प्रतिभाओं को पराजित किया और प्रतिष्ठित खेल रत्न सहित कई बड़े सम्मान हासिल किए। यह उपलब्धि भारत को अंतरराष्ट्रीय बुद्धि खेलों में ऊंचा स्थान दिलाती है।

एशियन यूथ गेम्सः भारत ने 2025 एशियाई यूथ गेम्स में अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज की, जहां 48 कुल पदक। इनमें 13 स्वर्ण, 18 रजत और 17 कांस्य शामिल हैं। यह सबसे बड़ी एशियाई युवा खेल उपलब्धि थी और इससे भविष्य के युवा खेल सितारों को 2026 युथ ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाइंग स्लॉट भी मिले।

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिपः भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने स्वर्ण पदक जीता। यह भारत का विश्व चैंपियनशिप में पहला कंपाउंड तीरंदाजी स्वर्ण था। टीम में रिषभ यादव, प्रभात सलुनखे और पृथमेश फुगे जैसे युवा खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे इस खेल में भारत की बढ़ती क्षमता स्पष्ट हुई।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिपः भारत ने दूसरा स्थान हासिल किया और कुल 24 पदक जीते, जिसमें कई स्वर्ण, रजत और कांस्य में राष्ट्रीय रिकॉर्ड शामिल थे। गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर और 10,000 मीटर दोनों में स्वर्ण जीता, जबकि अविनाश साबले और ज्योति याराजी सहित कई युवा एथलीटों ने शीर्ष स्तर पर भारत का नाम रौशन किया।

शूटिंग वर्ल्ड कपः 20 साल के सम्राट राणा ने सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण जीता। यह भारत के लिए शूटरिंग वर्ल्ड में एक ऐतिहासिक पल था और इस युवा खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया।

चैंपियंस ट्रॉफी में पुरुष

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर तीसरा चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ऐतिहासिक जीत वनडे क्रिकेट में देश की मजबूत पहुंच को दर्शाती है।

साहित्य सृजन

जहां बैठे हों बच्चे

गुरुवर उधर जाइए, समय है अभी
जनाब सुधर जाइए!!
समन्दर जैसा कोर्स है नदी जैसी धार है
बाल्टी भर पढ़ते नहीं बच्चे,यही तो मार है;
पीछे छोड़कर सारी बातें कक्षाओं में खूब जाइए
न हो सके ये भी,तो चुल्लू भर पानी में डूब जाइए।।
रिजल्ट खराब हुआ तो किसी की खैर नहीं है
आप तो अच्छे हैं स्वामी का किसी से बैर नहीं है;
परिणाम ही उमंग और तरंग है सही न हुआ तो! शिक्षक बेरंग है;
उम्र का चढ़ाव है क्या करें
ठंड में हांथ भी कांपते हैं पाइप जल गई तो क्या हुआ,
हम आग भी तापते हैं;
आंख में चश्मा चढ़ा है,पर अभी फूटी नहीं है
व्यवस्था पर लिखने की आदत अभी तक छूटी नहीं है;
सुधार तो होकर रहेगा,क्यों कि हम शिक्षकगण जगे हैं

विजय शर्मा `स्वामी',हायर सेकेण्डरी कन्या गोविंदगढ़

जबान- ए - हिंदी कहे

जबान- ए - हिंदी कहे, भारत की शान हूं मैं,
विहंग वृक्ष बात कर, इतनी आसान हूं मैं।
सिंधु,हिंदु,हिंदी, संस्कृत ने मुझको लाया,
भारत की जनता धन्य है, भाषा में राज पाया।
अहं तो है नहीं मुझे, जन मुग्ध मुझ पर गिरधर,
उत्थान या पतन हो, अनुज ये तुझ पर निर्भर।
धरा, गगन,पवन सुने, मेरी व्यथित कहानी,
सूखा गला हूँ व्याकुल, अंग्रेजी को मिले पानी।
क्षणभर जरा सोचो, सरिता बनके सोम घोलती हूं मैं,
मौखिक, लिखित, कहानी, कविता बनके मौन बोलती हूं मैं।
इतिहास के पन्ने खोलो तुम, वीरों ने दी कुर्बानी थी,
रुधिर से अपने अमर शहीदों ने, हिंदी में लिखी कहानी थी।
जो पतन हमारा अंग्रेजों ने किया,
वीरों ने किया उत्थान जतन होकर बलिदान,
हो प्रभु प्रचलन मेरा, सदा रहे यह तुमको ध्यान।
अंतिम क्षण है सोच लो, बिछड़ ना जाऊं कहीं,
हिंदी हूं कोई गैर नहीं, हिंद की पहचान हूं मैं।
जबान- ए - हिंदी कहे, भारत की शान हूं मैं।

दिलीप मिश्रा, खैरा सिरमौर

क्या पाया क्या खोया है

जो आज हंसता है वो भी कभी तो रोया है
तुम आकर हमसे तो पूछो,उसने क्या खोया है।
जीते जी मां बाप को रोटी न दी जिस औलाद ने
मां बाप ने उनके लिए भगवन पूजे
खुद को अश्कों से धोया है।
बिखेर देते हैं कुछ लोग मानवीय रिश्तों को
वो क्या जाने किसी ने,
कैसे उस रिश्ते को पिरोया है।
मत करो परेशान ऐ गरजते हुए बादलों
कह रही इक मां, मेरा लाल अभी-अभी सोया है।

अनिरुद्ध दुबे प्रिंसू, गौरी रीवा

पूस के ठार

बीछी साही ऊरा मारइ, माघ पूस कइ ठारी।
रोज्जि बिहन्ने बइहर गाबइ,काने-काने गारी।।
दिन ऊतइ से जाड़ ता पेरइ,कोल्हू साही घानी।
छुआ छुअउलि बइहरा खेलै,छुअइ देंह का पानी।।
बनि हेमारि बइहरा दागइ, आगी कस रे लूकी।
ओला पाला मारि फिरिहिरी, नचइ मारिके कूकी।।
लारी साही धुकना निकरै, मुँहबा का जब फारी।
डोकरन अउ गदेलन काँही,पकी बइरि कस झारी।।
सुरिजि जोंन्हइया के सइरी म,गोड़ हाँथ का सेंकै।
दुई मूठी कै पेट के खातिर, खेत मा पानी छेंकै।।

कमलेश कुमार `कायल', सीधी

जाने वाला साल

2025 जा रहा है तो जाने दो,
2026 को आराम से आने दो,
असत्य को विदा करो, और सत्य आने दो।
ये प्रकृति का नियम है, जो आज है कल उसको जाना है,
छोड़ जायेगा कुछ खट्टी यादे,
यही तो वक्त का फ़साना है।।
बीते साल की मीठी यादें रहने दो,
नए साल को खुशियों से भर जाने दो,
अब भी मेरी चाहत है, की खुश रहें मेरे दुश्मन भी।
चोट जरूर खाई है, मगर ख्याल तो आने दो,
बदल रहा है वक्त पे वक्त, मगर मेरी ज़िंदगी मे,
नई सौगात तो आने दो।
टूटकर बिखरे थे मेरे जज्बात, मैं दूसरों को दोष क्यों दूं,
वो लोग तो चेहरे बदले, पर उन्हें उनकी औकात तो दिखाने दो।
नया साल आया है,जिंदगी मे बस खुशियां ही खुशियां हैं,
खुशी मनाने दो।

शबनम शुक्ला, अजगरहा रीवा

वर्ष आए नव मंगलम

पग धरे वर्ष ये मंगलम,स्वागतम स्वागतम स्वागतम ।
कोई खुश कोई है बेखबर, वर्ष ये है अतिथि कुछ पहर,
आयेगा नव बरस ले अमन, स्वागतम स्वागतम स्वागतम।
रौशनी साल नव दे धवल,
जर्द हैं रूप जो हो सबल, बाग के खिल उठें सब
सुमन, स्वागतम स्वागतम स्वागतम।
हाथ में स्वर्ण हो अत्यधिक, फीक ना तीज हो यूं तनिक,
मौज भी लायेगा मृदु पवन, स्वागतम स्वागतम स्वागतम
वर्ष ये है अतिथि कुछ पहर।

नागेन्द्र मिश्र `मणि', रीवा

संघर्षों से मत डरो

प्रगति-पथ पर बढ़ते रहो, संघर्षों से मत डरते रहो।
सिद्धांतों को आधार बनाओ,कर्तव्य को ही धर्म मानो।
ज्ञान की ज्योति जगमगाए, सत्य का दीप सदा जलाए।
अनुशासन से जीवन सँवरे,परिश्रम से भविष्य निखरे।
सम्मान वही जो कर्म से मिले, प्रतिष्ठा वही जो सत्य से खिले।
मानवता का हो सदैव विचार, यही है जीवन का सर्वोत्तम आधार।
विपरीत परिस्थितियाँ आएँगी, धैर्य से राहें आसान होंगी।
विश्वास रखो अपने प्रयास पर, सफलता मिलेगी हर प्रयास पर।
सपनों को लक्ष्य बनाकर चलो, आशाओं की राह पर खिलो।
हर दिन को अवसर मानो, नव सृजन से जीवन सजाओ।
सहयोग से शक्ति बढ़ती है, एकता से विजय मिलती है।
सद्भावना से समाज सँवरे, न्याय से राष्ट्र आगे बढ़े।
जीवन का सार यही बताता, सत्य और कर्म ही सबको भाता।
जो मनुष्य आदर्श अपनाए, वह इतिहास में अमर कहलाए।

अभिनव सिंह बघेल, पल्हान रीवा

तारों सा जीवन

जीवन में साझा जा क्या होता है
जीवन हो अपना पर किसका साथ निभाता है
चाचा, ताऊ, मां मामा, भाई सब आते हैं
पर अपने होकर किसका साथ निभाते हैं,
जीवन का आना-जाना होता रहता है।
तारे सा टिमटिम जीवन जलकर बुझ जाता है।
हम अपनी-अपनी माला बुनकर बिखर जाते हैं।
तारों सा टिमटिम जीवन बुझ जाता है,
जीवन में साझा क्या होता है।

अर्चना शुक्ला, रीवा

दोनों जिलों से 2750 खिलाड़ी हुए फाइनलिस्ट, 63 हजार ने कराया था पंजीयन

ग्रामीण के साथ शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं ने दिखाया अपना दमखम

रीवा और मऊगंज में सांसद खेल महोत्सव का हुआ समापन

रीवा। रीवा और मऊगंज जिले में सांसद खेल महोत्सव का समापन हो गया है, जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं ने अपना दमखम दिखाया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की खेलो इंडिया और फिट इंडिया पहल से प्रेरित इस महोत्सव का सभी विधानसभा क्षेत्रों में किया गया। समापन समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और टीमों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस महोत्सव ने विंध्य क्षेत्र के युवाओं को एक ऐसा मंच प्रदान किया जहाँ वे अपनी नैसर्गिक क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकें। खेल महोत्सव में अभूतपूर्व जनभागीदारी देखने को मिली। पूरे आयोजन के दौरान दोनों जिलों से कुल 63 हजार खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया। मऊगंज जिले में कुल 1150 खिलाड़ी फाइनलिस्ट के रूप में उभरे, जिन्हें उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए पुरस्कृत किया गया। वहीं रीवा जिले में लगभग 1600 खिलाड़ियों ने फाइनल तक का सफर तय किया और पुरस्कार प्राप्त किए। विजेताओं को पदक, प्रमाण पत्र और खेल किट वितरित कर सम्मानित किया गया मंडल स्तर से शुरू हुई यह प्रतिस्पर्धाएं ब्लॉक स्तर से होते हुए जिला स्तर के रोमांचक फाइनल तक पहुँचीं, जिसमें ग्रामीण अंचलों की प्रतिभाओं ने अपनी खेल कुशलता का लोहा मनवाया।

महोत्सव के दौरान कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, फुटबॉल, क्रिकेट, रस्साकसी और एथलेटिक्स जैसी विभिन्न खेल स्पर्धाएं आयोजित की गईं। विशेष रूप से पारंपरिक खेलों को प्राथमिकता दी गई ताकि जमीनी स्तर पर भारतीय खेल संस्कृति को पुनर्जीवित किया जा सके। प्रतियोगिताओं का आयोजन मंडल, ब्लॉक और फिर जिला स्तर पर किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में स्कूली छात्रों और स्थानीय युवाओं ने भाग लिया। इस वृहद आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं की खोज करना और उन्हें भविष्य की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। । इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य न केवल खेल भावना को बढ़ावा देना है, बल्कि 'नशा मुक्त भारत' और 'स्वस्थ भारत' के संकल्प को युवाओं तक पहुँचाना है। गत दिवस स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में सांसद खेल महोत्सव के समापन के अवसर पर सांसद रीवा जनार्दन मिश्र, विधायक गुढ़ नागेंद्र सिंह, विधायक मनगवां नरेंद्र प्रजापति, पूर्व विधायक श्याम लाल द्विवेदी, संभागीय खेल एवं युवा अधिकारी एमके धौलपुरी एलडीएम एसबीआई प्रेम मिश्र, तथागत मिश्र कबीर, अन्य जनप्रतिनिधि, राष्ट्रीय खिलाड़ी, खेल कोच और बड़ी संख्या में खिलाड़ी तथा खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

रामविलास वेदांती महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित करने श्रद्धांजलि सभा आज

गुढ़ (नि. प्र)। श्री राम मंदिर आंदोलन के सूत्रधार, अगुआ और प्रमुख योद्धा ब्रह्मलीन डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए रविवार 28 दिसंबर को पूर्वाह्न 11 बजे उनकी जन्मभूमि गुढ़वा स्थित भागवत पैलेस में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए भाजपा नेता जितेन्द्र मिश्र ने बताया कि गुढ़ की पुण्य भूमि में जन्मे ब्रह्मलीन डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज विंध्य क्षेत्र का गौरव थे। उनका नाम राम मंदिर आंदोलन के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। जितेन्द्र मिश्र ने कहा कि राम मंदिर के लिए उनका संकल्प, संघर्ष और विचार सदैव करोड़ों राम भक्तों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उनका देहावसान एक युग का अंत और समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है। उनके प्रवचनों में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मर्यादा, हिंदू एकता और धार्मिक सद्भाव की भावना प्रमुख रूप से झलकती थी।

राम मंदिर आंदोलन को नई दिशा देने में उनकी भूमिका को देखते हुए उन्हें राम जन्मभूमि न्यास का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। वेदांती महाराज का यह भी विचार था कि श्रीराम मंदिर 1111 फीट ऊंचा बने, जो इस्लामाबाद, कोलंबो और काठमांडू से भी दिखाई दे।

संस्कार शिक्षा निकेतन की अदिति का पीएनएसटी में चयन

देश मे आठवीं तथा मध्य प्रदेश में तीसरी रैंक की हासिल

सेमरिया। संस्कार शिक्षा निकेतन की छात्रा अदिति कसेरा पिता राजेश कसेरा निवासी सेमरिया का पीएनएसटी मे चयन हुआ है, छात्रा ने पूरे देश मे आठवां तथा मध्य प्रदेश में तीसरी रैंक हासिल की जिससे छात्रा का उच्च शिक्षा हेतु गवर्नमेंट रानी दुर्गावती कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग जबलपुर मे प्रवेश हुआ है, विद्यालय के संचालक, प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकों सहित छात्रा के माता-पिता ने उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अदिति को शुभकामनाएं दीं । छात्रा ने कहा कि मुझे यह सफलता माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कारों तथा संस्कार विद्यालय के शिक्षकों द्वारा स्कूल स्तर पर प्रदान की गई सही शिक्षा और अनुशासन की वजह से मिली है।

दिनोद्धर धाम मंदिर निर्माण का लिया गया संकल्प

सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

अतरैला नि प्र । नरसिंह हनुमान सेवा समिति द्वारा दिनोद्धर धाम अतरैला स्थित पहाड़ी पर विराजमान प्राचीन भगवान शंकर जी के मंदिर, सीढ़ी निर्माण एवं पुलिया निर्माण हेतु सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति के सभी सदस्यों ने एक स्वर में हनुमान चालीसा का पाठ कर मंदिर निर्माण कार्य को पूर्ण करने का संकल्प लिया। ज्ञात हो कि यह स्थान अत्यंत प्राचीन है, जहाँ प्राचीन शिवलिंग तो स्थापित है, परंतु आज तक वहाँ तक पहुँचने का कोई स्थायी मार्ग या पूजा स्थल नहीं बन पाया है। समिति ने निर्णय लिया है कि शीघ्र ही मंदिर निर्माण सीढ़ी एवं पुलिया निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुजन सहजता से दर्शन कर सकें। समिति ने सभी श्रद्धालुओं और भक्तों से तन मन धन से सहयोग की अपील की है। उक्त अवसर पर समिति के संस्थापक नरसिंह सेवक सुरेंद्रदास तिवारी किशोरी लाल मिश्रा योग शिक्षक संतोष तिवारी राम नारायण मिश्रा रजनीश गौतम बब्बू शुक्ला सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे ।समूह के सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि दिनोधर धाम हमारी आस्था का केंद्र है और मंदिर निर्माण कार्य समाज की सेवा और भक्ति दोनों का प्रतीक बनेगा।

फाइलों में अटके स्व-सहायता समूह, कार्रवाई की मांग

रायपुर कर्चु.। जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरी कला निवासी आनंद साकेत ने आजीविका मिशन कार्यालय, रायपुर कर्चुलियान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर आरोप लगाए हैं। आनंद साकेत का कहना है कि उनका स्व-सहायता समूह वर्ष 2017 से संचालित है और मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित आजीविका मिशन की एक योजना में पेड़-पौधे लगाने हेतु आवेदन किया गया था।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत निर्धारित सभी आवश्यक फॉर्मेलिटी एवं दस्तावेज समय पर जमा कर दिए गए थे, इसके बावजूद आज तक उनके प्रकरण में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आनंद साकेत के अनुसार वे कई बार जनपद मुख्यालय रायपुर स्थित आजीविका मिशन कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही दिया गया। वर्तमान में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी आज-कल कहकर प्रकरण को लगातार टाल रहे हैं।

आनंद साकेत ने यह भी बताया कि उनकी ही तरह जनपद रायपुर कर्चुलियान क्षेत्र के अन्य स्व-सहायता समूहों के कार्य भी अत्यधिक विलंब से चल रहे हैं। कार्यालय की उदासीनता और लचर कार्यप्रणाली के कारण लगभग स्व सहायता समूहों के संचालकों को आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्र में इस प्रकार की कई शिकायतें सामने आ रही हैं, जिनमें योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक देरी का आरोप लगाया गया है। स्व सहायता समूह संचालकों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए।

किसानों की आवाज बुलंद करने पर विधायक का माना आभार

सेमरिया। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष सुग्रीव सिंह ने बताया कि सेमरिया विधानसभा अंतर्गत बीड़ा समिति के प्रबंधक द्वारा 63 किसानों की लगभग एक करोड़ अट्ठाइस लाख रुपये की राशि का गबन किया गया था। उक्त गंभीर मामले की जांच एवं दोषियों पर कार्यवाही को लेकर किसान संगठनों द्वारा पूर्व में कई बार वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। इसके साथ ही सेमरिया विधायक अभय मिश्रा से भी इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई थी। इस पर विधायक अभय मिश्रा ने तीन बार विधानसभा पटल पर बीड़ा समिति में हुए गबन के मुद्दे को मजबूती से उठाया तथा किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु सदन में चर्चा की। इसी क्रम में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष सुग्रीव सिंह की अगुवाई में सेमरिया विधायक अभय मिश्रा से भेंट कर सभी किसान नेताओं ने उनका आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही उनसे आग्रह किया गया कि वे सड़क से लेकर सदन तक इसी प्रकार किसानों के हितों की आवाज उठाते रहें। किसान नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि किसान परिवार सदैव उनके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। सेमरिया विधायक का आभार व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से संगठन के जिला अध्यक्ष सुग्रीव सिंह, उपाध्यक्ष घनश्याम सिंह, दिनेश प्रसाद पाण्डेय, ब्लॉक अध्यक्ष सिरमौर वीरेन्द्र प्यासी, वीरभद्र सिंह, किसान नेता शिवमंगल सिंह, तहसील अध्यक्ष अशोक कुशवाहा, ब्लॉक प्रवक्ता छोटेलाल तिवारी, तहसील प्रवक्ता अरुण सिंह, ब्लॉक उपाध्यक्ष सूर्यबली सिंह, किसान नेता यज्ञनारायण अग्निहोत्री, उमेश पाण्डेय, गजेन्द्र गौतम, रामसुन्दर सिंह, रोहणी कुशवाहा, महेन्द्र सिंह, इन्द्रजीत सिंह सहित अनेक किसान नेता उपस्थित रहे।

सोहागी पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव मनाया गया

त्योंथर। सोहागी पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव पूर्व गरिमा के साथ मनाया गया। प्रारंभ में पूर्व विधायक श्ययमलाल द्विवेदी, चेयरमैन डॉ रघुराज सिंह एवं कर्नल विवेक सिंह ने सरस्वती प्रतिमा पर द्वीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानाचार्य जेपी सिंह ने अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत अभिनंदन किया। छात्राओं द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से वीणा वंदना की तथा समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने समावेत स्वर से संस्थान का कुल गीत प्रस्तुत किया। छात्र छात्राओं द्वारा विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जो अत्यंत सुंदर व मनोहारी रहे। छात्रों ने योग की सुंदर प्रस्तुति की। मुख्य अतिथि श्री द्विवेदी एवं अतिथियों द्वारा अनेक खेल कूद सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। अतिथियों में वरिष्ठ पत्रकार राम लखन गुप्त, कौलध्वज सिंह डॉ बी एन मूर्तिया, मार्तण्ड सिंह, एड भारत सिंह भदोरिया, कैप्टन कमल राज सिंह, प्रबंध समिति की शीला सिंह, प्रेम प्रभा सिंह, डॉ. गरिमा सिंह तथा अनेक अभिभावकों की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। स्कूल, कॉलेज, आईटीआई व फार्मेसी कॉलेज के शिक्षकों का व्यवस्था में पूर्ण सहयोग रहा। अंत में प्राचार्य द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। राष्ट्रगीत के द्वारा कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्व. भैया लाल शुक्ल स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट ढेरा का 11वां सीजन शुरू

चौथा लीग मैच और हन्नाचौर 11 के बीच खेला गया

मऊगंज ब्यूरो। मऊगंज जिले के ढेरा ग्राम में स्व. भैया लाल शुक्ल स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट ढेरा का 11वां सीजन (2025-26) भव्य रूप से प्रारंभ हुआ। टूर्नामेंट के चौथे लीग मैच में डीसीए और हन्नाचौर 11 की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और ग्रामीणजन मैदान में मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय महेश चंद राल्ही जी (जनभागीदारी अध्यक्ष, एक्सीलेंसी कॉलेज मऊगंज) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमित शुक्ला जी (पूर्व जनपद पंचायत सदस्य, ढेरा) ने की। वहीं समाजसेवी एवं मार्गदर्शक मोहन लाल शुक्ला जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके साथ ही रामशंकर तिवारी जी, गेंदलाल गुप्ता जी एवं उदय चतुर्वेदी जी ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता माननीय अमिय शुक्ला जी (ममल दादा) की गरिमामयी उपस्थिति एवं अध्यक्षता में आयोजन को विशेष उत्साह मिला। टूर्नामेंट के उद्घाटन अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के खेल आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने का कार्य करते हैं और युवाओं को नशे व गलत दिशा से दूर रखकर खेल और अनुशासन की ओर प्रेरित करते हैं। स्व. भैया लाल शुक्ल जी की स्मृति में आयोजित यह टूर्नामेंट खेल भावना और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का प्रतीक है। चौथे लीग मैच में और हन्नाचौर 11 की टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों टीमों के बीच मुकाबला बेहद रोचक रहा, जिसमें बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

उप चुनाव कल, 48 घंटे पूर्व शराब बिक्री रहेगी प्रतिबंधित

मऊगंज ब्यूरो। रीवा और मऊगंज जिलों में उप चुनाव के कार्यक्रम के अनुसार संबंधित ग्राम पंचायतों और नगरीय निकाय के लिए मतदान 29 दिसम्बर को कराया जाएगा। उप चुनाव के दौरान संबंधित क्षेत्रों में मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व शराब की दुकानें बंद रहेंगी और इसका क्रय-विक्रय प्रतिबंधित रहेगा। इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिन ग्राम पंचायतों में मतदान होना है उन ग्राम पंचायतों की सीमा से पाँच किलोमीटर की परिधि में आने वाली सभी शराब की दुकानें बंद रखी जाएंगी। जिला पंचायत सदस्य के निर्वाचन के मामले में संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली प्रत्येक ग्राम पंचायत की भौगोलिक सीमा की परिधि में स्थित सभी शराब की दुकानें बंद रहेंगी।

स्व. हरि नारायण गुप्ता स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट 29 को

टूर्नामेंट के संयोजक पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना रहेंगे उपस्थित

ब्यूरो, हनुमना। मऊगंज जिले के हनुमना हायर सेकेंडरी खेल मैदान हनुमना में स्व. हरिनारायण स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन रखा गया है इस टूर्नामेंट के आयोजक(टी सी सी) क्रिकेट ग्रुप हनुमना संरक्षक निलेश केशरी (बच्चा) गिरधारी लाल गुप्ता एवं सिंकु सोनी ने संवाददाता से बताया कि 29 दिसंबर से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। प्रथम विजेता को 25000 एवं उपविजेता को 15000 का ट्रॉफी इनाम देना सूचित किया गया है। इस टूर्नामेंट में कुछ नियम और शर्तें रखी गई हैं। क्रिकेट टूर्नामेंट में मऊगंज विधानसभा के खिलाड़ी ही सम्मिलित रहेंगे एवं टूर्नामेंट में एक ही ग्राम पंचायत के 11 खिलाड़ी खेलना अनिवार्य रहेगा संरक्षक निलेश केसरी (बच्चा) एवं कार्यकर्ता सिंकू सोनी गुड्डू खान गोलू शुक्ला सूरज गुप्ता अनुपम केसरी अली मुर्तजा गुड्डा खान सरताज खान आरिफ खान ताजू खान अमन गुप्ता ने मऊगंज जिले के सभी क्रिकेट प्रेमियों से एवं दर्शकों से 29 तारीख सोमवार को हायर सेकेंडरी खेल मैदान हनुमना में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है।

स्व. शीला पटेल के कार्यों को समाज कभी विस्मृत नहीं कर सकता : सुभाष

तीसरी पुण्यतिथि पर आयोजित किया गया स्मरण कार्यक्रम

गुढ़। समाजसेविका स्व. शीला पटेल की तीसरी पुण्यतिथि पर ग्राम बदवार, गुढ़ में आयोजित स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित किए। वरिष्ठ समाज सेवी, मीसाबंदी एवं साहित्यकार सुभाष श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्व.शीला पटेल को आज हम सब इसलिए याद कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने अपना जीवन अपने लिए नहीं बल्कि मातृशक्तियों के लिए जिया। महिलाओं को शिक्षित करने के लिए, उनमें चेतना पैदा करने के लिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्होंने सदैव प्रयास किया। इसलिए शीला पटेल जैसी महिलाएं कभी मरती नहीं है, वो हम सब की स्मृतियों में, हम सबके संस्मरणों में सदैव जीवित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षाविद् उमाशंकर तिवारी ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व प्राचार्य विश्वनाथ प्रसाद पटेल, समाजसेवी नर्मदा प्रसाद पटेल, समाजसेवी शोभनाथ गुप्ता, समाजसेवी नर्मदा परौहा एवं शिक्षाविद कौशल प्रसाद पटेल एवं युवा समाजसेवी सिद्धार्थ श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन समिति के अध्यक्ष विनोद पटेल ने किया।

कार्यक्रम में वक्ता के रूप में अनंत प्रसाद पांडेय, जयलाल पटेल, समिति अध्यक्ष, जोखूलाल पटेल, दुआरी सरपंच बृजभान प्रसाद पटेल, पूर्व सरपंच वाल्मीकि पटेल, पूर्व सरपंच बदवार काशीनाथ पटेल, बैंक मैनेजर गणेश प्रसाद पटेल एवं अशोक पांडेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सर्वप्रथम समस्त अतिथियों द्वारा स्व. शीला पटेल के चित्र के समक्ष दीप प्रवलन एवं पुष्पार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं वरिष्ठ शिक्षाविद उमाशंकर तिवारी ने कहा कि स्व.शीला पटेल को याद करना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है, क्योंकि जो लोग समाज के लिए अपना जीवन आहुत करते हैं उनके त्याग और समर्पण की गाथा नई पीढ़ी को बताना आवश्यक है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों एवं वक्ताओं ने भी स्व. शीला पटेल को याद करते हुए उनके संदर्भ में अपने-अपने संस्मरण रखे तथा उनको अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बी.के. पांडेय, विद्यावती पांडेय, रवीन्द्र पटेल, बालेन्दु पटेल, रामलोटन पटेल, राम चरित पटेल, रामलखन पटेल, लक्ष्मी पटेल, सावित्री यादव, साधना पटेल एवं पिन्टू पटेल सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के आयोजक विनोद पटेल ने किया।

अन्नदाता की समृद्धि
मध्यप्रदेश की प्रगति
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
सोयाबीन
भावांतर योजना
अंतर्गत
अब तक
6.44 लाख किसानों को
₹1292 करोड़ की राशि अंतरित
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
3.77 लाख
किसानों को
₹810 करोड़ की
राशि का अंतरण
28 दिसम्बर, 2025
भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जावरा, जिला रतलाम
विकास और सेवा के 2 वर्ष
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP
D-11176/25

दैनिक जागरण

रीवा, 28 दिसम्बर , 2025 रीवा शहर www.dainikjagranmpcg.com

ओबीसी महासभा की बैठक आज

रीवा। ओबीसी महासभा की बैठक आज दोपहर 2:00 बजे से कलेक्ट्रेट के पीछे राज पैलेस होटल में आयोजित की गई है। इस बैठक में वर्ष 2025 के दौरान संगठन द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी तथा आगामी वर्ष 2026 में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों आंदोलन एवं संगठन विस्तार की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की जावेगी।

समितियों में बिकने आई यूपी की 8 हजार बोरी धान जब्त

परसिया खरीदी केंद्र प्रभारी ने अपने फार्म हाउस को ही बना रखा था मंडी, व्यापारी के गोदाम में मिली 6700 बोरी धान

जागरण, रीवा

दो दिनो में तराई के खरीदी केंद्रों में बिकने आई यूपी की 8 हजार क्विंटल धान एसडीएम त्योथर ने जब्त की है। परसिया खरीदी केंद्र प्रभारी ने तो अपने घर में ही मंडी खोल ली थी। उसके फार्म हाउस में हजारों बोरी धान सरकारी बारदाने में भरी मिली। जबकि बड़ागांव खरीदी केंद्र में खरीदी गयी लगभग 600 बोरी धान टैग व सिलाई युक्त बोरियां एक किसान के घर में मिली। वहीं एक व्यापारी के गोदाम और उसके बाहर 6 हजार से अधिक बोरी धान मिली जो उसके स्टॉक व रिकार्ड से अधिक है। इस दौरान खाद्य विभाग के भी अधिकारी मौजूद रहे। हालांकि यदि खाद्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी जिनके पास नागरिक आपूर्ति निगम का भी प्रभार है पहले से सतर्क होते तो यह काला कारोबार नहीं हो पाता। यह तो एसडीएम त्योथर कार्रवाई करने पहुंचे तो खुलासा हो गया नहीं तो मामले को दबा दिया जाता।

एसडीएम ने संबंधितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। वहीं व्यापारी के गोदाम में मिले अवैध धान भंडारण मामले को मंडी विभाग को सौंपा गया है। हमारे सोहागी संवाददाता को मिली जानकारी अनुसार उद्दत विक्रेता से प्रभारी समिति प्रबंधक बनाए गए परसिया को खरीदी केंद्र प्रभारी बनाया गया है। शैलेंद्र को खरीदी की जिम्मेदारी मिली तो उन्होंने अपने फार्म हाउस को ही मंडी बना दिया। बताया गया कि फार्म हाउस में 997 सरकारी बारदाने में धान भरा मिला। बताया गया है कि उक्त धान यूपी से लाया गया है। जांच में पाया गया कि न तो स्लाट बुक है न ही पंजीयन ही है। इससे जाहिर है कि समिति प्रबंधक ने यूपी की धान खपाने के लिए सारा तानाबना बुना था। चर्चा यह भी है कि भाई के नाम से सारा खेल चल रहा था। जितेंद्र तिवारी पर पूर्व में भी खरीदी में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया था जांच भी बैठी लेकिन मैनेज कर लिया गया। कांग्रेस नेता रमाशंकर सिंह पटेल ने इस काले कारोबार के लिए जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश दांडेकर व फुड इंस्पेक्टर विनीत मिश्रा को जिम्मेदार ठहराया है।

- **बड़ागांव खरीदी केंद्र का टैग लगी 543 बोरी धान एक किसान के घर में मिली**
- **एसडीएम त्योंथर ने की कार्रवाई, प्रकरण दर्ज**

मंडी से अधिक धान व्यापारी के घर मिली

यहीं पर एक व्यापारी के गोदाम व उसके बाहर मंडी से अधिक धान मिली। गोदाम में 3000 बोरी व बाहर ढेर में 3700 बोरी धान मिला। जांच में स्टॉक क्षमता से अधिक पाए जाने पर जब्त कर जांच के लिए मंडी विभाग को सौंप दिया गया।

जिपं सीईओ व अपर कलेक्टर भी पहुंचे

घटना की सूचना पर जिपं सीईओ और अपर कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण करने पहुंचे। सीईओ जिला पंचायत मेह्ताब सिंह गुर्जर बरहा, मनिका, चंद्रपुर, सोहरवा, त्योंथर में बनाए गए धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया। वहीं अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने सेमरिया स्थित सतगुरु वेयरहाउस तथा सेमरिया मण्डी धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया।

किसान के घर में कहां से आ गई सील-सिक्का लगी धान से भरी बोरी

तराई के ही बड़ागांव में खरीदी केंद्र के पास एक किसान प्रमोद तिवारी के घर में 577 बोरी धान मिली। बोरी सिली हुई और उसमें खरीदी केंद्र का टैग व सील भी लगी थी। एसडीएम ने धान जब्त कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उक्त धान अमाव समिति प्रबंधक राजेंद्र शर्मा द्वारा अपने रिश्तेदार प्रमोद तिवारी के घर रखवाये थे।

> तीन जगह छापामारी कर भारी मात्रा में अवैध धान जब्त की गई है। संबंधितों के लिए कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। व्यापारी लाइसेंसी है लेकिन स्टॉक रिकार्ड से अधिक मात्रा होने के कारण प्रकरण मंडी विभाग को सौंपा गया है।
>
> **पी.एस. त्रिपाठी**
> **अपर कलेक्टर**
> **प्रभारी एसडीएम त्योंथर**

पटाखा व्यापारी के घर में तेज धमाका, 4 झुलसे 2 गंभीर

गुढ़ थाना क्षेत्र में सामने आई घटना जांच में जुटी पुलिस

जागरण, रीवा। गुढ़ थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 6 में शनिवार की शाम उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक पटाखा व्यापारी के घर में जोरदार धमाके की गूंज सुनाई पड़ी। अचानक हुए पटाखे में धमाके में 4 युवक झुलस गए जिसमे दो गंभीर बताए गए हैं। घटना शाम करीब 4 बजे के आसपास की बताई जा रही है। चर्चा है कि अवैध रूप से बिक्री करने के लिए यहां पर पटाखा तैयार किए जा रहे थे, तभी अचानक चिंगारी से तेज धमाका हो गया। फिलहाल घटना के बाद अब गुढ़ पुलिस पूरे मामले की जांच में लगी हुई है। पटाखा व्यापारी के घर का एक सदस्य सहित दो पड़ोसी हादसे की में आ गए। सभी घायलों को इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया है जहां बर्न यूनिट में घायलों का उपचार चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है। पटाखा कारोबारी के यहा हुए धमाके और आगजनी की सूचना के बाद गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे थे जिसके बाद मौके पर पहुंचे दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया। बम स्क्वॉड की टीम को भी घटना की सूचना दी गई है जो विस्फोटक पदार्थ की जांच कर रही है। घटना में बादल दरवेश निवासी वार्ड 6, राहुल खान- वार्ड क्रमांक 8, जाबिर खान घायल हुए है। फिलहाल अब पूरी घटना की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है, साथ ही विस्फोटक पदार्थ की पड़ताल भी घटना के बाद अब की जा रही हे।

अखिल सत्य सनातन संघ की बैठक आज : रीवा। वैश्विक स्तर पर वसुधैव कुटुंबकम् के सिद्धांत पर आधारित सत्य सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गठित श्रीचित्रगुप्त अखाड़ा, वृंदावन मथुरा से संबद्ध गैर राजनैतिक संगठन अखिल विश्व सत्य सनातन संघ की रीवा संभाग की प्रथम संभागीय बैठक आज 28 दिसंबर को अपरान्ह 02 बजे नगर के तरहटी स्थित अति प्राचीन श्री चित्रगुप्त मंदिर में रखी गई है।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com